RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:229। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शनिवार) 11 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

डिजिटल षड्यंत्रः सच की पड़ताल

धर्म पर प्रहारः जैन मुनियों के विरुद्ध देशव्यापी 'हनीट्रैप' का घिनौना षड्यंत्र

महानगर मेट्रो का बड़ा खुलासा

महानगर मेट्रो/पवन माकन

नई दिल्ली/अहमदाबाद। अहिंसा और त्याग की प्रतिमूर्ति जैन समाज के साधु-संतों को बदनाम करने के लिए देश स्तर पर एक बहुत बड़ा और खतरनाक नेटवर्क सक्रिय हो गया है। 'महानगर मेट्रो' की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने एक ऐसे 'हनीट्रैप' गिरोह का पदार्फाश किया है, जो समाज के भीतर ही रहकर धर्म की जड़ों को खोखला करने और पूजनीय संतों के चरित्र पर कीचड़ उछालने का घिनौना व्यापार कर रहा है।

डिजिटल डकैती: फेक वीडियो से 'धर्म' को बंधक बनाने की साजिश इस गिरोह की कार्यप्रणाली किसी भी पेशेवर अपराधी से ज्यादा शातिर है। यह गिरोह न केवल आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग कर रहा है, बल्कि समाज की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहा है।

एडिटिंग का मायाजालः गिरोह द्वारा साधु-संतों के चेहरों का उपयोग कर एआई और डीपफेक तकनीक से अश्लील वीडियो बनाए जाते हैं।

ब्लैकमेलिंग का धंधा: वीडियो तैयार होते ही मुनियों या उनके अनुयायियों से संपर्क कर 'सेटलमेंट' के नाम पर करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी जाती है।

सोशल मीडिया का दुरुपयोग: पैसा न मिलने पर फेक आईडी के जरिए इन वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाता है, जिससे समाज में भ्रम और आक्रोश फैले।

मीडिया की नैतिकता पर सवाल?

इस षड्यंत्र में कुछ गैर-जिम्मेदार मीडिया पोर्टल्स की भूमिका भी संदिग्ध है। बिना किसी 'फैक्ट चेक' के, केवल टीआरपी और व्यूज की भूख में ऐसे फर्जी वीडियो को प्रसारित कर देना पत्रकारिता के सिद्धांतों की हत्या है। महानगर मेट्रो ऐसे संस्थानों की कड़े शब्दों में निंदा करता है।

हम चुप नहीं बैठेंगे, षड्यंत्रकारियों को बेनकाब करेंगे- पवन माकन

इस गंभीर मुद्दे पर प्रहार करते हुए महानगर मेट्रो के ग्रुप एडिटर पवन माकन ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहाः "यह हमला केवल एक मुनि पर नहीं, बल्कि हमारी हजारों साल पुरानी संस्कृति और आस्था पर है। कुछ मलीन तत्व समाज में रहकर ही हमारे संतों को निशाना बना रहे हैं। महानगर मेट्रो ने इस गिरोह के चेहरे बेनकाब करने का संकल्प लिया है। जब तक ये अपराधी जेल की सलाखों के पीछे नहीं होंगे, हमारी कलम शांत नहीं होगी।"

सरकार और प्रशासन से सीधे 3 सवालः

1.कठोर कार्रवाई कब?: क्या सरकार ऐसे 'हनीट्रैप' गिरोहों को चिन्हित कर उनके खिलाफ रासुका जैसी कड़ी कार्रवाई करेगी?

2.साइबर सेल की सुस्ती क्यों ?: डिजिटल साक्ष्यों के बावजूद ऐसे अपराधियों तक पहुँचने में देरी क्यों हो रही है?

3.फेक न्यूज पर लगाम कब ? : बिना जांच वीडियो चलाने वाले चैनलों और पोर्टल पर सरकार कानूनी शिकंजा क्यों नहीं कसती?

जनता से अपील :

महानगर मेट्रो समस्त जैन समाज और जागरूक नागरिकों से अपील करता है कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले किसी भी संदिग्ध वीडियो को सच न मानें। अपनी आस्था को इन डिजिटल अपराधियों के हाथों कमजोर न होने दें।

बंगाल के लिए बीजेपी का घोषणापत्र

•अमित शाह बोले- 45 दिन के अंदर 7वां वेतन आयोग लागू करेंगे; यूसीसी भी लागू होगा

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दौरे में है। इस दौरान वह विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी कर रहे हैं। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए इसे 'भरोसे का पत्र' बताया। पार्टी ने इसे 'सोनार बांग्ला' का रोडमैप बताते हुए विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा पर फोकस किया है। साथ ही, उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भाजपा बंगाल के ही बेटा को मुख्यमंत्री बनाएगी।

उन्होंने कहा कि यह संकल्प पत्र राज्य के हर वर्ग की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और मौजूदा निराशा के माहौल से बाहर

निकलने का रास्ता दिखाएगा। अमित शाह के अनुसार, इस घोषणापत्र में किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों से जूझ रहे किसानों को इससे नई दिशा मिलेगी, जबकि युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी खास जोर दिया गया है।

इसके साथ ही बंगाल की सांस्कृतिक पहचान और गौरव को पुनर्स्थापित करने की बात भी इसमें प्रमुख रूप से शामिल है।

इसके अलावा अमित शाह ने सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा एलान करते हुए कहा कि सभी सरकारी कर्मचारियों और वेतनभोगियों के लिए डीए सुनिश्चित किया जाएगा और 45 दिनों के भीतर ही सातवें वेतन आयोग और आयुष्मान भारत समेत भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करेंगे। साथ ही छह माह के अंदर ही यूसीसी भी लागू करेंगे। महिलाओं के लिए एलान करते हुए कहा कि हमारी सरकार 'लक्ष्मी भंडार' योजना के लाभार्थियों को हर महीने 1 से 5 तारीख तक खाते में 3 हजार रुपए ट्रांसफर करेंगी।

इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और 6 पोषण किट देने की योजना है। वहीं, राज्य संचालित बसों में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा लागू करने का भी वादा किया गया है। पीएम किसान सम्मान निधि में हम राज्य की तरफ से अतिरिक्त 3,000 रुपये जोड़ेंगे और किसानों को सालाना 9,000 रुपये की वित्तीय सहायता देंगे।

भाजपा के घोषणापत्र की 10 बड़ी बातें

- सरकार बनने के 6 महीने के अंदर बंगाल में यूसीसी लागू करने का वादा।
- राज्य की महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3000 रुपये देने का एलान।
- मवेशी तस्करी पर सख्त रोक लगाने का वादा।
- बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए 'वंदे मातरम म्यूजियम' बनाने की घोषणा।
- राज्य सरकार की सभी नौकरियों (पुलिस सहित) में महिलाओं को 33फीसदी आरक्षण देने का वादा।
- सरकार बनने के 45 दिन के भीतर सरकारी कर्मचारियों के लिए 7वां वेतन आयोग लागू का एलान।
- उत्तर बंगाल में AIIMS, IIT, IIM और फैशन डिजाइन संस्थान स्थापित का वादा।
- पीएम किसान से इतर राज्य सरकार की ओर से 3,000 रुपये अतिरिक्त मदद देने का वादा।
- राज्य में विकास को बढ़ावा देने के लिए चार नए टाउनशिप विकसित करने की घोषणा।
- मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना को आयुष्मान भारत से जोड़ने का वादा।

महानगर मेट्रो स्पेशल आर्टिकल

गुजरात का गढ़ और जनता का मिजाजः क्या परिवर्तन की बयार चलेगी या फिर लहराएगा 'केसरिया'?

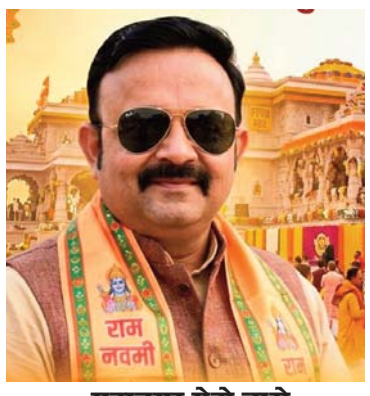

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लेखकः पवन माकन (ग्रुप एडिटर)

अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति आज एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है, जहां पिछले चुनाव के परिणाम इतिहास का हिस्सा बन चुके हैं और आगामी चुनाव भविष्य के नए समीकरण लिख रहे हैं। जो राजनीतिक दल यह मानते हैं कि "गुजरात की जनता भोली है", उन्हें अब सतर्क हो जाने की जरूरत है। यह 21वीं सदी का सोशल मीडिया से लैस और जागरूक गुजरात है। सत्ताधारी दल ने 'नो-रिपीट थ्योरी' अपनाकर पुराने दिग्गजों के पत्ते काट दिए हैं और नए चेहरों को मैदान में उतारा है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि—क्या केवल चेहरे बदलने से शासन की शैली और भ्रष्टाचार के दाग धुल जाएंगे?

प्रमुख बिंदुः जनता के सवाल और दलों की कशमकश

नए चेहरे बनाम पुराने सवालः

भाजपा ने एंटी-इंकंबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) को मात देने के लिए अपनी रणनीति पूरी तरह बदल दी है। दिग्गजों को विश्राम देकर नए खून को मौका दिया गया है। परंतु, क्या जनता "नई बोतल में पुरानी शराब" जैसी इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी? आज का मतदाता 'नाम' के मोह में नहीं, बल्कि 'काम' और 'पारदर्शिता' की कसौटी पर वोट देने का मन बना चुका है।

भ्रष्टाचारः क्या मतपेटी में मिलेगा जवाब?

पिछले कुछ समय में चाहे 'पेपर लीक' कांड हो या स्थानीय प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार, आम आदमी हर तरफ से पिस रहा है। हमारे ग्राउंड जीरो रिपोर्टिंग के अनुसार, जनता के भीतर एक सुलगता हुआ आक्रोश है। क्या यह आक्रोश मतदान के दिन एश्ट पर प्रहार करेगा?

विपक्ष का वजूदः विकल्प या मतों का बंटवारा ?

कांग्रेस के लिए यह अस्तित्व बचाने की लड़ाई है, वहीं तीसरे पक्ष (आम आदमी पार्टी) की सक्रियता ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। यदि विपक्षी मतों का ध्रुवीकरण या विभाजन होता है, तो इसका सीधा लाभ सत्ताधारी दल को मिल सकता है। लेकिन, यदि जनता ने 'परिवर्तन' का मन बना लिया है, तो राजनीति के बड़े-बड़े गणित धरे के धरे रह सकते हैं।

संपादकीय दृष्टिकोणः सोशल मीडिया नया कुरुक्षेत्र

आज के दौर में जनता को गुमराह करना संभव नहीं है। गांव के अंतिम छोर पर बैठा युवा भी डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए सत्ता से सवाल पूछ रहा है। 'वॉट्सऐप यूनिवर्सिटी' के दुष्प्रचार के सामने अब जमीनी हकीकत और तथ्य टकरा रहे हैं। इस बार के चुनाव में जातिवाद की राजनीति पर 'विकास की वास्तविकता' और 'महंगाई' जैसे मुद्दे भारी पड़ सकते हैं।

जनता ही जनार्दन

गुजरात की समझदार जनता फिलहाल मौन है, और यह मौन किसी बड़े तूफान से पहले की शांति भी हो सकता है। सत्ता के मद में डूबे नेता हों या जनता के बीच पहुंचने में नाकाम रहने वाले विपक्षी चेहरे—हर किसी के लिए यह चुनाव 'लिटमस टेस्ट' साबित होने वाला है।

अंतिम सवालः क्या नए चेहरे पुराने किलों को बचा पाएंगे? क्या जनता भ्रष्टाचार का हिसाब मांगेगी? उत्तर तो मतपेटियों से ही निकलेगा, लेकिन एक बात निश्चित है झ इस बार गुजरात की सियासत में कुछ नया होने वाला है!

मोनालिसा नाबालिक है मोनालिसा के दस्तावेज से प्रमाणित राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान में लिया महेश्वर में एफआईआर दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। प्रयागराज की वायरल गर्ल मोनालिसा इन दिनों बेहद चर्चा में है वजह उनकी शादी को लेकर है दरअसल घर वालों की मर्जी के बिना मोनालिसा ने केरल में भाग कर एक फरमान नाम के युवक से शादी किया है तब से बखेड़ा खड़ा हो गया है ताजा मामला उनके उम्र को लेकर है द डायरी ऑफ मणिपुर के निमार्ता निर्देशक सनोज मिश्रा ने एक वीडियो जारी कर बताया है कि मोनालिसा की उम्र अभी शादी की नहीं हुई है वह नाबालिक है साथ ही इसी को आधार मानकर मानव अधिकार आयोग ने डीजीपी को इस पूरे मामले की जांच करने की आदेश दिए हैं साथ ही महेश्वर में उनके पिता ने अपनी पुत्री को भगा ले जाने का एफआईआर दर्ज कराया है दूसरी ओर द डायरी ऑफ मणिपुर के निमार्ता निर्देशक सनोज मिश्रा ने इस मामले के मानव अधिकार आयोग एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के संज्ञान में आने के

बाद कहा है कि अब न्याय की उम्मीद जगी है वह शुरूआत से ही दावा कर रहे हैं कि मोनालिसा का ब्रेनवास किया गया है वह नाबालिग है जिस पर मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान में लिया है उन्होंने एक वीडियो जारी कर दावा किया है कि इस पूरे मामले में देश विरोधी ताकतों की हाथ हो सकता है हालांकि उन्होंने कहा कि अब वह फिल्म रिलीज नहीं करेंगे फिलहाल इस मामले के सामने आने से फरहान पर कड़ी कार्रवाई होने की उम्मीद है।

व्यंग्यः 'पैसा बनाने का शॉर्टकट' बना सत्ता का गलियारा? सोशल मीडिया पर फूटा जनता का गुस्सा

पहले रसूख बनाओ, फिर दबदबा कायम करो और अंत में सत्ताधारी दल में शामिल हो जाओ"

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आज के दौर में राजनीति जनसेवा का माध्यम रह गई है या 'मनी मेकिंग मशीन'? यह सवाल इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर आम जनमानस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। हाल ही में एक विचार वायरल हो रहा है, जो राजनीतिक दलों की कार्यप्रणाली और नेताओं की बदलती नीयत पर करारा प्रहार करता है। इस संदेश में व्यंग्य किया गया है कि यदि आपको बेहिसाब दौलत बनानी है, तो पहले अपने क्षेत्र में धाक जमाएं और फिर सत्ताधारी दल का दामन थाम लें—इसके बाद आपको रोकने वाला कोई नहीं मिलेगा!

सिद्धांतों की बलि, अब तो बस 'माया' का बोलबाला!

एक दौर था जब नेता जेल जाने से डरते थे और अपने सिद्धांतों के लिए मर-मिटने को तैयार रहते थे। लेकिन अब 'नया फॉमूर्ला' सामने आया है: किसी भी तरह नाम और पहुंच बनाओ, चाहे आप कानूनी शिकंजे में ही क्यों न हों, बस सत्ताधारी दल में शामिल होते ही आपकी 'पाप धोने की मशीन' चालू हो जाएगी। जनता इस गिरती मानसिकता को धिक्कार रही है। लोग देख रहे हैं कि कैसे कल तक विरोध करने वाले चेहरे रातों-रात केसरिया चोला पहनकर 'दूध के धुले' बन जाते हैं।

*कुदरत ने जिंदगी जीने के लिए दी है, संपत्ति के ढेर लगाने के लिए नहीं*

वायरल हो रहे इस आक्रोश में एक गहरा दार्शनिक संदेश भी छिपा है। लोगों का कहना है कि कुदरत ने मनुष्य को एक सुंदर जीवन जीने के लिए दिया है, न कि अनैतिक रूप से संपत्ति के पहाड़ खड़े करने के लिए। जो नेता सत्ता के रसूख में डूबकर केवल तिजोरियां भरने में लगे हैं, वे भूल रहे हैं कि अंत में सब यहीं रह जाना है।

*जनता का सवालः क्या यही है लोकतंत्र की परिभाषा?*

जब भ्रष्टाचार और दबंगई करने वाले तत्व राजनीतिक दलों की शरण लेकर खुद को सुरक्षित महसूस करने लगते हैं, तो एक ईमानदार टैक्सपेयर और आम नागरिक खुद को ठगा हुआ महसूस करता है। 'महानगर मेट्रो' के माध्यम से जनता पूछ रही है कि क्या राजनीतिक दल अब केवल 'वोट बैंक' की खातिर किसी को भी गले लगाने के लिए तैयार हैं?

महानगर मेट्रो की कलम से: * सत्ता के नशे में चूर नेताओं को याद रखना चाहिए कि कुर्सी तो आज है कल नहीं, लेकिन जनता की नजरों में एक बार सम्मान खो दिया तो उसे दोबारा पाना नामुमकिन है। लालच छोड़ें और लोकतंत्र की गरिमा बचाएं!

राजनीति को कमाई का जरिया बनाने वाली मानसिकता पर तीखा प्रहार

जासूसी और आतंकी साजिश नाकाम

•आईएसआई-बीकेआई मॉड्यूल का भंडाफोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय आतंकी, हथियार तस्करी और जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मॉड्यूल का सीधा संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से बताया जा रहा है। दो अलग-अलग ऑपरेशन में कुल 11 आरोपितों को दिल्ली और पंजाब से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि समय रहते कार्रवाई कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया। जांच में पता चला है कि आरोपित पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारों पर काम कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की गतिविधियां देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा थीं और समय रहते कार्रवाई कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि स्पेशल सेल की उत्तरी रेंज और दक्षिण-पश्चिम रेंज की टीमों ने यह संयुक्त कार्रवाई की। पहले ऑपरेशन में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें तीन पंजाब और तीन दिल्ली

के रहने वाले हैं। दूसरे ऑपरेशन में पांच आरोपितों को पंजाब से दबोचा गया। इन कार्रवाइयों में कई पुलिस टीमों ने तकनीकी निगरानी और खुफिया इनपुट के आधार पर एक साथ छापेमारी की। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के अनुसार पहले ऑपरेशन में छह आरोपित गिरफ्तार किए गए, जिनमें मनप्रीत सिंह (तरनतारन), अनमोल और साहिल (फिरोजपुर), अतुल राठी और रोहित (रोहिणी, दिल्ली) तथा अजय (टटेसर, दिल्ली) शामिल हैं।

उपराष्ट्रपति ने सिंधी भाषा में संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया

- 'भाषाएं संस्कृति, परंपरा और पहचान की वाहक हैं' - उपराष्ट्रपति
- उपराष्ट्रपति ने कहा, 'मातृभाषा में संविधान नागरिकों को सशक्त बनाता है'

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर सिंधी भाषा में भारत के संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया। यह दो लिपियों- देवनागरी और फारसी में प्रकाशित किया गया है। राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि विभाजन के बाद के कठिन समय में सिंधी भाषा ने दृढ़ता और एकता के प्रतीक के

रूप में कार्य किया। सिंधी में संविधान का प्रकाशन भाषाई समावेशिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से लोग संविधान को अपनी मातृभाषा में समझ सकेंगे, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी और विश्वास मजबूत होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि यह पहल हमारी भाषाई विविधता, संवैधानिक जागरूकता और समावेशी भारत के संकल्प को और सशक्त बनाती है जो संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और लोकसभा सांसद शंकर लालवानी सहित अन्य गणमान्य जन मौजूद रहे।

दिल्ली विश्वविद्यालय में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान शुरू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई। फैकल्टी ऑफ आर्ट्स के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता मुख्यातिथि रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। इस अवसर डीयू दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी, एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो और रजिस्ट्रार डॉ विकास गुप्ता सहित अनेकों प्रिंसिपल, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वयं भी हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया एवं सभी महिलाओं को इसमें हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्राओं ने 'अब नेतृत्व की बारी है - नारी शक्ति वंदन की जिम्मेदारी है' के जोरदार नारे भी लगाए।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि देश को चलाने में महिलाओं की बड़ी भूमिका होनी चाहिए। जब महिलाएं आगे बढ़कर आएंगी तब जाकर आपके द्वारा सिस्टम में परिवर्तन लाना संभाव होगा। श्रीमति रेखा गुप्ता ने इस अधिनियम को लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुआ कहा कि इस बिल के पारित होने से महिलाओं को विधान सभाओं और संसद में उचित प्रीतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ से बेटी पढ़ाओ और बेटी बढ़ाओ तक का ये सफर हमारी आने वाली पीढ़ियों को उन समस्याओं के समाधान की ताकत देगा, जिनका हमने सामना किया है। इस बिल के लागू होने से महिलाएं मेज के उस पार से इस पार आएंगी।

श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि हम सबको मिलकर इस अधिनियम के समर्थन में अपने विचार रखने हैं, यह नारी शक्ति के लिए बहुत बड़ा निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं और महिलाओं का इस हस्ताक्षर अभियान और महिला आरक्षण को लेकर उत्साह अपने आप में एक संदेश है। हर हस्ताक्षर में उनका सपना है, आगे बढ़ने का हौसला है और बराबरी से भागीदारी का भरोसा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज नारी शक्ति विकास की सहभागी ही नहीं, विकसित भारत की निर्माणकर्ता और नेतृत्वकर्ता बन रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में 33' प्रतिनिधित्व की दिशा में यह कदम देश की बेटियों को नई ताकत देगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि 16 अप्रैल को संसद में इस दिशा में आगे बढ़ते कदम, देश की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं को नई दिशा और नया विश्वास देंगे।

हौसलों की उड़ानः बिना हाथों के भी 'स्वप्निका' ने रंगों से भरा अपना जीवन, हनुमान जी की कलाकृतियों ने दुनिया को किया मंत्रमुग्ध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कहते हैं कि अगर मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो शारीरिक अक्षमता कभी आड़े नहीं आती। आज के दौर में जहाँ लोग छोटी-छोटी परेशानियों से टूट जाते हैं, वहीं स्वप्निका कोववाड़ा एक ऐसी मिसाल बनकर उभरी हैं, जिन्होंने अपनी कमजोरी को ही अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। जन्म से दोनों हाथ न होने के बावजूद स्वप्निका ने हार नहीं मानी और आज उनकी कलाकारी पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बन चुकी है।

पैरों और अटूट संकल्प से रचे जादुई चित्र

स्वप्निका का संघर्ष किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। बचपन में जब हमउम्र बच्चे खिलौनों से खेलते थे, तब स्वप्निका ने अपने पैरों की उंगलियों और मुँह के सहारे कूची (ब्रश) थामना सीखा। वर्षों के कड़े अभ्यास और अटूट धैर्य का परिणाम आज उनकी पेंटिंग्स में साफ झलकता है। उनकी बनाई पेंटिंग्स को देखकर यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि इसे हाथों से नहीं, बल्कि पैरों से बनाया गया है।

हनुमान जी की भक्ति में लीन कलाकार

स्वप्निका की कला की सबसे बड़ी विशेषता उनके द्वारा बनाए गए भगवान हनुमान जी के चित्र हैं। बजरंगबली की शक्ति, भक्ति और तेज को उन्होंने जिस बारीकी से कैनवास पर उतारा है, वह अद्भुत है। सोशल मीडिया पर उनकी यह कलाकृतियां काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। लोग उनकी पेंटिंग्स को देखकर कहते हैं कि इनमें साक्षात भक्ति का वास है। हनुमान जी के चित्र बनाते समय स्वप्निका की एकाग्रता यह बताती है कि विश्वास और समर्पण से हर बाधा को पार किया जा सकता है।

मुसीबतें छोटी हैं, अगर इरादे बड़े हों

साइकिल के पहियों से सफलता के शिखर तकः गरीबी को मात देकर बेटी ने रचा इतिहास

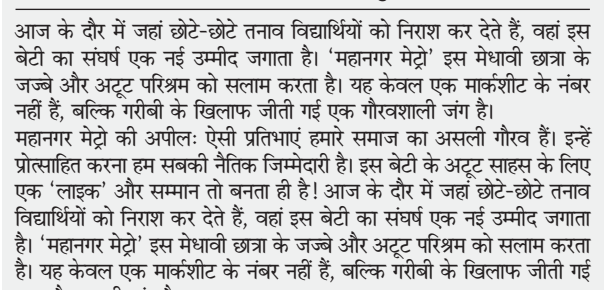

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/भोपाल। कहते हैं कि जिनके सपनों में जान होती है, उन्हें पंखों की नहीं बल्कि हौसलों की जरूरत होती है। मध्य प्रदेश की एक बेटी ने इस कहावत को हकीकत में बदल दिया है। गरीबी और अभावों के बीच पली-बढ़ी इस छात्रा ने अपनी मेहनत के दम पर 10वीं की परीक्षा में 98.75% अंक प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता का, बल्कि पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

हर दिन 24 किमी का सफर और अटूट संकल्प

इस बेटी के लिए शिक्षा का रास्ता आसान नहीं था। घर से स्कूल की दूरी इतनी ज्यादा थी कि पैदल जाना मुमकिन नहीं था और बस के लिए पैसे नहीं थे। ऐसे में साइकिल ही उसका एकमात्र सहारा बनी। चिलचिलाती धूप हो या मूसलाधार बारिश, इस छात्रा ने कभी हार नहीं मानी। रोजाना 24 किलोमीटर साइकिल चलाकर स्कूल जाना और फिर घर आकर पढ़ाई के साथ-साथ परिवार के कामों में हाथ बंटाना, यह साबित करता है कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता।

अभावों के बीच प्रतिभा का उजाला

घर की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी, बुनियादी सुविधाओं का अभाव था और महंगे ट्यूशन का तो सवाल ही नहीं उठता था। इसके बावजूद, उसने अपनी एकाग्रता को भंग नहीं होने दिया। उसकी यह ऐतिहासिक सफलता उन सभी लोगों के लिए एक करारा जवाब है जो सुविधाओं की कमी को अपनी असफलता का बहाना बनाते हैं। उसने दुनिया को दिखा दिया कि यदि इरादे फौलादी हों, तो गरीबी की बेड़ियाँ भी रास्ता नहीं रोक सकतीं।

समाज के लिए प्रेरणापुंज

आज के दौर में जहां छोटे-छोटे तनाव विद्यार्थियों को निराश कर देते हैं, वहां इस बेटी का संघर्ष एक नई उम्मीद जगाता है। 'महानगर मेट्रो' इस मेधावी छात्रा के जज्बे और अटूट परिश्रम को सलाम करता है। यह केवल एक मार्कशीट के नंबर नहीं हैं, बल्कि गरीबी के खिलाफ जीती गई एक गौरवशाली जंग है।

महानगर मेट्रो की अपीलः ऐसी प्रतिभाएं हमारे समाज का असली गौरव हैं। इन्हें प्रोत्साहित करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। इस बेटी के अटूट साहस के लिए एक 'लाइक' और सम्मान तो बनता ही है! आज के दौर में जहां छोटे-छोटे तनाव विद्यार्थियों को निराश कर देते हैं, वहां इस बेटी का संघर्ष एक नई उम्मीद जगाता है। 'महानगर मेट्रो' इस मेधावी छात्रा के जज्बे और अटूट परिश्रम को सलाम करता है। यह केवल एक मार्कशीट के नंबर नहीं हैं, बल्कि गरीबी के खिलाफ जीती गई एक गौरवशाली जंग है।

अनंत अंबानी की दरियादिलीः 31वें जन्मदिन पर परोपकार की मिसाल, सेवा कार्यों के लिए दिए 51 लाख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/जामनगर। रिलायंस समूह के रणनीतिकार और अपनी सादगी के लिए पहचाने जाने वाले अनंत अंबानी ने अपने 31वें जन्मदिन को किसी भव्य तामझाम के बजाय सेवा और करुणा के साथ मनाया है। उन्होंने इस विशेष अवसर पर महिपतसिंह फाउंडेशन को ? 51 लाख का आर्थिक सहयोग प्रदान कर मानवता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

दौलत और दुआओं का संगम

अमूमन बड़े घरानों के जन्मदिन आलीशान पार्टियों और ग्लैमर के लिए सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन अनंत अंबानी ने एक बार फिर साबित किया है कि सच्ची खुशी दूसरों के आंसू पोंछने में है। उनके द्वारा दी गई यह सहायता राशि फाउंडेशन द्वारा संचालित अनाथालयों और वृद्धाश्रमों में रह रहे लोगों के बेहतर भविष्य, स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए खर्च की जाएगी।

सेवा में ही सच्चा आनंद

महिपतसिंह फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से समाज के उपेक्षित वर्गों, खासकर बेसहारा बच्चों और बुजुर्गों के उत्थान के लिए काम कर रहा है। अनंत अंबानी की इस पहल ने न केवल संस्था को मजबूती दी है, बल्कि उन मासूमों के चेहरों पर भी मुस्कान बिखेरी है जो अपनों के साये से महरूम हैं।

एक नई मिसालः वंतारा से लेकर जनसेवा तक

पशु कल्याण के लिए 'वंतारा' जैसे वैश्विक प्रोजेक्ट के बाद, अब सामाजिक उत्तरदायित्व के स्तर पर अनंत अंबानी का यह व्यक्तिगत योगदान युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। यह कदम संदेश देता है कि संसाधन और सफलता तभी सार्थक हैं जब वे समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति के काम आ सकें।

महानगर मेट्रो की कलम सेःउत्सव तो हर कोई मनाता है, लेकिन जो दूसरों के जीवन में उजाला फैलाकर अपना दिन मनाए, वही सही अर्थों में नायक है। अनंत अंबानी का यह प्रयास समाज के लिए एक बेहतरीन नजीर पेश करता है। जन्मदिन की कोटि-कोटि शुभकामनाएँ!

अनाथ बच्चों और बुजुर्गों के सहारा बने अनंत; जन्मदिन के जश्न को सेवा के संकल्प से बनाया यादगार

भाईचंद पटेलः वो 'गुजराती' जिसके प्यार में रेखा भी थीं पागल! प्रधानमंत्री और महारानियों से रहे दिलचस्प रिश्ते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/दिल्ली। जब भी हम 'पटेल' सरनेम सुनते हैं, तो जेहन में एक मेहनती किसान या किसी बड़े बिजनेसमैन की छवि उभरती है। लेकिन आज हम बात कर रहे हैं एक ऐसे गुजराती शख्सियत की, जिसकी जिंदगी में ग्लैमर, गजलें और खूबसूरत महिलाओं का साथ कभी कम नहीं रहा। नाम है– भाईचंद पटेल। एक ऐसा व्यक्तित्व जिनसे बॉलीवुड की 'एवरग्रीन ब्यूटी' रेखा शादी करना चाहती थीं!

रेखा और भाईचंदः अधूरी प्रेम कहानी ?

भाईचंद पटेल की जिंदगी का सबसे चर्चित किस्सा अभिनेत्री रेखा से जुड़ा है। भाईचंद खुद अपनी यादों में इस बात का जिक्र कर चुके हैं कि रेखा के साथ उनके संबंध काफी गहरे थे। रेखा उनसे शादी करना चाहती थीं, लेकिन किस्मत को शायद कुछ और ही मंजूर था। भाईचंद पटेल के शब्दों में कहें तो, उनकी दुनिया हमेशा सुंदर स्त्रियों से घिरी रही और रेखा उनमें से सबसे खास थीं।

प्रधानमंत्री और महारानियों से दोस्ती

भाईचंद पटेल का रसूख केवल फिल्मी दुनिया तक सीमित नहीं था। संयुक्त राष्ट्र में उच्च पदों पर रहे इस गुजराती लेखक के संबंध भारत के राजनीतिक गलियारों में भी खूब थे। इंदिरा गांधी हों या जयपुर की महारानी गायत्री देवी, भाईचंद की पार्टियों में दुनिया भर के प्रभावशाली लोगों का आना-जाना लगा रहता था। न्यूयॉर्क और दिल्ली में उनके घर 'कल्चरल हब' माने जाते थे, जहां कविता, राजनीति और प्रेम पर घंटों चर्चा होती थी।

फिजी के खेतों से ग्लोबल स्टेज तक

मूल रूप से गुजराती लेकिन फिजी में जन्मे भाईचंद पटेल ने लंदन में वकालत की और बाद में पत्रकारिता और लेखन में अपनी धाक जमाई। उन्होंने अपनी आत्मकथा 'आई एम ए स्ट्रेंजर हियर माईसेल्फ' में अपनी जिंदगी के इन तमाम दिलचस्प पन्नों को खोला है। वे एक सच्चे 'बोन विवांत' (जिंदादिल इंसान) हैं, जिन्हें अच्छा खाने, पीने और जिंदगी को भरपूर जीने का सलीका आता है।

क्यों खास हैं ये पटेल ?

भाईचंद पटेल हमें सिखाते हैं कि एक गुजराती सिर्फ व्यापार ही नहीं करता, बल्कि वह अपनी बौद्धिकता और मिजाज से पूरी दुनिया को अपना मुरीद भी बना सकता है। भले ही वे रेखा के साथ सात फेरे न ले सके हों, लेकिन उनकी असल जिंदगी किसी भी ब्लॉकबस्टर बॉलीवुड फिल्म से कहीं ज्यादा रंगीन और दिलचस्प रही है।

महानगर मेट्रो की कलम से: जिंदगी जीने का अंदाज तो कोई भाईचंद पटेल से सीखे। जो शख्स महारानियों के साथ डिनर करे और रेखा जैसी खूबसूरती का हमदर्द भी रहे, वही सही मायने में खुशकिस्मत गुजराती है।

ठंडार में लो-वोल्टेज की समस्या दूर

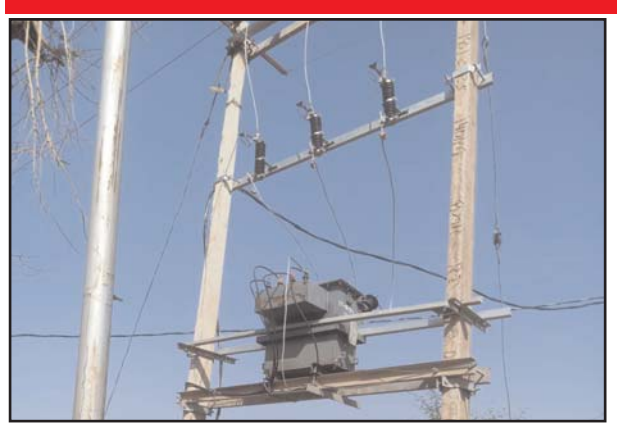

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खैरागढ़ जिले के गंडई उपसंभाग के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत ठंडार में लंबे समय से चली आ रही लो-वोल्टेज की समस्या का विद्युत विभाग ने सफलतापूर्वक निराकरण कर दिया है। चौक और मोहल्ले में वोल्टेज कम होने के कारण ग्रामीणों को घरेलू विद्युत उपकरणों के संचालन और पेयजल संसाधनों (जैसे बोरवेल व पंप) के उपयोग में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था।

त्वरित जांच और विभागीय कार्रवाई - समस्या की जानकारी मिलते ही बिजली विभाग के मैदानी अधिकारियों ने तत्काल मौके का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि एलटी (लो-टेंशन) लाइन अत्यधिक लंबी होने के कारण वोल्टेज ड्रॉप हो रहा था और अंतिम छोर तक पर्याप्त बिजली नहीं पहुंच पा रही थी।

विद्युत विभाग ने इस पर त्वरित एक्शन लेते हुए निम्नलिखित कार्य पूर्ण किएः-

नया डीपी पोल और ट्रांसफार्मर :- चौक-मोहल्ले के लिए विशेष रूप से नया डीपी पोल खड़ा कर वितरण ट्रांसफार्मर चार्ज (चालू) किया गया।

लाइन का सुदृढ़ीकरणः- लंबी निम्नदाब (एलटी) लाइन की लंबाई को कम किया गया और लोड को नए ट्रांसफार्मर पर सुचारू रूप से विभाजित किया गया।

निर्बाध विद्युत आपूर्तिः- इन कार्यों के पूर्ण होते ही ग्राम पंचायत ठंडार के रहवासियों को अब बिना किसी ट्रिपिंग और पर्याप्त वोल्टेज के साथ 24 घंटे बिजली की सुविधा मिलने लगी है।

ग्रामीणों के चेहरों पर लौटी मुस्कानः- विद्युत अधोसंरचना के इस विकास कार्य के पूरा होने पर गांव के बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई है। भीषण गर्मी के इस मौसम में बिजली की समस्या दूर होने से पूरा गांव राहत महसूस कर रहा है।

अधिकारियों का जताया आभारः- इस कार्य के सफलतापूर्वक और रिकॉर्ड समय में क्रियान्वयन के लिए ग्राम ठंडार के पूर्व सरपंच तानसेन साहू, राज यादव, गोपी वर्मा, ओमलाल जंघेल, गुलेश्वर वर्मा सहित समस्त ग्रामवासियों ने विभाग के प्रति कृतज्ञता प्रकट की है। ग्रामीणों ने खैरागढ़ संभाग के कार्यपालन अभियंता आलोक दुबे, सहायक अभियंता गंडई श्रीमती किरण जांगड़े, कनिष्ठ अभियंता हरिप्रसाद जंघेल एवं उनकी पूरी मैदानी टीम का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है।

बिहार के अररिया में 'तालिबानी' न्याय

बीच सड़क पर ड्राइवर का सिर कलम किया, भीड़ ने आरोपी को पीट-पीटकर मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। अररिया/पटना। बिहार के अररिया जिले से कानून-व्यवस्था को शर्मसार करने वाली एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। फारबिसगंज के सुभाष चौक पर गुरुवार सुबह उस वक्त कोहराम मच गया, जब एक सत्तू विक्रेता ने मामूली विवाद में एक पिकअप ड्राइवर का सिर धड़ से अलग कर दिया। इस नृशंस हत्या के बाद गुस्साई भीड़ ने 'मॉब लिंचिंग' करते हुए आरोपी हत्यारे को भी मौत के घाट उतार दिया। महज चंद घंटों के भीतर हुई इन दो मौतों ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है।

सरेराह कत्लेआमः धड़ से अलग हुआ सिर

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक पिकअप ड्राइवर अली हुसैन (42 वर्ष) और सत्तू विक्रेता रवि चौहान (30 वर्ष) के बीच किसी बात को लेकर मजाक शुरू हुआ था। देखते ही देखते बहस ने हिंसक रूप ले लिया। गुस्से में पागल रवि चौहान ने तेज धारदार हथियार निकाला और अली हुसैन पर हमला कर दिया। हमला इतना भीषण था कि ड्राइवर का सिर कटकर सड़क पर जा गिरा। काफी देर तक खून से लथपथ सिर और धड़ सड़क पर पड़े रहे, जिसे देख राहगीरों की रूह कांप गई।

भीड़ का न्यायः घर से खींचकर की आरोपी की हत्या

ड्राइवर की नृशंस हत्या के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। वारदात को अंजाम देकर आरोपी रवि चौहान पास के ही एक घर में जाकर छिप गया था। लेकिन आक्रोशित भीड़ ने उसे ढूंढ निकाला और घर से घसीटते हुए बाहर ले आए। उग्र भीड़ ने कानून हाथ में लेते हुए रवि चौहान पर लात-घूंसों और लाठियों से तब तक हमला किया, जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। सड़क पर आगजनी और तोड़फोड़ की खबरें भी सामने आई हैं।

इलाके में भारी तनाव, SP मौके पर मौजूद

महज कुछ घंटों के भीतर हुए इस 'डबल मर्डर' ने प्रशासन के हाथ-पांव फुला दिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार भारी पुलिस बल के साथ फारबिसगंज पहुंचे। फिलहाल पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। पुलिस हर गतिविधि पर पैनी नजर रख रही है ताकि सांप्रदायिक या सामाजिक सौहार्द न बिगड़े।

महानगर मेट्रो की टिप्पणी: कानून को हाथ में लेना किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। एक तरफ जहां आरोपी ने हैवानियत की हदें पार की, वहीं दूसरी ओर भीड़ द्वारा किया गया कृत्य भी सभ्य समाज के लिए एक बड़ा सवाल है। क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहां न्याय केवल सड़कों पर ही होगा? प्रशासन को इस मामले में कड़ी नजीर पेश करने की जरूरत है।

नासिक के IT सेक्टर में 'धर्मांतरण और शोषण' का काला साम्राज्यः 4 साल तक चला जुल्म का खेल

MNC में 4 साल तक चला यौन शोषण और जबरन धर्मांतरण का आरोप, 9 FIR दर्ज; SIT जांच में 6 गिरफ्तार, HR की भूमिका भी संदेह के घेरे में

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

(पवन माकन)

नाशिक। महाराष्ट्र की आध्यात्मिक नगरी नासिक के एक प्रतिष्ठित मल्टीनेशनल IT कंपनी (MNC) से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने कॉर्पोरेट जगत और सामाजिक व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। यहाँ काम करने वाले हिंदू कर्मचारियों ने सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों पर यौन शोषण, जबरन नमाज पढ़ने, बीफ खाने के लिए मजबूर करने और धर्मांतरण का दबाव बनाने के रोंगटे खड़े कर देने वाले आरोप लगाए हैं।

SIT गठित, HR सहित 6 आरोपी सलाखों के पीछे

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए नासिक पुलिस ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का गठन किया है। पुलिस ने अब तक इस गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपीः आसिफ अंसारी, शफी शेख, शाहरुख कुरैशी, रजा मेमन, तौसीफ अत्तार और दानिश शेख।

HR की भूमिकाः पुणे की रहने वाली कंपनी की महिला HR अधिकारी को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि वह पीड़ितों की शिकायतों को सुलझाने के बजाय उन्हें दबाने और आरोपियों को बचाने का काम कर रही थी। एक अन्य महिला आरोपी फिलहाल फरार है।

9 FIR और 4 साल का खौफनाक इतिहास (2022-2026)

पुलिस जाँच में खुलासा हुआ है कि यह संगठित शोषण साल 2022 से लगातार चल रहा था। अब तक कुल 9 FIR दर्ज की गई हैं, जिनमें 8 हिंदू महिलाएँ और एक हिंदू पुरुष पीड़ित शामिल हैं।

देवलाली कैंप थाना क्षेत्र में 1 मामला दर्ज किया गया है, जिसमें मुख्य आरोप दुष्कर्म का है। वहीं मुंबई नाका थाना क्षेत्र में कुल 8 मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें छेड़छाड़, धार्मिक विद्वेष फैलाने और जबरन धर्मांतरण का दबाव बनाने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

पीड़ितों की आपबीतीः बुर्का, बीफ और ब्लैकमेलिंग

पीड़ितों द्वारा लगाए गए आरोप किसी फिल्मी पटकथा से भी अधिक भयावह हैं:

1.यौन उत्पीड़नः महिला कर्मचारियों ने बताया कि टीम लीडर के पदों पर बैठे आरोपियों ने पद का दुरुपयोग कर उनके साथ छेड़छाड़ की और अश्लील टिप्पणियां कीं। एक आरोपी ने निकाहशुदा होने के बावजूद हिंदू युवती को प्रेम जाल में फंसाकर दुष्कर्म किया।

2. धार्मिक प्रताड़नाः हिंदू पुरुष पीड़ित को जबरन बीफ (गोमांस) खाने के लिए मजबूर किया गया और उनके आराध्य देवों का अपमान किया गया।

3. ब्रेनवाशः कुछ महिलाओं को धीरे-धीरे हिंदू संस्कृति से दूर कर बुर्का पहनने और रोजा रखने के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। एक पीड़िता के परिवार ने जब उसके व्यवहार में बदलाव देखा, तब इस पूरे रैकेट का भंडाफोड़ हुआ।

POSH एक्ट की उड़ी धज्जियाँ

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने POSH (Prevention of Sexual Harassment) एक्ट का इस कंपनी में जमकर मखौल उड़ाया गया। पीड़ितों ने कंपनी प्रबंधन के पास गुहार लगाई थी, लेकिन मैनेजमेंट ने कार्रवाई करने के बजाय पीड़ितों को ही चुप रहने की धमकी दी। पुलिस का बयानः 'यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध का नहीं, बल्कि एक गहरे संगठित सिंडिकेट का हिस्सा लग रहा है। हम इस बात की जाँच कर रहे हैं कि क्या इस धर्मांतरण के पीछे कोई बाहरी फंडिंग या बड़े नेटवर्क का हाथ है।

महानगर मेट्रो की अपीलः यदि आप या आपके आसपास कोई भी इस तरह के शोषण का शिकार है, तो डरें नहीं। तुरंत पुलिस से संपर्क करें। न्याय की इस लड़ाई में हम आपके साथ हैं।

कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत ग्राम कोठीटोला में बच्चों एवं युवाओं को खेल सामग्री का वितरण किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में जिला राजनांदगांव पुलिस द्वारा कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत ग्राम कोठीटोला में एक सराहनीय पहल की गई। ग्राम कोठीटोला घने जंगलों से आच्छादित एवं दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में स्थित है , जहाँ पुलिस द्वारा निरंतर किए जा रहे जनहितकारी प्रयासों एवं कम्युनिटी पुलिसिंग गतिविधियों के माध्यम से आमजन में विश्वास एवं सुरक्षा का वातावरण सुदृढ़ हो रहा है। इस पहल के अंतर्गत गांव के बच्चों एवं युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैट, बॉल एवं अन्य खेल सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को खेलकूद के माध्यम से सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना तथा उन्हें नशा एवं असामाजिक गतिविधियों से दूर रखना है।

कार्यक्रम में ग्राम कोठीटोला के सरपंच रामलाल ताड़ेकर, सचिव माया राम, ग्राम पटेल श्री गैदूराम पुजारी, पंच श्रीमती चंद्रावती घावड़े, ईश्वर पुजारी तथा अन्य ग्रामीण श्री पप्पू मांडवी एवं श्री बीरेंद्र यादव की उपस्थिति रही। इस दौरान कार्यक्रम में 40 से अधिक ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इस दौरान कैंप कोठीटोला से प्रधान आरक्षक क्रमांक 1508 भूपेंद्र कुमार ठाकुर, प्रधान आरक्षक क्रमांक 1340 तोरण पटेल, प्रधान आरक्षक क्रमांक 238 राकेश कुमार वर्मा एवं आरक्षक क्रमांक 1694, 1684, 657, 1208 द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाई गई।

राजनांदगांव पुलिस द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार की जनहितकारी गतिविधियों के माध्यम से पुलिस एवं आमजन के बीच विश्वास एवं सहयोग को मजबूत करने का निरंतर प्रयास किया जाएगा।

वृंदावन में यमुना में नाव डूबी, 10 पर्यटकों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। वृंदावन में 37 श्रद्धालुओं से भरी प्राइवेट नाव (स्टीमर) यमुना नदी में पलट गई। हादसे में 10 की डूबने से मौत हो गई। इनमें मां-बेटे, चाचा-चाची और बुआ-फूफा समेत एक ही परिवार के 7 सदस्य शामिल हैं। युवती समेत 5 लोग अभी भी लापता हैं। नाव में सवार सभी श्रद्धालु पंजाब से घूमने आए थे।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया, हादसा दोपहर करीब 3 बजे केसी घाट पर हुआ, जो श्रीबांके बिहारी मंदिर से करीब 2 किमी की दूरी पर है। रात 10 बजे तक आर्मी और NDRF रेस्क्यू में जुटी हैं। नाव को बाहर निकाल लिया गया है। लापता की तलाश चल रही है।

जिस जगह हादसा हुआ, वहां करीब 25 फीट पानी है। शुरुआती जांच से पता चला है कि नाव की क्षमता 40 श्रद्धालुओं की थी। किसी श्रद्धालु को नाविक ने लाइफ जैकेट नहीं दी थी। पांटून पुल की रिपेयरिंग कर रहे लोगों और अन्य नाविकों ने कुछ लोगों ने बचा लिया था। पुलिस ने आरोपी नाविक पप्पू निषाद को हादसे के 6 घंटे बाद हिरासत में लिया है। नाव उसकी खुद की थी। उसने श्रद्धालुओं को जुगल घाट से बैठाया था। हादसे के बाद वह फरार हो गया था। नाव तट से करीब 50 फीट दूर यमुना नदी के बीच में थी। उस वक्त हवा करीब 40 किमी स्पीड से चल रही थी। तेज हवा से नाव अचानक डगमगाने लगी। नाविक कंट्रोल खो बैठा। पर्यटकों ने नाविक से कहा, पुल आने वाला है, रोक लीजिए। लेकिन उसने नहीं रोका। 2 बार नाव टकराने से बची। तीसरी बार में टक्कर हो गई और नाव डूब गई। हादसे से जुड़े 2 वीडियो सामने आए हैं। पहला- नाव डूबने से 15 मिनट पहले का है, जिसमें लोग राधे-राधे जप रहे हैं। दूसरा- श्रद्धालुओं के नदी में डूबने का है। गुरुवार (9 अप्रैल) को लुधियाना के जगराओं के श्री बांके बिहारी क्लब की तरफ से 2 बसों में 130 श्रद्धालुओं को ले जाया गया था। जिसमें से 90 जगराओं से और बाकी अन्य शहरों से थे। वृंदावन की 4 दिन की यात्रा थी।

सम्पादकीय टिप्पणी

मथुरा के वृंदावन में हुई यह दर्दनाक नाव दुर्घटना प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का गंभीर उदाहरण है। क्षमता, लाइफ जैकेट और मौसम जैसे बुनियादी नियमों की अनदेखी ने श्रद्धालुओं की जान जोखिम में डाल दी। धार्मिक पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था केवल औपचारिकता बनकर रह गई है, जिसे अब सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। प्रशासन और संबंधित विभागों को जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं। यह हादसा एक चेतावनी है कि आस्था के साथ सुरक्षा को प्राथमिकता देना अब अनिवार्य हो गया है।

विकास की आड़ में विनाश का खेल

गुजरात में 'सुजलाम सुफलाम 2.0' के नाम पर महाघोटाला: क्या प्यासा रह जाएगा किसान?

अहमदाबाद समेत 24 जिलों में जल अभियान बना मिट्टी माफिया का जरिया; धोलका के मोती बोरू गांव में नियमों की धज्जियां उड़ाकर 60,000 टन मिट्टी की लूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/धोलका। गुजरात में जल संरक्षण के नाम पर सरकारी आशीर्वाद से एक बड़े भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हुआ है। राज्य के 24 जिलों में चल रहे 'सुजलाम सुफलाम जल अभियान 2.0' की आड़ में मिट्टी की खुलेआम चोरी और किसानों की ज़मीनों को बंजर बनाने का खेल खेला जा रहा है। सबसे चौंकाने वाला मामला धोलका तालुका के मोती बोरू गांव से सामने आया है, जहाँ नदी पुनर्जीवित करने के नाम पर हज़ारों टन उपजाऊ मिट्टी निजी कंपनियों को सौंपी जा रही है।

सरपंच और तलाटी को भनक तक नहीं प्रशासनिक पारदर्शिता का दावा करने वाली सरकार ने इस परियोजना में स्थानीय लोकतंत्र को पूरी तरह किनारे कर दिया है। मोती बोरू गांव में हुई खुदाई के लिए न तो सरपंच की अनुमति ली गई और न ही तलाटी (ग्राम सचिव) को विश्वास में लिया गया। कागजों पर इस प्रोजेक्ट को **'100' जनभागीदारी'** का बताया जा रहा है, जबकि ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरी तरह से अधिकारियों और माफियाओं की मिलीभगत है।

पावरग्रिड स्टेशन के लिए 'मिट्टी की डकैती'

स्थानीय सूत्रों और मौके पर मौजूद साक्ष्यों के अनुसार, नदी के बहाव को सुधारने का बहाना सिर्फ एक दिखावा है। असल में, यहाँ से खोदी गई 60,000 टन मिट्टी को पास ही स्थित पावरग्रिड स्टेशन के निर्माण कार्यों के लिए सप्लाई किया गया है। सरकारी प्रोजेक्ट की आड़ में निजी लाभ पहुँचाने का यह सीधा मामला भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है।

खतरे की घंटी: बंजर हो जाएगी 100 किमी की खेती

कृषि विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों ने इस अंधाधुंध खुदाई पर गंभीर चिंता जताई है। यदि इसी तरह नियमों को ताक पर रखकर खुदाई जारी रही, तो इसके परिणाम भयावह होंगे:

खारा पानी:बेतहाशा खुदाई से समुद्री खारा पानी जमीन के भीतर घुस जाएगा।

जल स्तर की तबाही: चेकडैम और भूजल का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाएगा।

बंजर जमीन: अहमदाबाद, बोटाद और सुरेंद्रनगर के लगभग 80 से 100 किलोमीटर के दायरे में उपजाऊ खेती कुछ ही सालों में रेगिस्तान में बदल सकती है।

विपक्ष और किसानों का बढ़ता आक्रोश

'विकास की इस असली सच्चाई' ने सरकार के दावों की पोल खोल दी है। पीड़ित किसानों का कहना है कि अगर यह लूट तुरंत नहीं रुकी, तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग अब तूल पकड़ रही है।

'यह जल संचयन नहीं, बल्कि किसानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। हम अपनी जमीन की कोख को इस तरह नीलाम नहीं होने देंगे।' – एक स्थानीय किसान, मोती बोरू गांव

महानगर मेट्रो सवाल पूछता है:

1. बिना ग्राम पंचायत की मंजूरी के खुदाई का आदेश किसने दिया?
2. जनभागीदारी के नाम पर निजी कंपनियों को लाभ क्यों पहुँचाया जा रहा है?
3. क्या प्रशासन किसानों को बंजर भविष्य की ओर धकेलने की जिम्मेदारी लेगा?

अनंत अंबानी का 31वां जन्मदिन-जामनगर के सभी गांवों को भोज

1 लाख गायों को छप्पन भोग कराया; शाहरुख-रणवीर समेत कई सेलेब्रिटी शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी आज अपना 31वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर गुजरात के जामनगर में भव्य सेलिब्रेशन हो रहा है, जिसमें शामिल होने के लिए बॉलीवुड समेत उद्योग जगत की कई हस्तियां जामनगर पहुंच चुकी हैं। अनंत ने गुरुवार को जामनगर में गो सेवा की। एक लाख से ज्यादा गायों को छप्पन भोग लगाया। जामनगर के आसपास के गांवों में भोज का आयोजन किया गया था। भोज में आई महिलाओं को साड़ियां गिफ्ट में दी गईं। जामनगर के गांवों में बच्चों को स्कूल किट बांटी गई। इसके अलावा अनंत अंबानी ने देश के कई बड़े मंदिरों को करोड़ों का दान दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी की बनाई ग्लोबल वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन ऑर्गनाइज़ेशन, वनतारा ने जामनगर, गुजरात में वनतारा यूनिवर्सिटी शुरू करने की घोषणा की है। यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी।

वनतारा यूनिवर्सिटी की नींव पशु कल्याण, वैज्ञानिक प्रगति और वन्यजीव संरक्षण पर आधारित है। इस संस्थान का लक्ष्य पशु चिकित्सा, संरक्षण और वन्यजीव देखभाल के क्षेत्र में भविष्य के लीडर्स तैयार करना है। अनंत अंबानी ने कहा- संरक्षण का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम लोगों और संस्थानों को करुणा, ज्ञान और कौशल के साथ जीवों की सेवा करने के लिए कैसे तैयार करते हैं। वनतारा यूनिवर्सिटी की परिकल्पना उस व्यक्तिगत अनुभव से प्रेरित है, जब मैंने संकट में पड़े पशुओं को करीब से देखा और उनकी बेहतर देखभाल के लिए अधिक क्षमता की आवश्यकता महसूस की। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भावना और 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात् सभी दिशाओं से श्रेष्ठ विचार हमारे पास आएं, के आदर्शों से प्रेरित होकर यह विश्वविद्यालय हर जीवन की रक्षा के लिए समर्पित नई पीढ़ी तैयार करना चाहता है। इस विचार को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाने के लिए आधारशिला स्थल के डिजाइन में दो बिजोलिया बलुआ पत्थरों को शामिल किया गया। ये पत्थर प्राचीन विंध्यन भू-विन्यास से लिए गए हैं, जो वर्तमान बिहार में स्थित प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भौगोलिक संरचना से जुड़े माने जाते हैं। ये भारत की ज्ञान और शिक्षा की सतत परंपरा का प्रतीक हैं।

ईवीएम में छेड़छाड़ को लेकर दी चेतावनी

कोलकत्ता। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, तृणमूल प्रमुख ने एक सख्त संदेश दिया। उन्हें निर्देश देते हुए कि जब तक मतदान पूरा न हो जाए, वे पोलिंग बूथ न छोड़ें, उन्होंने कहा, जब तक मतदान की प्रक्रिया पूरी न हो जाए, कोई भी वहाँ से न हटे। वे मशीनों के साथ छेड़छाड़ करेंगे। याद रखना, वे वोट चुराने के लिए उनमें चिप लगा सकते हैं। वे बाहर से लोगों को बुला रहे हैं। हालांकि, ममता बेफिक्र हैं। उन्हें पूरा भरोसा है कि उनके कार्यकर्ता अपनी स्थिति मजबूती से बनाए रखने में सक्षम होंगे।

सरकारी स्कूल ने निकाली प्रवेशोत्सव रैली, टॉपर्स बने आकर्षण का केंद्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। जिले के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) बनेठा द्वारा नए शिक्षा सत्र के तहत प्रवेशोत्सव को लेकर गुरुवार को जनजागरूकता रैली निकाली गई। राज्य सरकार के निर्देशानुसार 1 अप्रैल से शुरू हुए नवीन सत्र के अंतर्गत विद्यालय में नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से पूरे ग्राम में भव्य रैली का आयोजन किया गया।रैली का मुख्य आकर्षण इस वर्ष कक्षा 10वीं और 12वीं के टॉपर छात्र-छात्राएं रहे, जिन्हें साफा और माला पहनाकर सम्मानित करते हुए जुलूस में शामिल किया गया। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साह और उमंग के साथ रैली में भाग लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य फाहद सईद खान ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय का कक्षा 10वीं और 12वीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार के नए निर्देशों के अनुसार अब विद्यालय में ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन माध्यम से भी प्रवेश फार्म भरे जा रहे हैं। प्रवेश प्रक्रिया 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर की जा रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस सत्र में नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक सभी कक्षाएं अंग्रेजी माध्यम में संचालित होंगी। साथ ही 12वीं कक्षा में विज्ञान और गणित विषयों का संचालन भी किया जाएगा। रैली के माध्यम से अभिभावकों और ग्रामवासियों से अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन कराने की अपील की गई। इस दौरान हंसराज तंवर, मधुसूदन नारनोलिया, देवनारायण गुर्जर, सुनील बैरवा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

आईपीएल में राजस्थान की लगातार चौथी जीत

वैभव ने 26 बॉल पर 78 रन बनाए, 7 छक्के लगाए; जुरेल ने भी फिफ्टी लगाई

वैभव सूर्यवंशी का जलवा, बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया, कोहली-पाटीदार की मेहनत बेकार, एक अकेला सब पे भारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। गुवाहाटी में खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस जीत के नायक मात्र 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने तूफानी बल्लेबाजी से मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बेंगलुरु की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 201 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने 63 रन की अहम पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने तेज 32 रन जोड़े।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने जल्दी ही यशस्वी जायसवाल का विकेट गंवा दिया। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला और आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच को एकतरफा बना दिया। दोनों के बीच मात्र 37 गेंदों में 108 रन की साझेदारी हुई, जिसने मुकाबले का रुख पूरी तरह पलट दिया। वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 26 गेंदों में 78 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। वहीं ध्रुव जुरेल ने नाबाद 81 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। राजस्थान ने 202 रन का लक्ष्य महज 18 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। गेंदबाजी में राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई और बृजेश शर्मा ने दो-दो विकेट लेकर बेंगलुरु की पारी को नियंत्रित किया। इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है और टीम के खाते में चार जीत से आठ अंक हो गए हैं। वहीं बेंगलुरु की टीम इस हार के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई है।

मेष (ARIES): आज का दिन फायदेमंद रहेगा। सामाजिक दायराबढ़ेगा व मान सम्मान में वृद्धि होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी।

वृष (TAURUS): आज आप खुद को उजार्वान महसूस करेंगे। जीवनसाथी को किसी कार्य में सफलता मिलने से घर में खुशी का माहौल बनेगा।

मिथुन (GEMINI): आज ऑफिस में काम का प्रेशर थोड़ा बढ़ सकता है। आप कुछ ऐसे मामलों में भी पड़ सकते हैं, जिनका समाधान निकालने में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

कर्क (CANCER): किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा में बदलाव ला सकती है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट्स को थोड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

सिंह (LEO): आज कलात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी, धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुलेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की मदद मिलने से आपको फायदा होगा।

कन्या (VIRGO): आज परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। अपने काम के लिये दूसरों को सहमत कराने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। कुछ जरूरी निर्णय आपको फायदा दिला सकते हैं।

तुला (LIBRA): आज परिवार वालों के साथ टाइम स्पेंड करने का मौका मिलेगा। आपकी सभी परेशानियाँ दूर होंगी। किसी काम से थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

वृश्चिक (SCORPIO): आज तरक्की के कई नए रास्ते नजर आयेंगे, आप पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल होंगे। शाम को बच्चों के साथ समय व्यतीत करेंगे।

धनु (SAGITTARIUS): आज व्यापारी वर्ग को धन लाभ होगा, आप बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। इस राशि के सिविल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है।

मकर (CAPRICORN): आज पहले किये गये काम में मेहनत का बेहतर परिणाम हासिल होगा। ऑफिस का खुशनुमा वातावरण आपके मन को उत्साह से भर देगा।

कुंभ (AQUARIUS): आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद रहेंगे। अगर आप किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा।

मीन (PISCES): आज किसी पुरानी बात को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा। आज घर पर अचानक से कोई मेहमान आ सकता है।

राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 2026

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

प्रथम चरण का मतदान मेंजनमत की गूंज,लोकतंत्र का आत्मविश्वास और बदलते राजनीतिक संकेत...

हमारा लोकतंत्र केवल एक संवैधानिक व्यवस्था नहीं,बल्कि जनचेतना की वह जीवंत धारा है , जो समय-समय पर अपने स्वरूप, अपने तेवर और अपनी दिशा को स्वयं निर्धारित करती है।वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण - असम,केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सम्पन्न मतदान - इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रखर और व्यापक प्रतिबिंब बनकर सामने आया है।यह चरण केवल मतपेटियों तक सीमित एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि जनमत की वह गूंज है जिसमें सामाजिक परिवर्तन की आहट, राजनीतिक पुनर्संतुलन की छाया और भविष्य की राजनीति की स्पष्ट रूपरेखा सुनाई देती है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि वहां चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनसरोकारों की अभिव्यक्ति का मंच बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक जिस प्रकार मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वह इस बात का द्योतक है कि मतदाता अब अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और सचेत है।यह उत्साह जहां एक ओर सत्तारूढ़ दल के लिए चुनौती का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर यह भी दर्शाता है कि यदि सरकार ने अपने कार्यों से जनविश्वास अर्जित किया है,तो उसे पुनः अवसर भी मिल सकता है।

केरल का मतदान प्रतिशत अपनी प्रकृति में भले ही संतुलित प्रतीत होता हो, लेकिन उसकी गहराई में एक परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रवाह दिखाई देता है।यहाँ का मतदाता परंपरागत रूप से विचारधारा आधारित मतदान करता है और यही कारण है कि मतदान का प्रतिशत स्थिर रहते हुए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत देता है। लगभग 78 प्रतिशत मतदान यह बताता है कि केरल में लोकतंत्र केवल एक प्रक्रिया नहीं,बल्कि एक वैचारिक अभ्यास है,जिसमें हर मतदाता अपने निर्णय को एक जिम्मेदारी के रूप में देखता है।

पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास मतदान ने यह सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र का उत्साह क्षेत्रफल या जनसंख्या पर निर्भर नहीं करता,बल्कि जनभागीदारी की भावना पर आधारित होता है। छोटे से केन्द्र शासित प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का मतदान करना यह दर्शाता है कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं। यह मतदान न केवल राजनीतिक दलों के लिए संदेश है, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा भी है कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता की सक्रिय भागीदारी में निहित है।

इस प्रथम चरण का एक और महत्वपूर्ण पक्ष मतदाता संरचना में हो रहा परिवर्तन है।लगभग 5.3 करोड़ से अधिक मतदाताओं की भागीदारी यह दर्शाती है कि लोकतंत्र अब केवल संख्याओं का खेल नहीं, वरन विविधता और समावेश का उत्सव बन चुका है। महिला मतदाताओं की बढ़ती संख्या और उनकी सक्रिय भागीदारी इस परिवर्तन का सबसे सशक्त संकेत है।केरल और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर या उससे अधिक होना केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं,बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है।

महिलाएं अब केवल मतदान करने वाली इकाई नहीं,बल्कि नीति निर्धारण को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुकी हैं।उनके मुद्दे अब चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं - चाहे वह महंगाई हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों, शिक्षा हो या सुरक्षा।राजनीतिक दलों ने भी इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है और महिला मतदाताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं और घोषणाएं प्रस्तुत की हैं।यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में महिला मतदाता भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी।

युवा मतदाताओं की भागीदारी इस चुनाव की आत्मा है।लाखों नए मतदाताओं का पहली बार मतदान करना यह दर्शाता है कि भारत का भविष्य अब मतदान केंद्रों तक पहुंच चुका है। यह युवा वर्ग पारंपरिक राजनीति से अलग सोच रखता है।उसके लिए जातीय या धार्मिक समीकरणों की अपेक्षा रोजगार, शिक्षा, डिजिटल अवसर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा अधिक महत्वपूर्ण हैं।वह केवल वादों से प्रभावित नहीं होता,बल्कि परिणाम चाहता है,पारदर्शिता चाहता है और अवसर चाहता है। यही कारण है कि आज की राजनीति में युवाओं की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि निर्णायक बन चुकी है।

पुरुष मतदाताओं की भूमिका अब भी महत्वपूर्ण है,लेकिन महिला और युवा मतदाताओं के उभार ने चुनावी समीकरणों को अधिक संतुलित और प्रतिस्पर्धी बना दिया है।यह परिवर्तन लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है,क्योंकि इससे चुनाव अधिक निष्पक्ष और परिणाम अधिक प्रतिनिधिक बनते हैं।

अगर हम वर्त्तमान राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो असम, केरल और पुडुचेरी तीनों ही क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के चुनावी समीकरण देखने को मिल रहे हैं। असम में जहां भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है,वहीं केरल में पारंपरिक एल डी एफ (छऊक्ष) और यु डी एफ (वऊक्ष.)के बीच वैचारिक संघर्ष जारी है। पुडुचेरी में त्रिकोणीय मुकाबला चुनाव को और अधिक जटिल और रोचक बना रहा है।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि चुनाव अत्यंत प्रतिस्पर्धी है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि सत्तारूढ़ गठबंधन अपने लाभार्थी वर्ग और महिला मतदाताओं का समर्थन बनाए रखने में सफल रहता है,तो उसे बढ़त मिल सकती है ,लेकिन उच्च मतदान अक्सर सत्ता विरोधी भावना का भी संकेत होता है, जिससे चुनाव परिणाम अनिश्चित हो जाता है।

केरल में स्थिति और भी जटिल है, क्योंकि वहां का मतदाता अत्यंत जागरूक और वैचारिक है।यहाँ चुनाव परिणाम बहुत ही सूक्ष्म अंतर से तय होते हैं और यही कारण है कि दोनों प्रमुख गठबंधन पूरी ताकत से मैदान में हैं।पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान यह संकेत देता है कि मतदाता परिवर्तन चाहता है या स्पष्ट जनादेश देना चाहता है, लेकिन त्रिकोणीय मुकाबले के कारण यहां हंग असेंबली की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

मतदान प्रतिशत के भीतर छिपे राजनीतिक संकेतों को यदि समझा जाए कि उच्च मतदान केवल संख्या नहीं,बल्कि एक संदेश है।यह संदेश कभी बदलाव का होता है, कभी समर्थन का और कभी संतुलन का।महिला मतदाताओं की सक्रियता यह दशार्ती है कि कल्याणकारी योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा अब राजनीति के केंद्र में हैं।युवा मतदाताओं की भागीदारी यह बताती है कि भविष्य की राजनीति विकास और अवसरों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

प्रथम चरण का यह मतदान यह भी स्पष्ट करता है कि भारतीय लोकतंत्र अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है।यह दौर परंपरागत समीकरणों से आगे बढ़कर विकास,पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित है। मतदाता अब केवल भावनाओं के आधार पर नहीं,वरन अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर निर्णय लेता है।

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं,बल्कि भारत के लोकतांत्रिक आत्मविश्वास का सशक्त प्रमाण है।यह वह क्षण है जब राज्य का हर नागरिक यह महसूस करता है कि उसकी आवाज महत्वपूर्ण है,उसका वोट मूल्यवान है और उसका निर्णय देश के भविष्य को दिशा देने में सक्षम है।

यह केवल मतदान नहीं,बल्कि जनविश्वास का उत्सव है। यह केवल मतदान केआंकड़े नहीं,बल्कि जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है। मतदाताओं की यही अभिव्यक्ति भारत के लोकतंत्र को न केवल जीवित रखती है,बल्कि उसे निरंतर सशक्त और समृद्ध भी बनाती है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

संपादकीय

घातक किशोर अपराध

बदलते वक्त के साथ समाज में बढ़ते आक्रामक व्यवहार के चलते अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किशोरों की अपराधों में संलिप्तता बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस-प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राष्ट्रीय राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी। सवाल उठाया जा सकता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में यह स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि किशोरों की आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ती भूमिका की असली वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दयालपुर की घटना से पहले भी कई गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं। लेकिन किशोर अपराध से जुड़े कानून उन्हें जल्दी रिहा करा देते हैं। दरअसल, देश में अकसर किशोरों के गंभीर अपराधों में लिप्त होने के चलते उनकी वयस्क होने की उम्र घटाने की मांग होती है। इसकी वजह यह है कि किशोर गंभीर अपराधों में संलिप्तता के बावजूद किशोर अपराध से जुड़े कानूनों के लचीलेपन के चलते जेल से जल्दी रिहा हो जाते हैं। जेल से बाहर आने के बाद फिर दूसरे गंभीर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है। सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है। जब आत्मा का उद्दीपन होता है, प्रेम जागृत होता है। प्रेम अनंत है, परंतु सुख सीमित है। प्रायः व्यक्ति समझते हैं कि सुख ही प्रेम है। सुख और प्रेम के फर्क को केवल भाग्यशाली ही समझ सकता है।

सत्यशोधक ज्योतिबा फुलेः जिनके विचारों ने बदली समाज की दिशा

दिलीप कुमार पाठक

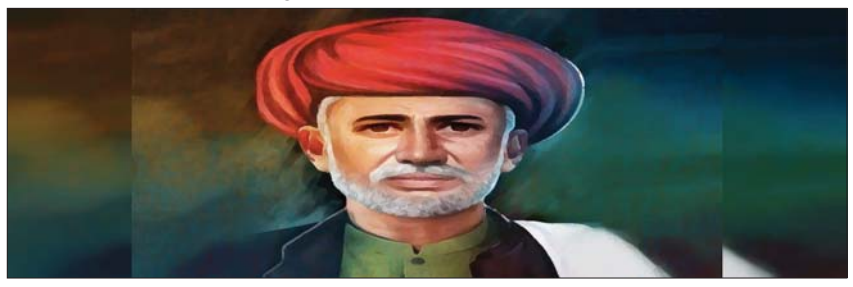

इतिहास अक्सर उन लोगों को भूल जाता है जो किसी भव्य इमारत की नींव में ईंट बनकर समा जाते हैं। लेकिन जब-जब आधुनिक भारत में न्याय और बराबरी की बात होगी, ज्योतिबा फुले का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा। फुले कोई पारंपरिक नेता नहीं थे, वे एक ऐसे दूरद्रष्टा शिक्षक थे जिन्होंने ब्लैकबोर्ड पर अक्षर लिखने से पहले समाज की कड़वी सच्चाइयों और गरीबों के आंसू पढ़ना सीखा था। आज हम जिस आधुनिक भारत में सांस ले रहे हैं, जहाँ महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और समाज का हर वर्ग तरक्की के सपने देख रहा है, उसकी पहली मजबूत ईंट 19वीं सदी में ज्योतिबा फुले ने ही रखी थी।वह एक ऐसा दौर था जब शिक्षा पर कुछ खास लोगों का एकाधिकार था और समाज की एक बहुत बड़ी आबादी अज्ञानता के घने अंधेरे में कैद थी। ज्योतिबा ने बहुत कम उम्र में ही यह समझ लिया था कि किसी को गुलाम बनाने के लिए लोहे की जंजीरें जरूरी नहीं होतीं, बल्कि उसे अशिक्षा के पिंजरे में कैद रखना ही काफी होता है। उन्होंने बड़ी बेबाकी से समाज को आईना दिखाते हुए कहा था- शिक्षा के बिना इंसान की बुद्धि मर जाती है और बुद्धि के बिना उसका विकास और नैतिकता हमेशा के लिए रुक जाती है।

ज्योतिबा फुले के जीवन का सबसे साहसी अध्याय उनकी जीवनसंगिनी सावित्रीबाई फुले के साथ जुड़ा है। उन्होंने किसी बड़े मंच से केवल भाषण देने के बजाय, बदलाव की शुरूआत अपने घर से की। उस कट्टर समाज की कल्पना कीजिए, जहाँ औरतों का पढ़ना एक महापाप माना जाता था, वहाँ ज्योतिबा अपनी पत्नी के हाथ में कलम और किताब थमा रहे थे। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने निकलती थीं और उन पर गोबर और कीचड़ फेंका जाता था, तो ज्योतिबा एक चट्टान की तरह उनके पीछे खड़े रहते थे। यह उन दोनों का अटूट साहस और जिद ही थी, जिसने 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल का रास्ता खोला और सदियों पुराने बंद दरवाजे हमेशा के लिए तोड़ दिए। फुले के सुधार केवल स्कूलों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहे।

उनकी पैनी नजर समाज की हर उस बुराई पर थी जो एक इंसान को दूसरे इंसान से छोटा समझती थी। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को अंधविश्वासों के मानसिक चंगुल से बाहर निकालना था। वे केवल बातों के धनी नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने सिद्धांतों को जीकर दिखाया। जब अछूतों के लिए पानी पीना भी अपराध माना जाता था, तब उन्होंने अपने खुद के घर का पानी का टैंक उनके लिए खोल दिया। यह उस समय के कट्टरपंथी समाज के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा था। वे जानते थे कि जब तक एक आम इंसान अपनी नजरों में खुद को गौरवशाली नहीं समझेगा, तब तक वह समाज में अपना हक कभी नहीं मांग पाएगा। अक्सर हम फुले को इतिहास की एक पुरानी तस्वीर मानकर दीवार पर टांग देते हैं, लेकिन उनके विचार आज के आधुनिक युग में भी उतने ही अनिवार्य हैं। आज हमारे पास बड़ी-बड़ी डिग्रियां तो हैं, लेकिन क्या हमारे भीतर वह सामाजिक चेतना है जो फुले पैदा करना चाहते थे? उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा का असली मकसद केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि खुद को स्वतंत्र बनाना और समाज के प्रति संवेदनशील होना है।

आज जब हम समाज में बढ़ती नफरत और भेदभाव की नई दीवारें देखते हैं, तो फुले की गुलामगिरी जैसी कालजयी रचनाएं हमें याद दिलाती हैं कि असली मानसिक आजादी पाना अभी भी एक लंबा संघर्ष है। महात्मा फुले ने कभी अपने व्यक्तिगत सुख या आराम की चिंता नहीं की। अपनी प्रतिभा और पढ़ाई के दम पर वे चाहते तो एक बहुत ही समृद्ध जीवन जी सकते थे, लेकिन उन्होंने उन लोगों के लिए कांटों भरा रास्ता चुना जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे। यही कारण है कि जनता ने उन्हें अपने दिल से महात्मा की उपाधि दी थी। उनकी लड़ाई किसी विशेष धर्म या जाति के खिलाफ नहीं थी, बल्कि उनकी जंग उस अमानवीय व्यवस्था के विरुद्ध थी जो इंसान और इंसान के बीच ऊंच-नीच की दीवार खड़ी करती थी। वे किसानों के दुख-दर्द को भी उतनी ही शिद्दत से समझते थे और उनके शोषण के खिलाफ हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे।

11 अप्रैल का यह दिन हमें रुककर यह आत्मचिंतन करने का मौका देता है कि हम फुले के सपनों के भारत के कितने करीब पहुँचे हैं। क्या आज हर गांव के बच्चे के हाथ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है? क्या आज भी हमारी महिलाएं समाज में पूरी तरह सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करती हैं? महात्मा फुले ने जो मशाल डेढ़ सौ साल पहले जलाई थी, उसे बुझने न देना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आइए, आज हम फुले के उन सिद्धांतों को याद करें जो कहते हैं कि ज्ञान ही वह एकमात्र प्रकाश है जो हमें अंधकार से बाहर निकालकर सम्मान का जीवन दिला सकता है। उनका संघर्ष हमें भरोसा दिलाता है कि अगर हमारे इरादे नेक हों, तो एक अकेला व्यक्ति भी वक्त की धारा को मोड़ने का दम रखता है।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवसः हर माँ की सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला

11 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव और मातृ सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर देशभर में सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क जांच, परामर्श और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित पोषण तथा गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरनाक संकेतों के बारे में शिक्षित करना है। साथ ही, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और हर महिला को सुरक्षित व सम्मानजनक प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। भारत सरकार ने 11 अप्रैल 2003 को 'व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया' के अनुरोध पर इस दिवस की शुरूआत की थी, जिसके लिए 1800 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर अभियान चलाया था। इस दिवस का प्रतीक सफेद रिबन है, जो उन माताओं के प्रति शोक व्यक्त करता है जिनकी मृत्यु गर्भावस्था या प्रसव के दौरान हुई, और साथ ही आशा, पवित्रता तथा इस संदेश का प्रतीक है कि गर्भावस्था कोई बीमारी नहीं है और किसी भी महिला को जीवन देते समय अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

भारत दुनिया का पहला देश है जिसने सुरक्षित मातृत्व के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय दिवस घोषित किया, जबकि अन्य देश और वैश्विक संगठन सामान्यतः 28 मई को 'इंटरनेशनल डे ऑफ एक्शन फॉर वीमेन हेल्थ' मनाते हैं। यह दिवस कस्तूरबा गांधी की जयंती पर मनाया जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित प्रसव के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। साबरमती आश्रम में उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और उस समय, जब स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं, वे स्वयं एक कुशल प्रसव सहायिका के रूप में कार्य करती थीं तथा ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए शिक्षित करती थीं। इस प्रकार यह दिवस उनके मौन लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का अवसर भी है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क विशेषज्ञ जांच की सुविधा प्रदान की जाती है। 'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत गर्भवती महिलाओं को मुफ्त प्रसव, भोजन और जांच की सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, 'नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी' के माध्यम से पारंपरिक दाइयों के अनुभव को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जोड़कर ह्यमिडवाइफरी लेड केयर यूनिट्सह्न विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रसव प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, सहज और कम तनावपूर्ण बनाया जा सके।

वास्तव में, यह काबिले-तारीफ है कि पिछले एक दशक में भारत ने मातृ मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की है और आज लगभग 90 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में (संस्थागत प्रसव) हो रहे हैं, जबकि 2003 में यह संख्या काफी कम थी। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत का मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) घटकर 88 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के निर्धारित लक्ष्य (100 से कम) से बेहतर है। यदि वैश्विक स्तर पर तुलना करें तो 1990 के बाद से भारत ने अपनी मातृ मृत्यु दर में लगभग 86 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जबकि इसी अवधि में वैश्विक औसत गिरावट केवल 48 प्रतिशत रही है। वर्तमान में भारत का लक्ष्य 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इस दर को 70 से नीचे लाना है। केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मातृ मृत्यु दर को 40 से नीचे ला दिया है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में यह दर अभी राष्ट्रीय औसत से अधिक है, फिर भी संस्थागत प्रसव में वृद्धि के कारण वहां तेजी से सुधार हो रहा है। इस सफलता के पीछे 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' और 'लक्ष्य' जैसे कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनसे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, विशेषकर लेबर रूम सुविधाओं में सुधार हुआ है। साथ ही, व्यापक टीकाकरण, बेहतर पोषण और प्रसव के दौरान प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता ने मातृ स्वास्थ्य की स्थिति में व्यापक बदलाव लाया है।

प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2024 की थीम स्वस्थ शुरूआत, आशाजनक भविष्य रखी गई थी, जिसका उद्देश्य गर्भावस्था की शुरूआत से ही मां और शिशु के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना था। वर्ष 2025 की थीम समान मातृत्व देखभालः हर माँ का अधिकार रही, जबकि वर्ष 2026 की थीम सुरक्षित मातृत्व के लिए नवाचार और सुलभ स्वास्थ्य सेवा निर्धारित की गई है।

अंततः, यही कहूंगा कि राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस केवल एक जागरूकता दिवस नहीं, बल्कि एक मानवीय और सामाजिक दायित्व का प्रतीक है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी माताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से मापी जाती है। जब तक हर गर्भवती महिला को समय पर उचित देखभाल, पर्याप्त पोषण, प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाएं और सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलेगा, तब तक विकास अधूरा रहेगा। इस दिवस का मूल संदेश यही है कि सुरक्षित मातृत्व कोई विकल्प नहीं, बल्कि हर महिला का मौलिक अधिकार है। वास्तव में, सामूहिक प्रयासों, जन-जागरूकता और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के माध्यम से ही हम एक ऐसा समाज व देश बना सकते हैं, जहां हर मां सुरक्षित हो और हर नवजीवन स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर हो।

किसानों के हक में SC का फैसला, इंदिरापुरम के आवंटियों पर बढ़ा बोझ, देना होगा अतिरिक्त शुल्क

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। सुप्रीम कोर्ट के किसानों के हक में आए फैसले के बाद गाजियाबाद के इंदिरापुरम में रहने वाले आवंटियों को 1,355 रुपये प्रति वर्ग मीटर का अतिरिक्त शुल्क देना होगा। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के इंदिरापुरम में रहने वाले हजारों आवंटियों की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। किसानों के पक्ष में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब यहां रहने वाले लोगों को अतिरिक्त शुल्क देना होगा। यह फैसला लंबे समय से चल रहे जमीन मुआवजा विवाद का परिणाम है, जिसका बोझ अब आम नागरिकों पर पड़ने जा रहा है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने स्पष्ट किया है कि इंदिरापुरम योजना के अंतर्गत आने वाले आवंटियों को 1,355 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से अतिरिक्त भुगतान करना होगा। यह शुल्क सिंगल प्लॉट से लेकर ग्रुप हाउसिंग और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स तक सभी पर लागू होगा। हालांकि, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आवासों को इस दायरे से बाहर रखा गया है। जीडीए के अनुसार, जिन प्लॉट्स पर एक से अधिक फ्लैट या यूनिट बने हुए हैं, वहां यह अतिरिक्त शुल्क सभी यूनिट्स पर समानुपातिक रूप से लागू किया जाएगा। यानी सोसायटी में रहने वाले फ्लैट मालिकों को भी इस फैसले का असर झेलना पड़ेगा। इंदिरापुरम योजना के लिए वर्ष 1983 में करीब 1285 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया था। उस समय विकास शुल्क और अन्य खर्च जोड़कर जमीन का आवंटन 695 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से किया गया था। लेकिन किसानों ने इस मुआवजे को कम बताते हुए अदालत का रुख किया। यह मामला लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक करीब 15 वर्षों तक चलता रहा।

357 करोड़ रुपये की होगी वसूली

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब कुल लगभग 3 अरब 57 करोड़ 97 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि वसूली जानी है। यह राशि प्लॉट के आकार के अनुसार तय की जाएगी और उसी के आधार पर आवंटियों से वसूली की जाएगी।

बोर्ड बैठक के बाद शुरू होगी वसूली प्रक्रिया

जीडीए ने बताया है कि इस प्रस्ताव को जल्द ही बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसके बाद इंदिरापुरम के हजारों परिवारों को यह अतिरिक्त भुगतान करना पड़ेगा।

कमरे में घुसकर छात्रा से रेप की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। हसनगंज में एक छात्रा ने मकान मालिक पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाया है. देर रात कमरे में घुसकर अश्लील हरकत करने और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई गई है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जबकि छात्रा सदमे में है.

उत्तर प्रदेश में लखनऊ के हसनगंज इलाके में एक छात्रा ने अपने मकान मालिक पर दुष्कर्म के प्रयास का गंभीर आरोप लगाया है. पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. यह घटना उस समय की बताई जा रही है जब छात्रा अपने कमरे में अकेले पढ़ाई कर रही थी. पीड़िता, जो लखीमपुर की रहने वाली है, हसनगंज में किराये के मकान में रहकर कंपटीटिव एग्जाम की तैयारी कर रही है. उसके अनुसार, 4 अप्रैल की रात करीब 12 बजे मकान मालिक ने उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया. दरवाजा खोलने पर आरोपी ने उसके साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं और विरोध करने पर दुष्कर्म का प्रयास किया. छात्रा ने बताया कि वह किसी तरह खुद को बचाकर कमरे से बाहर निकली. आरोप है कि इसके बाद मकान मालिक ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी. घटना से सहमी छात्रा ने अगले दिन थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. मामले में हसनगंज थाना प्रभारी चितवन कुमार ने बताया कि पीड़िता के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है.

अंधेरे में आते हैं, चांटा मारकर भाग जाते हैं...मुजफ्फरनगर में थप्पड़ गैंग की करतूत

महानगर मेट्रो

मुजफ्फरनगर। उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में थप्पड़ गैंग का ख़ौफ इस समय पैर पसारता जा रहा है. यहां कुछ युवक अंधेरे में बाइक पर सवार होकर पीछे से आते हैं और राह चलते लोगों के थप्पड़ या अन्य चीज मारकर फरार हो जाते हैं. मुजफ्फरनगर जनपद में थप्पड़ गैंग का ख़ौफ इस समय पैर पसारता जा रहा है. जी हां इस थप्पड़ गैंग के लोग रात के अंधेरे में बाइक पर सवार होकर पीछे से आते हैं और राह चलते लोगों के थप्पड़ या अन्य चीज मारकर फरार हो जाते हैं.

राह चलते लोगों को मारते हैं थप्पड़

हाल ही कि घटना में 2 दिन पहने बाइक सवार कुछ युवकों ने राह चलते एक युवक को जोरदार थप्पड़ मार दिया था. घटना को अंजाम देकर आरोपी जहां मौके से फरार हो गए थे तो वहीं ये घटना पास ही के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. इसे बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया. इसके बाद पीड़ित युवक द्वारा इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस को की गई. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए है. दरसअल, नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित गऊशाला मोहल्ले में 2 दिन पहले 7 अप्रैल की शाम दीपक नाम का एक युवक मंदिर से अपने घर लौट रहा था. इसी दौरान बाइक सवार दो-तीन युवकों ने पीछे से दीपक के जोरदार थप्पड़ मार दिया था. दीपक का कहना है कि थप्पड़ इतना तेज था कि उसकी नाक से खून आने लगा था.

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

आरोपी घटना को अंजाम देकर जहां मौके से फरार हो गए थे तो वहीं ये घटना पास ही के एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. वायरल फुटेज में आप देख सकते हैं की बाइक सवार किस तरह पीछे से युवक के थप्पड़ मार कर फरार हो रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि ये घटना पहली नहीं है बल्कि इससे पहले भी ये बाइक सवार कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं जिसमें लोगों के थप्पड़ या फिर बेल्ट से मारा गया.

बांदा में 'लुटेरी दुल्हन' का सनसनीखेज मामला:
सुहागरात पर जेवर-नकदी लेकर फरार, 4 पर केस दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। उत्तरप्रदेश के बांदा में लुटेरी दुल्हन का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां शादी के बाद सुहागरात पर दुल्हन जेवर और नकदी लेकर फरार हो गई. पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि शादी के नाम पर 50 हजार रुपये भी ठगे गए. पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. बांदा में एक अजीबोगरीब और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां एक लुटेरी दुल्हन ने ऐसा कांड कर दिया कि उसने अपने ही कथित पति को सदमे में डाल दिया. दरअसल, शादी के बाद सुहागरात के दिन दुल्हन पति के सो जाने का इंतजार किया, और फिर उसके सोते ही कीमती जेवर और कैश लेकर रफूचक्कर हो गयी.

सुबह देखा तो दुल्हन गायब

पीड़ित जब नींद से जगा तो पत्नी के न मिलने पर उसके होश उड़ गए. उसने खोजबीन की और फिर न मिलने पर पुलिस से शिकायत कर दी. पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने लुटेरी दुल्हन समेत चार के खिलाफ गंभीर धाराओ में केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है. मामला बिसंडा थाना क्षेत्र का है. जहां के रहने वाले पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि वो मजदूरी करके जीवन यापन करता है, उसने आगे बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति ने उसके बेटे की शादी कराने के लिए 50 हजार रुपये ले लिए थे. पैसा लेने के बाद उसने कहा कि दुल्हन फतेहपुर की है, वो लोग यहीं आ जायेंगे और यहीं शादी कराई जाएगी.

घर से जेवर और कैश गायब

पीड़ित परिवार ने शादी की तैयारियां शुरू कीं, जेवर सामान आदि खरीदना शुरू हुआ. पीड़ित ने दुल्हन और अपने लिए करीब तीस हजार के कपड़े भी खरीद डाले. तीन जनवरी को दुल्हन और उसके साथ कथित भाई और मौसी आये, मेहमान इकट्ठा हुए, अगले दिन पूरे रीति रिवाजों से शादी हो गई. फिर पांच जनवरी तक सभी लोग यही रुके रहे जिसके बाद अचानक उसके साथ कांड हो गया. पीड़ित शख्स गहरी नींद में सो चुका था जब उसके बगल में सो रही दुल्हन और उसके साथ आये दोनों लोग एकाएक गायब हो गए. उसने घर मे खोजबीन की तो जेवरात और कैश भी गायब था.

सब आरोपियों के फोन भी बंद

शादी कराने वाले व्यक्ति के घर गया तो वो भी लापता मिला. फिर उसने सभी को फोन मिलाया तो सभी के नम्बर भी बन्द बताते रहे. ठगी होने की चिंता पर पीड़ित थाने गया, वहां सुनवाई नहीं हुई तो डिप्टी एसपी के पास गया, जिसके बाद बिसंडा थाना पुलिस ने लुटेरी दुल्हन सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया. पुलिस अधिकारी मामले में जांच कर रहे हैं.

SHO राममोहन राय का कहना है कि मामले में खोजबीन की जा रही है, जांच करके आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

10 साल के कंटेंट क्रिएटर अभिनव अरोड़ा के पिता की कार पर हमला, पुलिस ने 3 आरोपियों को किया अरेस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में 10 साल के आध्यात्मिक कंटेंट क्रिएटर अभिनव अरोड़ा के पिता की कार पर हमला कर दिया गया. दरअसल, कार एक बाइक से टकरा गई थी, इसी के बाद दोनों पक्षों में विवाद होने लगा. इस मामले में पुलिस ने मामले में शांति भंग की आशंका के तहत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, राजधानी दिल्ली में बीते दिनों 10 साल के कंटेंट क्रिएटर अभिनव अरोड़ा के पिता की कार पर हमला हो गया था. इस मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को अरेस्ट किया है. दरअसल, अभिनव के पिता की कार रास्ते में खड़ी बाइक से टच हो गई थी, इसी के बाद वहां खड़े लोगों ने लापरवाही से ड्राइविंग का आरोप लगाते हुए हमला कर दिया था. सूत्रों के अनुसार, यह मामला पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में एक रेस्टोरेंट के पास का है, जहां 7 अप्रैल की रात करीब 10 बजे कार बाइक से टकरा गई थी. कार अभिनव अरोड़ा के पिता चला रहे थे. घटना के समय अभिनव अरोड़ा कार में मौजूद नहीं थे. कार पास में ही खड़ी बाइक से टकरा गई थी, इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने कार चालक के ड्राइविंग तरीके पर आपत्ति जताई. बाइक के पास खड़े लोगों का आरोप था कि कार स्पीड में थी और ड्राइविंग लापरवाही से की जा रही थी, जिससे उन्हें चोट लग सकती थी. इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई और देखते ही देखते माहौल गर्मा गया. पुलिस का कहना है कि बहस के दौरान दूसरे पक्ष के कुछ लोगों ने गुस्से में आकर कार के बोनट और खिड़कियों पर कड़े (धातु का कंगन) से वार किया, जिससे गाड़ी को नुकसान पहुंचा. हालात बिगड़ते देख कार चालक ने तुरंत PCR को कॉल कर पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया. पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया.

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया. वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, इन तीनों को एहतियातन गिरफ्तार किया गया है, ताकि आगे किसी प्रकार की शांति भंग न हो. गिरफ्तार आरोपियों को बाद में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां से उन्हें दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. पुलिस ने बताया कि इस घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई है. उन्होंने यह भी कहा कि मामले से जुड़े लोगों के बयानों के आधार पर यदि आवश्यक हुआ तो आगे की कार्रवाई की जाएगी.

बाराबंकी में सपा के मंच पर फौजी की लात-घूंसों से पिटाई, पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी का जताया था विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में सपा कार्यकर्ताओं ने कथित रूप से सेना के जवान की पिटाई कर दी। आरोप है कि सीसी रोड के उद्घाटन कार्यक्रम में सपा के मंच से पीएम नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने पर जवान ने माइक लेकर विरोध जताया था। इस दौरान मौजूद कार्यकर्ताओं ने जवान को लात-घूंसों और डंडों से पिटाई शुरू कर दी। सतरिख थाने के इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायत पर जांच की जा रही है। सतरिख थाना क्षेत्र के हसेमऊ गांव में विधायक निधि से बनाई गई सीसी रोड के उद्घाटन समारोह आयोजित था। कार्यक्रम को लेकर समाजवादी पार्टी से सदर सीट से विधायक सुरेश यादव और ब्लॉक प्रमुख आशा यादव के कार्यकर्ता भी मौजूद थे। गांव के निवासी विकास दीप के मुताबिक, वो पिछले 18 सालों से भारतीय सेना में तैनात हैं और इस समय छुट्टी पर वो अपने पैतृक गांव आए हुए हैं। सीसी रोड उद्घाटन के दौरान बनाए मंच से संबोधन में उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब मंच से पीएम मोदी पर कि जा रही रही टिप्पणी का विरोध सेना के जवान ने कर दिया। कार्यक्रम में सपा विधायक सुरेश यादव मौजूद थे और इस दौरान पीएम पर आपत्तिजनक बातें कही जा रही थीं। कुछ देर तक सुनने के बाद जवान विकास दीप मंच के पास पहुंचे और माइक लेकर विरोध जताने लगे। आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने उनका माइक छीन लिया और कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया। विकास दीप ने बताया कि भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। भीड़ में मौजूद कथित रूप से सपा कार्यकर्ताओं ने सेना के जवान की लात घूंसे और डंडे से पिटाई कर दी। वहीं इस हमले में उनके सिर, हाथ और पैर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव कर किसी तरह उन्हें भीड़ से निकाला, जिसके बाद उनका इलाज कराया गया। घायल जवान के सिर, हाथ और पैर में बंधी पट्टियां घटना की गंभीरता को दर्शा रही हैं। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बयान लिए जा रहे हैं और मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सतरिख थाने के इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जवान की ओर से मिली तहरीर पर जांच की जा रही है।

कैश कांड विवाद के बीच इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दे दिया, दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद उच्च न्यायालय ट्रांसफर किया गया था

जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को सौंपा इस्तीफा, कैश कांड में आया था नाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: कैश कांड मामले में नाम आने के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की तैयारी चल रही थी। इसी बीच जस्टिस वर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा भेजा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा ने शुक्रवार को ये फैसला लिया है। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश रहे यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर नकदी मिली थी। इसे लेकर विवाद गहरा गया और उनके खिलाफ महाभियोग की तैयारी चल रही थी।

जस्टिस वर्मा ने क्यों लिया ये फैसला

इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इससे पहले, उनके आवास पर कथित तौर पर कैश मिलने को लेकर हुए विवाद के बाद, उनका दिल्ली हाई कोर्ट से वापस इलाहाबाद तबादला कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल, 2025 को शपथ ली थी, और फिलहाल उनके खिलाफ आरोपों के संबंध में एक आंतरिक जांच चल रही है, जिसके चलते उन्हें संसद की ओर से पद से हटाए जाने की प्रक्रिया शुरू होने की भी संभावना है।

कैश कांड में कब आया था जस्टिस वर्मा का नाम

जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास से 15 मार्च 2025 को 500 रुपए के जले और अधजले नोट मिले थे। इसका एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। इसके बाद न्यायमूर्ति वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। उन्होंने आरोपों से इनकार किया और उसे साजिश बताया था। हालांकि, मामले ने तूल पकड़ा, विवाद संसद तक पहुंच गया था।

जब संसद तक पहुंच गया जस्टिस वर्मा का मामला

बीते साल संसद के मानसून सत्र में 145 लोकसभा सांसदों ने जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लेकर आए।

सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही खेमे के सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव को लेकर लोकसभा अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा।

इन सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत यह कदम उठाया।

इस ज्ञापन को कांग्रेस, टीडीपी, जेडीयू, जेडीएस, जनसेना पार्टी, एजीपी, शिवसेना (शिंदे), एलजेएसपी, एसकेपी, सीपीएम सहित विभिन्न दलों का समर्थन प्राप्त था। जिन 145 सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए, उनमें अनुराग ठाकुर, रविशंकर प्रसाद, राहुल गांधी, राजीव प्रताप रूडी, पीपी चौधरी, सुप्रिया सुले और केसी वेणुगोपाल शामिल थे।

145 सांसदों ने जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए फैसला लिया गया कि संसद इन आरोपों की जांच करेगी।महाभियोग प्रस्ताव के तहत आगे की प्रक्रिया संसद में विचार-विमर्श और जांच के बाद तय की जाएगी।

सीजेआई के नेतृत्व में शुरू हुई थी इंटरनल जांच

वहीं इस मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश ने 22 मार्च 2025 को एक आंतरिक जांच शुरू की थी। जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए हाई कोर्ट के तीन न्यायाधीशों का पैनल भी बनाया था। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने जस्टिस यशवंत वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाई कोर्ट करने की सिफारिश की थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में हुआ था ट्रांसफर

इसके बाद सरकार ने इस सिफारिश पर अपनी मुहर लगाई और वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट में कार्यभार संभालने के लिए कहा गया था। 5 अप्रैल 2025 को जस्टिस यशवंत वर्मा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की थी। हालांकि, इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी जस्टिस वर्मा के ट्रांसफर को लेकर सवाल उठाए गए। इस मुद्दे पर घमासान लगातार जारी था इसी बीच शुक्रवार को जस्टिस वर्मा ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा भेजा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में बढ़ा विवाद, अब जस्टिस वर्मा का इस्तीफा

कैश कांड मामले में नाम आने के बाद दिल्ली से जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कर दिया गया। विधि मंत्रालय ने एक अधिसूचना में उनके ट्रांसफर की घोषणा की गई थी।

इसके बाद जज यशवंत वर्मा इलाहाबाद हाईकोर्ट चले गए थे। उच्चतम न्यायालय के कोलेजियम ने जस्टिस वर्मा का स्थानांतरण करने की सिफारिश की थी। उस समय कहा गया था कि यह कदम होली की रात उक्त न्यायाधीश के आधिकारिक आवास में आग और कथित तौर पर नकदी मिलने के मामले में आंतरिक जांच के आदेश से अलग है।

550 बेड वाला सुपर स्पेशिएलिटी ब्लॉक बनकर हुआ तैयार! अभी नहीं होगा शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में बन रहे नए सुपर स्पेशिएलिटी ब्लॉक को लेकर एक नई अड़चन सामने आई है। अब इस ब्लॉक के शुरू होने में और देरी हो सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति की रिपोर्ट के बाद इसे अप्रैल में शुरू करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन अप्रैल का एक हफ्ता बीतने के बाद भी काम पूरा नहीं हो पाया है। इस बीच दिल्ली अर्बन आर्ट्स कमिशन ने कंप्लीशन के लिए जरूरी नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट देने से इनकार कर दिया है। कमीशन ने कहा है कि अस्पताल परिसर में जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मल्टी-लेवल कार पार्किंग की जो डिजाइन पहले मंजूर की गई थी, उसे नए प्रस्ताव में शामिल नहीं किया गया है। यह पार्किंग डॉक्टरों, मरीजों के परिजनों और आने वाले लोगों के लिए जरूरी मानी गई थी। आयोग ने आर्किटेक्ट को निर्देश दिया है कि सभी आपत्तियों को दूर कर संशोधित प्रस्ताव पेश किया जाए।

दरअसल, इस परियोजना के तहत 550 बेड का SSB ब्लॉक बनाया जा रहा है। इसे 2015 में अप्रूव किया गया था। इसे 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य था। मामले को लेकर अस्पताल प्रशासन की तरफ से बताया गया कि प्रोजेक्ट की नई डेडलाइन जून तय की गई है। इसके अलावा पार्किंग को लेकर DUAC द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दे दिया गया है।

समय से क्यों पूरा नहीं हुआ प्लान ?

मेडिकल और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन, रेडियोथेरेपी, ऑर्गन ट्रांसप्लांट और पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी जैसी सर्विस के लिए बनाए जा रहे इस ब्लॉक से बड़ी संख्या में मरीजों को फायदा मिल सकता है। लेकिन प्रोजेक्ट में लगातार देरी और अस्पताल द्वारा फंड का पूरा इस्तेमाल न करने से कई समस्याएं सामने आई है। संसदीय समिति ने सुझाव दिया है कि प्रोजेक्ट मैनेजमेंट को बेहतर बनाया जाए, आधुनिक तरीके अपनाए जाए और समय सीमा का सख्ती से पालन किया जाए।

दिल्ली में चाकू गोदकर दिनदहाड़े मर्डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। रानी बाग थाना इलाके में गुरुवार सुबह एक युवक की सरेआम चाकू से गोदकर सनसनीखेज हत्या कर दी गई थी। उस मामले में पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में दो बदमाशों को पैर में गोली मारकर घायल किया। दोनों का इलाज नजदीक के अस्पताल में कराया जा रहा है। ये दोनों बदमाश सुबह हुई हत्या की वारदात के आरोपी थे, जिन्होंने रानी बाग इलाके में चाकू से हमला किया था। जिसमे एक शख्स की मौत हो गई थी। बाहरी जिला के डीसीपी विक्रम सिंह मीणा के अनुसार, पुलिस को सुबह के समय BSA हॉस्पिटल रोहिणी से एक कॉल मिली थी। जिसमें राजू (40) नाम के एक व्यक्ति को चाकू मारकर घायल करने की सूचना मिली थी। जिन्हें दो दोस्त अस्पताल लाए थे। पूछताछ में पता चला कि पीतमपुरा के आशियाना अपार्टमेंट बस स्टैंड के पास चाकू से हमला करके बुरी तरह घायल किया गया था। इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल राजू की मौत हो गई। मौके पर क्राइम टीम को भी छानबीन के लिए बुलाया गया और मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान शुरू कर दी गई। ACP मुरारी लाल की देखरेख में स।ह रानी बाग प्रवीण कुमार और अन्य पुलिसकर्मियों की टीम को सूचना मिली कि हत्या के आरोपी लाल बाबू उर्फ लालू और कुंदन, दोनों पीतमपुरा के रहने वाले हैं। वो रानी बाग के एक स्कूल के पास खाली ग्राउंड के पास पार्क के अंदर छिपे हुए हैं। पुलिस की टीम ने वहां पहुंचकर घेराबंदी शुरू की, बदमाशों ने अपने आपको पुलिस से घिरता देखकर पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। सेल्फ डिफेंस में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस द्वारा चलाई गई गोलियां दोनो आरोपियों के पैर में लगीं। घायल आरोपियों लाल बाबू उर्फ लालू (20) और कुंदन (20) को तुरंत नजदीक के भगवान महावीर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस आगे की जांच कर रही है और इनके साथियों के बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

दिल्ली में बस टर्मिनल संग होगा घर-बाजार, 4,200 करोड़ की लागत से इस इलाके में बनेगा इंटीग्रेटेड मोबिलिटी हब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दिल्ली सरकार ने ट्रांजिट ओरिएंटेड डिवेलपमेंट स्कीम के तहत द्वारका सेक्टर-22 में इंटीग्रेटेड मोबिलिटी हब बनाने की योजना तैयार की है। परियोजना में द्वारका में एक नए इंटर स्टेट बस टर्मिनल के साथ आवासीय और व्यावसायिक विकास भी शामिल होगा, ताकि राजधानी के मौजूदा बस अड्डे पर दबाव कम किया जा सके। साथ ही द्वारका सेक्टर-22 के पास स्थित मेट्रो के दो कॉरिडोर, बिजवासन रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट के बीच दूरी कम की जा सके।

अधिकारियों के अनुसार, यह पहली बार होगा जब किसी बस टर्मिनल के साथ इस तरह का आवासीय विकास किया जाएगा। कुल 31.82 एकड़ से अधिक एरिया विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है।

मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब किया जाएगा विकसित

इस प्रोजेक्ट में इंटर-स्टेट और इंट्रा-सिटी बस सेवाओं को मेट्रो से जोड़कर एक मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जाएगा। पश्चिमी दिल्ली को एक बड़े ट्रांजिट केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे आईएसबीटी कश्मीरी गेट पर भी दबाव कम होगा।

योजना के तहत 38.82 एकड़ को छह सेक्टर में बांट कर विकसित किया जाएगा, जिसमें आईएसबीटी टर्मिनल, क्लस्टर बस डिपो, रेजिडेंशल टावर, कमर्शल टावर, पब्लिक व सेमी पब्लिक फैसिलिटी और ग्रीन स्पेस शामिल मिल है।

60% हिस्सा आवासीय विकास के लिए किया गया तय

योजना के अनुसार, कुल फ्लोर एरिया रेशियो का लगभग 60 % हिस्सा आवासीय विकास के लिए तय किया गया है, जिसमें 6-7 मंजिल तक की इमारतें बनाई जाएंगी। करीब 15-20 फीसदी क्षेत्र कमर्शल उपयोग के लिए रखा गया है, जिसमें रिटेल, ऑफिस और हॉस्पिटैलिटी स्पेस शामिल होंगे। 10' हिस्सा पढें सार्वजनिक सुविधाओं के के लिए होगा। डीएमआरसी के तैयार इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 4,200 करोड़ है, जिसमें केवल ISBT संचालन से लगभग 900 करोड़ के राजस्व का अनुमान है। आवासीय हिस्से से लगभग 3,700 करोड़ और व्यावसायिक विकास से लगभग 1,400 करोड़ की आय का अनुमान है। परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने बताया कि यह द्वारका सेक्टर 21 मेट्रो स्टेशन, बिजवासन स्टेशन, द्वतद्व एयरपोर्ट और प्रमुख सड़क मार्गों के पास स्थित है।

15 साल पुरानी बसें नहीं चलेगी, राज्य सरकार के फैसले को हाईकोर्ट ने सही ठहराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर: एमपी हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को उस संशोधित नियम को वैध माना है, जिसके तहत 15 साल की समय सीमा पूरी कर चुके व्यावसायिक वाहनों (विशेषकर बसों) के परिवहन पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने संशोधित नियम को चुनौती देने वाली दस याचिकाओं को खारिज कर दिया।

14 नवंबर 2025 को जारी हुआ था आदेश

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश सरकार ने 14 नवंबर 2025 को एक आदेश जारी कर प्रदेश में 15 साल की समय सीमा पूरी कर चुके व्यावसायिक वाहनों (विशेषकर बसों) के परिवहन पर रोक लगा दी थी। वर्तमान में प्रदेश भर में 899 ऐसी बसें चल रही हैं जो 15 साल की आयु सीमा पार कर चुकी हैं।

फिटनेस परमिट है मौजूद

बस संचालकों ने तरफ से दायर याचिका में तर्क दिया था कि उनके पास वैध फिटनेस सर्टिफिकेट और परमिट मौजूद हैं। इसके अलावा वैध स्टेज कैरिज परमिट है और समय-समय पर नवीनीकरण भी कराया गया है। फिटनेस सर्टिफिकेट और टैक्स भी नियमित रूप से जमा किए गए हैं। यह नियम नए परमिट पर लागू होनी चाहिए, पुराने पर नहीं।

ये है फैसला

सरकार के नए नियम के अनुसार 15 साल पुरानी बसें नहीं चलेगी
इसे लेकर बस संचालकों ने हाईकोर्ट में लगाई थी याचिका
हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के फैसले को वैध ठहराया
डबल बेंच ने इसकी वैधता को बरकरार रखा

याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से एकलपीठ को बताया गया कि संशोधित नियम को पहले ही चुनौती दी गयी थी। युगलपीठ ने इसकी वैधता को बरकरार रखा था। वर्तमान आदेश उसी संशोधन का परिणाम है, इसलिए इसे अलग से चुनौती नहीं दी जा सकती। एकलपीठ ने याचिकाओं को खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा है कि राज्य सरकार को परिवहन नीति बनाने और जनता के हित में निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार है। नियमों किए गए संशोधन को पहले ही वैध ठहराया जा चुका है, तो उस आधार पर जारी प्रशासनिक आदेश को अवैध नहीं कहा जा सकता।

60 फीट गहराई में अटका है 3 साल का मासूम..., खेलते हुए जा गिरा बोरवेल में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले में 3 साल का मासूम बोरवेल में गिरने से हड़कंप मच गया. 60 फीट गहराई में फंसे बच्चे को निकालने के लिए रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. कलेक्टर और एसपी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं, जबकि प्रशासन और ग्रामीण बच्चे को सुरक्षित निकालने की कोशिश में जुटे हैं. मध्यप्रदेश में बड़नगर के झलारियां गांव में गुरूवार को एक गंभीर हादसा हो गया. यहां तीन साल का एक मासूम बच्चा खेत के बोरिंग में गिर गया. घटना की जानकारी लगते ही बड़नगर और उज्जैन से रेस्क्यू टीम को तत्काल मौके पर रवाना किया गया. अभी खबर लिखे जाने तक बच्चा बोरवेल में फंसा हुआ है और रेस्क्यू टीमें उसे बचाने के प्रयास में जुटी हैं. बच्चे के बोरवेल में गिरने की सूचना पाकर उज्जैन के कलेक्टर व एसपी भी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी ली.

भेड़ ने गिरा दिया बोरवेल पर रखा पत्थर

घटना देर रात करीब 08 बजे की बताई जा रही है. राजस्थान के पाली से भेड़ लेकर कुछ लोग बड़नगर के झलारिया गांव में आए हुए हैं. डेरे के साथ तीन साल का मासूम भागीरथ भी था. गुरूवार को डेरे के लोग झलारिया के एक खेत में रूके थे, मासूम भागीरथ भी उनके साथ ही था. बच्चे के परिजन ने बताया कि बोरवेल पर एक पत्थर रखा था, जिसे भेड़ ने गिरा दिया था. इसी बीच बच्चा भी वहां पहुंच गया और बोरवेल पर लगे ढक्कन को उसने हाथ से हटाया.

इसके बाद बाल्टी समझकर उसमें पैर डाला और भीतर गिर पड़ा. भागीरथ के परिजन का कहना है कि ये सब मासूम की मां ने देखा लेकिन वह जब तक बच्चे के पास पहुंचती, तब तक बच्चा अंदर गिर चुका था. डेरे के लोगों को इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने ग्रामीणों व पुलिस को सूचना दी थी. इसके बाद पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है.

बताया जा रहा है कि बालक 60 फिट गहराई में अटका हुआ है. प्रशासन की टीम रेस्क्यू में जुटी हुई है. सूचना मिलने पर उज्जैन कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा भी झलारियां गांव पहुंच गए थे. देर रात तक बच्चा बोरवेल में ही फंसा था और उसे निकालने के लिए पास में खुदाई आरंभ कर दी गई थी. देर रात तक खेत के आसपास तमाम लोगों जमा हो गए थे.

बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर मुंबई चांदिवली सीट की EVM की होगी जांच

नसीम खान के दावे पर बोला आयोग

2024 महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद ईवीएम को लेकर काफी हंगामा हुआ था। एमवीए ने महायुति की जीत पर काफी सवाल भी उठाए थे। अब मुंबई की चांदीवली सीट की ईवीएम की जांच होगी। यह जांच बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर होगी। चांदिवली सीट के परिणाम पर कांग्रेस नेता नसीम खान ने सवाल उठाए थे।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई: बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई की चांदिवली विधानसभा सीट को लेकर दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। अब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान चांदीवली सीट में इस्तेमाल हुई ईवीएम मशीन की जांच 16-17 को होगी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह आदेश कांग्रेस नेता नसीम खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। नसीम खान ने कोर्ट में दाखिल याचिका में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के साथ कथित छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। कोर्ट ने नसीम खान के बाकी आरोपों को खारिज कर दिया था। इसमें भ्रष्ट चुनावी आचरण का आरोप था। यह आदेश बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस सोमशेखर सुंदरेशन ने दिया है।

दो दिन चलेगी ईवीएम की जांच

नसीम खान ने अपनी याचिका में चुनाव परिणाम को चुनौती दी है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य चुनाव आयोग ने चांदिवली विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों को सूचित किया है कि इस साल की शुरुआत में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा दिए गए पारित आदेश के अनुपालन में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का 16 और 17 अप्रैल को दो दिवसीय जांच की जाएगी। ईवीएम मशीन की जांच भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा की जाएगी, जो कि बेंगलुरु स्थित ईवीएम निर्माता है। जांच नसीम खान की तरफ से लाए गए एक विशेषज्ञ और चुनाव अधिकारियों की मौजूदगी में होगी। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस नेता और चांदिवली से लड़े नसीम खान के उस दावे को गलत करार दिया है कि पहली बार ऐसा हो रहा है।

यह निरीक्षण एक मानक प्रक्रिया का हिस्सा है और यह दावा–कि महाराष्ट्र में श्वङ्कस्ह्य का निरीक्षण पहली बार किया जा रहा है। बेबुनियाद है। : महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन कार्यालय का बयान

कितने वोटों से हारे थे नसीम खान

दरअसल, साल 2024 में लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों में महायुति गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला था। चांदीवली सीट से शिवसेना उम्मीदवार दिलीप भाऊसाहेब लांडे को जीत मिली थी। उन्हें कुल 1,24,641 वोट मिले थे। वहीं, दूसरे नंबर पर कांग्रेस के खान मोहम्मद आरिफ (नसीम) थे। उन्हें 1,04,016 वोट मिले थे। नसीम खान ने ही बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने जांच के आदेश दिए हैं। नसीम खान ने हाईकोर्ट के आदेश को ऐतिहासिक बताया है।

निर्वाचन अधिकारी ने भेजा पत्र

मुंबई उपनगरीय जिले के उप निर्वाचन अधिकारी द्वारा नसीम को भेजे गए एक पत्र के अनुसार मुंबई में 16 और 17 अप्रैल को केवल 'डायग्नोस्टिक जांच' की अनुमति होगी। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों से निर्वाचन क्षेत्रों में ईवीएम और वीवीपीएटी इकाइयों का सत्यापन कराने को कहा था। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के लगभग दो दर्जन उम्मीदवारों ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर चिंता जताई है। कांग्रेस को चुनावों में कुल 16 सीटें ही मिली थी। महाविकास आघाड़ी के घटक दल कम सीटें जीत पाए थे। एमवीए को प्रचंड जीत मिली थी।

भोपाल में फिर गरजा बुलडोजर! बड़े तालाब के 50 मीटर दायरे में अवैध निर्माण जमींदोज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक बार फिर प्रशासन सख्त मोड में नजर आ रहा है. बड़े तालाब के 50 मीटर दायरे में बने अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है. कोर्ट के आदेश के बाद शुरू हुए इस अभियान में सैकड़ों अतिक्रमण हटाए जाने हैं.

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक बार फिर प्रशासन का बुलडोजर एक्शन तेज हो गया है. शहर के बड़े तालाब के आसपास 50 मीटर के दायरे में बने अवैध अतिक्रमणों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है. यह पूरी मुहिम कोर्ट के आदेश के बाद शुरू की गई है, जिसके तहत तालाब के इको-सेंसिटिव जोन को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है.

जिला प्रशासन ने इसको लेकर 15 दिनों का विशेष अभियान शुरू किया है. इस अभियान की शुरुआत 6 अप्रैल से हुई है, जो 21 अप्रैल तक चलता रहेगा. इस दौरान 350 से अधिक अवैध निर्माणों को हटाने का लक्ष्य तय किया गया है.

आज शुक्रवार को हलालपुर इलाके में कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने अवैध रूप से बने फार्महाउस पर बुलडोजर चलाकर उसे जमींदोज कर दिया. इस दौरान 4 से 5 अतिक्रमणों को हटाया गया. इस मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे. टीम की मौजूदगी में शांतिपूर्ण तरीके से कार्रवाई पूरी हुई.

कुछ संपत्ति मालिकों ने नगर निगम में अपनी बात रखने के लिए आवेदन किया है. ऐसे मामलों में सुनवाई पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी. इस पूरे मामले को लेकर प्रशासन का कहना है कि तालाब के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए यह सख्त कदम उठाया जा रहा है. अभियान के तहत किसी भी अवैध निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा.

तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह के अनुसार, मार्च 2022 के बाद बड़े तालाब के 50 मीटर दायरे में किए गए सभी निर्माण अवैध माने जा रहे हैं. इसी आधार पर इन पर कार्रवाई की जा रही है. हालांकि, कुछ संपत्ति मालिकों ने नगर निगम में अपनी आपत्ति दर्ज कराई है.

ऐसे मामलों में सुनवाई के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा. प्रशासन का कहना है कि यह अभियान केवल अवैध निर्माण हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका मकसद शहर के पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना है.

केन बेतवा लिंक परियोजना के विरोध में 'चिता आंदोलन'

महिलाओं ने कहा- हमें यही जला दो या नया गांव दो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में आदिवासी किसान और महिलाएं केन बेतवा रिवर लिंक परियोजना का विरोध कर रहे हैं। गुरुवार को सैकड़ों लोग नकली चिताओं पर लेट गए। इनमें ज्यादातर महिलाएं थी। इस प्रदर्शन के जरिए महिलाओं ने यह संकेत दिया है कि वे आखिरी सांस तक इस परियोजना का विरोध करते रहेंगे। प्रदर्शन कर रहे लोगों का गांव डूब क्षेत्र में आ रहा है। ऐसे में इनकी मांग है कि हमें अत्याधिक मुआवजा और नया गांव दें।

चिताओं पर लेट गईं महिलाएं

दरअसल, छतरपुर जिले में केन बेतवा नदी लिंक परियोजना को लेकर विरोध लंबे समय से चल रहा है। प्रभावित लोग अलग-अलग तरीके से इसका विरोध जता रहे हैं। गुरुवार को महिलाएं परियोजना के विरोध में नकली चिताओं पर लेट गईं। महिलाएं इसे चिता आंदोलन कह रही हैं। साथ वे मांग कर रही हैं कि हमें या तो न्याय दो या मृत्यु दो। वहीं, पुलिस ने जब इन्हें हटाने की कोशिश की तो इनके साथ हल्की झड़प हो गई।

प्रशासन हमें परेशान कर रहा है...

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि प्रशासन हमें परेशान कर रहा है। मगर हमलोगों ने कसम खाई है कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होती है, हम यहां डटे रहेंगे और अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

क्या है इस परियोजना का मकसद

गौरतलब है कि इस परियोजना के जरिए केन नदी बेसिन से पानी को बेतवा बेसिन के पानी की कमी वाले इलाकों में पानी पहुंचाना है। इसके लिए छतरपुर जिले में दौधन बांध का निर्माण हो रहा है। साथ ही इसमें 200 किमी लंबा नहर नेटवर्क और सिंचाई-बिजली से जुड़े अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं। इस परियोजना के पूरे होने के बाद 10 लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन की सिंचाई की जरूरतें पूरी होने और बिजली उत्पादन के साथ-साथ लगभग 62 लाख लोगों को पीने का पानी मिलने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट का मकसद है कि एमपी और यूपी के सूखाग्रस्त इलाकों को पानी मिले।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीने 2024 में खजुराहो आकर इस प्रोजेक्ट की नींव रखी थी। हमें अपनी मांगों को लेकर दिल्ली जाने से रोका गया था। उन्होंने दावा किया कि सड़कें बंद कर दी गई थीं और उनके गांवों में खाने-पीने की सप्लाई रोक दी गई थी। हमें धमकियां दी जा रही हैं। स्थानीय निवासी

प्रदर्शन स्थल के आसपास जाने से रोक लगा दी गई वहीं, छतरपुर और पन्ना जिले के प्रशासन ने कुछ इलाकों में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है, जिसके तहत प्रदर्शन स्थलों के आस-पास लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। इन पाबंदियों के बीच प्रदर्शनकारियों ने केन नदी के बीचों-बीच प्रदर्शन जारी रखा है। कई किसान अपने गांवों के करीब नदी के किनारे पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

शिवसेना को नई ताकत देने जुटे एकनाथ शिंदे, बीजेपी की तर्ज पर हर बूथ को करेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शिवसेना के ढांचे को और मजबूत करने में जुट गए हैं। उनकी अगुवाई में जहां दूसरे दलों के पदाधिकारी जहां लगातार शिवसेना में जुड़ रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ से उन्होंने नवनियुक्त संपर्क प्रमुखों और विभागीय संपर्क प्रमुखों के साथ पहली बैठक में साफ कर दिया है काम करने रुकेंगे, लापरवाही करने वालों की छुट्टी होगी। मुंबई बीएमसी चुनावों में कमजोर प्रदर्शन के बाद एकनाथ शिंदे शिवसेना को मजबूत बनाने की मिशन पर काम रहे हैं। पिछले दिनों उन्हें बेटे श्रीकांत शिंदे का कद बढ़ाते हुए उन्हें मुंबई और एमएमआर की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसी के साथ उन्होंने तमाम पार्टी नेताओं को महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों का प्रभारी नियुक्त किया था। इसमें संजय निरुपम जैसे बड़े नेता भी शामिल थे। अब शिंदे ने क्वालिटी पर फोकस करने का फैसला किया है। हाल ही में ही एक बैठक में एकनाथ शिंदे ने साफ कहा कि काम नहीं करने वालों पद छोड़ना पड़ेगा।

निकम्मों पर गिरेगी गाज

उपमख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का मैसेज साफ है कि अगर पार्टी को कोई जिम्मेदारी दी है तो उसके साथ न्याय करना होगा। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि शिंदे ने कहीं न कहीं निकम्मे मंत्रियों को कड़ा मैसेज दे दिया है कि पार्टी अगर रिजल्ट नहीं देंगे तो घर भेजने में संकोच नहीं करेगी। बीएमसी चुनावों के बाद पार्टी को डिप्टी मेयर का पद मिला था। इसके साथ एमएमआर में कई जगह पार्टी मजबूत स्थिति में कल्याण डोंबिवली के साथ ठाणे में मेयर की कुर्सी पर कब्जा है। शिंदे चाहते हैं शिवसेना को और मजबूत किया जाए। शिवसेना से जुड़े नेताओं का कहना है कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपना पूरा फोकस शिवसेना संगठन को मजबूत करने पर केंद्रित कर दिया है। ऐसी भी चर्चा है कि जब मानसून सत्र से पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा तो शिंदे की शिवसेना को एक बर्थ और मिल सकती है। इसके लिए श्रीकांत शिंदे का नाम चल रहा है।

दो बीएलए की नियुक्ति का आदेश

एकनाथ शिंदे ने यह तैयारी तब की है जब महाराष्ट्र में अब अगले लगभग तीन साल तक कोई चुनाव नहीं होने हैं। पार्टी के नवनियुक्त संपर्क प्रमुखों और विभागीय संपर्क प्रमुखों के साथ आयोजित एक ऑनलाइन बैठक में दिए। शिंदे ने स्पष्ट कर दिया कि पार्टी में अब केवल काम करने वालों को ही जगह मिलेगी और निकम्मे अर्थात जो पदाधिकारी सक्रिय नहीं रहेंगे, उनकी तत्काल प्रभाव से पद से छुट्टी कर दी जाएगी। एकनाथ शिंदे ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि मंत्री, सांसद या विधायक होने का पद और ओहदा भूलकर सभी को एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह मैदान में उतरना होगा। एकनाथ शिंदे चाहते हैं कि आने वाले सालों में चुनावों और संभावित निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन संभव है। ऐसे में शिवसेना राज्य के सभी 43,000 गांवों में खुद को मजबूत करे। उन्होंने मतदान केंद्र (बूथ) पर दो 'बीएलए' नियुक्त करने निर्देश दिए हैं। शिंदे ने कहा है कि उनके साथ नियमित बैठकें भी की जाएं।

17 साल बाद कुर्ला-परेल के बीच पांचवी-छठी लाइन बनने का रास्ता साफ, CSMT-कुर्ला प्रोजेक्ट को मिलेगी रफ्तार

मुंबईकरों को आने वाले समय में बड़ी राहत मिलने वाली है। क्योंकि 17 साल के इंतजार के बाद अब कुर्ला से परेल के बीच 5वीं-6वीं रेलवे लाइन परियोजना आगे बढ़ने को तैयार है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई: 17 साल के इंतज़ार के बाद अब कुर्ला से परेल के बीच 5वीं और 6वीं रेलवे लाइन परियोजना आगे बढ़ने को तैयार है। क्योंकि इस परियोजना में सबसे बड़ी बाधा बन रही धारावी, चुनाभट्टी और कुर्ला के स्वदेशी मिल की जगह अब आखिरकार हटाई जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, प्रोजेक्ट प्रभावित लोगों के ढांचों को हटाने की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। इससे सीएसएमटी और कुर्ला के बीच लाइन एक्सटेंशन को गति मिलेगी। एमएमआरडीए ने 717 पात्र PAP परिवारों का पुनर्वास पूरा कर लिया है और उन्हें वैकल्पिक घर आवंटित किए जा चुके हैं। वर्तमान में इन परिवारों का स्थानांतरण जारी है।

20 जनवरी को CR ने पूरी की भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया

मध्य रेलवे ने स्वदेशी मिल, कुर्ला और विद्याविहार क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया 20 जनवरी 2026 को ही पूरी कर ली थी।ध्वस्तीकरण के लिए मशीनरी, कर्मचारी और अन्य आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था अंतिम चरण में है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए रेलवे सुरक्षा बल, सरकारी रेलवे पुलिस और मुंबई पुलिस के ज़ोन-5 को तैनाती के लिए अनुरोध किया गया है। अधिकारी के अनुसार, ध्वस्तीकरण कार्य एक महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

सायन ब्रिज के निर्माण के बाद ही शुरू होगा मुख्य काम

ध्वस्तीकरण के बाद निर्माण कार्य को गति दी जाएगी, हालांकि सायन ब्रिज जैसे कुछ मौजूदा कार्यों के पूरा होने के बाद ही मुख्य निर्माण शुरू होगा। खास बात यह है कि प्रस्तावित प्रभादेवी ब्रिज के डिजाइन में पहले से ही 5वीं और 6वीं लाइनों के लिए प्रावधान शामिल कर लिए गए हैं, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

17 साल पहले मिली थी मंजूरी

यह परियोजना मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत करीब 17 वर्ष पहले स्वीकृत की गई थी। इसका उद्देश्य मुंबई के सबसे व्यस्त रेल कॉरिडोर में उपनगरीय ट्रेनों को लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस और मालगाड़ियों से अलग करना है। परियोजना पूरी होने के बाद नई 5वीं और 6वीं लाइनें केवल मेल, एक्सप्रेस और मालगाड़ियों के लिए उपयोग होंगी, जबकि मौजूदा 3री और 4थी लाइनें पूरी तरह उपनगरीय सेवाओं के लिए समर्पित होंगी।

परेल - CSMT के बीच केवल 5वी लाइन संभव

CSMT से परेल के बीच छठी लाइन बनाना संभव नहीं है। लाइन बिछाने के लिए लगने वाली 'जमीन' रेलवे के लिए रोड़ा बनी हुई है। हालांकि पांचवी लाइन का निर्माण किया जाएगा। संबंधित अधिकारी का कहना है कि वर्तमान में प्लानिंग का काम जारी है, जिसमे पाया गया है कि सीएसएमटी और परेल के बीच जगह की कमी होने के कारण, यह प्रोजेक्ट रेलवे के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है।

आईपीएल में आज सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को होने वाले दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ अपने घरेलू मैदान पर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक सीएसके ने इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीता है। उसके गेंदबाजों और बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे टीम मुश्किल में है। इस मैच में उसके पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावना है। अगर धोनी खेलते हैं तो ये सीएसके लिए काफी फायदेमंद होगा। वहीं दूसरी ओर अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही दिल्ली कैपिटल का प्रदर्शन सीएसके से अच्छा रहा है। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं।

सीएसएके के लिए इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम अपने शुरुआती मैच में आरसीबी और पंजाब किंग्स से हारी है। टीम की बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कमजोर रही है। वहीं कैपिटल्स ने सत्र की शुरुआत बेहतर तरीके से की है। उसने अपने पहले तीन मैचों में से 2 में जीत हासिल की है। उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत मिली जबकि गुजरात टाइटन्स से उसे केवल एक रन से ही हार मिली।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक हुए पिछले 31 के मुकाबलों में, दिल्ली ने 12 जीत दर्ज की हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 19 जीत हासिल की हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स- ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर),आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, प्रशांत वीर, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, खलील अहमद, मैट हेनरी

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, समीर रिजवी, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, विप्राज निगम, कुलदीप यादव, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव , अंगकृश रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे शीर्ष पांच में शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले हुए आईपीएल मुकाबले के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के दावेदारों में बदलाव आये हैं। अब राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी और मुम्बई के रोहित शर्मा शीर्ष पांच से बार हो गये हैं। वहीं। केकेआर के अंगकृश रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे अपनी अच्छी पारियों की बदौलत शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव को लाभ हुआ है।

ऑरेंज कैप की सुची में में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अभी तक खेले 3 मुकाबलों में 163.46 के स्ट्राइक रेट के साथ 170 रन बनाये हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी और केकेआर के अंगकृश रघुवंशी दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच बल्लेबाजों में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन और केकेआर के अजिंक्य रहाणे चौथे और पांचवे नंबर पर हैं।

पर्पल कैप की सूची में राजस्थान रॉयल्स के स्टार स्पिनर रवि बिश्नोई नंबर एक पर बने हुए हैं।उन्होंने इस लीग में अभी तक तीन मैचों में 7 विकेट लिए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान के साथ-साथ दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी और राजस्थान रॉल्यस के नंद्रे बर्गर शीर्ष-5 में शामिल हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव 5 विकेट के साथ 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं केकेआर के वैभव अरोड़ा 9वें पायदान पर हैं।

थर्ड अंपायर के पास जाना चाहिए था फैसला, रोवमन पॉवेल ने दिग्वेश राठी के कैच पर उठाए सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच ईडन गार्डेन्स में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया जिसे एलएसजी ने मुकुल चौधरी की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर 3 विकेट से जीता। केकेआर की पारी के दौरान सलामी बल्लेबाज फिन एलन का कैच एलएसजी के स्पिनर दिग्वेश राठी ने पकड़ा था जिस पर विवाद हुआ था। मैच के बाद रोवमन पॉवेल ने कहा कि इसे तीसरे अंपायर को भेजा जाना चाहिए था।

रोवमैन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिपोर्टर्स से कहा, 'यह उनकी तरफ से एक बड़ी गलती थी, लेकिन हम इस पर गौर नहीं करेंगे और यह नहीं कहेंगे कि आज रात हमें दो पॉइंट्स का नुकसान हुआ, लेकिन मैदान पर मौजूद अंपायरों को फैसला थर्ड अंपायर को भेजना चाहिए था।'

केकेआर की पारी का दूसरा ओवर प्रिंस यादव कर रहे थे। ओवर की चौथी गेंद प्रिंस ने बैक-ऑफ-ए-लेंथ डिलीवरी फेंकी, और फिन एलन ने उसे लाइन के पार मारा, लेकिन टॉप एज लग गया। बॉल थर्ड मैन पर खड़े दिग्वेश के पास गई। ऐसा लगा कि बॉल दूर तक जाएगी, लेकिन राठी ने खुद को बाउंड्री लाइन के किनारे पर संभाला और दोनों हाथों से कैच लेने के लिए अपनी बाईं ओर खड़े हो गए। राठी बाउंड्री लाइन के बहुत करीब थे, और अंपायर जो कुछ भी हुआ उससे खुश लग रहे थे। एलन को आउट दिया गया। फैसला थर्ड अंपायर को नहीं भेजा गया, और बाद में रिप्ले से पता चला कि राठी ने शायद कुशन पर पैर रख दिया था। हालांकि, रिप्ले से कुछ भी पक्का पता नहीं चल सका।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और सनराइजर्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को को होने वाले पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। पंजाब ने अभी तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। उसने तीन में से अपने दो मैच जीते हैं वहीं उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। पंजाब ने इस सत्र में 200 रन से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था।

टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अब तक के मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अलावा कूपर कोनोली ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी में विजयकुमार वैशाक ने प्रभावी प्रदर्शन किया है।

वहीं दूसरी ओर ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स अभी तक केवल एक मैच ही जीत पायी है। टीम की ताकत उसकी बल्लेबाजी है पर उसके बल्लेबाज इस सत्र में असफल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा भी अबतक असफल रहे हैं। उसके प्रमुख गेंदबाज

हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट भी अबतक प्रभावी नहीं रहे हैं। केवल नीतीश कुमार रेड्डी और हेनरिक क्लासेन ही अब तक सफल रहे हैं। स्पिनर हर्ष दुबे ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन बनाये रखा है।

आईपीएल इतिहास में अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 23 मैच खेले गए हैं। इसमें पंजाब किंग्स ने 7 तो हैदराबाद ने 17 मुकाबलों में जीत हासिल की है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अर्शदीप सिंह, प्रियांश आर्य, पाइला अविनाश, अजमतुल्लाह उमरजई, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, कूपर कोनोली, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरनूर सिंह, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसन, मुशीर खान, विशाल निशाद, मिचेल ओवेन, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, विजयकुमार वैश्यक, नेहल वढेरा, यश ठाकुर।

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

भारत के खिलाफ टेस्ट में राशिद के बिना ही उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली ।अफगानिस्तान की टीम को जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले होने वाले एकमात्र टेस्ट में अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बिना ही उतरना होगा।इसका कारण है कि राशिद को डॉक्टर ने सलाह दी है उन्हें अपनी कमर को आराम देना होगा।आजकल आईपीएल खेल रहे राशिद से डॉक्टर ने कहा है कि अगर वह अपना करियर लंबा करना चाहते हैं तो टेस्ट क्रिकेट से दूर रहें।इसी कारण राशिद मैच से बाहर रहेंगे।राशिद का कहना है कि उनकी प्राथमिकता साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करना है।राशिद ने साल 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी।उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी थी पर इसके बाद भी पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर किये थे।

राशिद के अनुसार डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था।इसके बावजूद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला।उन्होंने कहा, एकदिवसीय क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं पर फिलहाल अपनी कमर को आराम देना चाहता हूं जिससे कि उसपर अधिक दबाव न पड़े।आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में खेलने को लेकर राशिद ने कहा कहा, ये काफी कठिन सवाल है।मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। ऐसे में एक टेस्ट खेलकर अपना करियर खतरे में नहीं डाला जा सकता।

यूईएफए यूरोपा लीग- क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

ब्रागा।यूईएफए यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।एस्टाडियो म्युनिसिपल डे ब्रागा में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया।मैच की शुरुआत में ब्रागा ने आक्रामक अंदाज अपनाया और इसका फायदा उन्हें जल्दी ही मिल गया।

डिएगो रोड्रिग्स के कॉर्नर पर फ्लोरियन ग्रिलिट्श ने शानदार फ्लिक के जरिए गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलाई। इस शुरुआती गोल ने घरेलू टीम को आत्मविश्वास दिया और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, रियल बेटिस ने धीरे-धीरे वापसी की कोशिश की। 24वें मिनट में मार्क बार्ट्रा ने हेडर के जरिए बराबरी का मौका बनाया, लेकिन गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। इसके बाद भी बेटिस ने दबाव बनाए रखा और ब्रागा के गोलकीपर लुकास हॉर्निसेक को कई बार सतर्क रहना पड़ा, खासकर कुचो हर्नांडेज के क्लोज-रेंज हेडर को रोकते समय।दूसरे हाफ में मैच और रोमांचक हो गया।बेटिस ने आक्रमण को तेज करने के लिए बदलाव किए, जिसमें विंगर एंटनी को मैदान पर उतारा गया।हालांकि, ब्रागा ने भी मौके बनाए और ग्रिलिट्श का एक शॉट गोलकीपर पाऊ लोपेज ने शानदार तरीके से बचाया।मैच का टर्निंग पॉइंट तब आया जब ब्रागा के जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने बॉक्स में फाउल कर दिया, जिससे बेटिस को पेनल्टी मिली।

हार से निराश रहाणे बोले, मुकुल ने हमसे मैच छीन लिया

कोलकाता । कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इस प्रकार की हार को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।केकेआर को इस सत्र में सभी तीन मैचों में हार झेलनी पड़ी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया।सुपरजायंट्स के खिलाफ उसे मैच की अंतिम गेंद पर हार मिली।इस मैच में एक समय केकेआर काफी अच्छी स्थिति में थी पर मुकुल चौधरी ने अंतिम ओवरों में अर्धशतक लगाकर मैच पलट दिया। हार को लेकर रहाणे ने कहा, 'इसे स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल क्योंकि अंत तक हम मैच में बने हुए थे। मुकुल ने अंत में जबरदस्त शॉट खेलकर मैच हमसे छीन लिया। ऐसे करीबी मैचों में ज्यादा कमियां नहीं निकाली जा सकतीं।' उन्होंने कहा, 'फील्डिंग में शायद एक-दो गलतियां हुईं पर हमारे गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई।हारने के बाद कमियां निकालना आसान होता है।हमें लगा था कि इस पिच पर 180-185 का स्कोर अच्छा था क्योंकि बड़े शॉट खेलना आसान नहीं था।धीमी गेंदें रुक कर आ रही थीं इसलिए बल्लेबाजी करना कठिन था।' रहाणे ने कहा, 'मुझे लगा कि 18 ओवर तक हम बहुत अच्छी स्थिति में थे पर अंत के दो ओवरों में स्थिति खराब हो गयी क्योंकि मुकुल ने मैच पलट दिया।हमारी गेंदबाजी अच्छी थी पर मुकुल ने उससे भी अच्छी बल्लेबाजी की और उसे जीत का श्रेय मिलना ही चाहिये।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी, आईपीएल खिताब का बचाव कर सकती है आरसीबी

फरीदाबाद (हरियाणा) (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा ने पूरा भरोसा जताया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) अपना इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) खिताब बचाने में सक्षम है। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी सफल फ्रेंचाइजी से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना ही सबसे जरूरी है। RCB ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2025 IPL के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपना पहला IPL खिताब जीता था जिससे ट्रॉफी के लिए उनका 18 साल का इंतजार खत्म हो गया था।

चोपड़ा ने आगे कहा कि जो टीमें शुरुआत में ही लय पकड़ लेती हैं और अपनी फॉर्म बरकरार रखती हैं, वे आखिर तक जा सकती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस सीजन में कोई नया चैंपियन भी उभर सकता है, और RCB भी अपना खिताब बचा सकती है। बात करते हुए अंजुम चोपड़ा ने कहा, 'हां, वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकते हैं। मुंबई ने ऐसा किया है, चेन्नई ने ऐसा किया है, RCB भी ऐसा कर सकती है। और फिर से, जो टीम लगातार अच्छा खेलेगी, वह प्लेऑफ में पहुंचेगी। प्लेऑफ में पहुंचने वाली सभी टीमें वहीं से शुरुआत करती हैं, जहां उन्होंने पिछली बार छोड़ा था इसलिए वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकती हैं। कोई नया चैंपियन भी बन सकता है और RCB भी अपना IPL खिताब बचा सकती है।'

चोपड़ा का मानना है कि RCB इस सीजन में सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही है और मौजूदा चैंपियन होने के नाते अपनी मजबूत लय को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने न केवल वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले साल छोड़ा था बल्कि मौजूदा सीजन में वे और भी ज्यादा प्रभावशाली और संतुलित नजर आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'RCB अच्छी लग रही है, वे सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही हैं क्योंकि वे मौजूदा चैंपियन हैं। उन्होंने वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले सीजन में छोड़ा था। असल में इस सीजन में वे और भी बेहतर लग रहे हैं।' RCB ने 2026 IPL के अपने दोनों शुरुआती मैच जीते हैं और अब वह पॉइंट्स टेबल में चार अंकों और +2.501 के शानदार नेट रन रेट (NRR) के साथ तीसरे स्थान पर है।

चोपड़ा को यह भी लगा कि पंजाब किंग्स (PBKS) भी जबरदस्त फॉर्म में है, पिछले सीजन में फाइनल तक पहुंचने की वजह से उन्हें ठीक-ठीक पता है कि उस अनुभव का फायदा उठाकर आगे कैसे बढ़ना है। उन्होंने कहा, 'पंजाब भी बहुत अच्छी दिख रही है। उन्होंने पिछले साल फाइनल भी खेला था, इसलिए उन्हें पता है कि उनका सफर कहां खत्म हुआ था और उन्हें दोबारा कहां से शुरुआत करनी है। उन्होंने शुरुआत भी अच्छी की है।' PBKS ने भी 2026 IPL सीजन की शुरुआत ज़ोरदार तरीके से की है। उन्होंने अपने तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। IPL पॉइंट्स टेबल में पंजाब 5 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है।

जोनाथन क्रिस्टी को हराकर आयुष शेट्टी ने किया उलटफेर, सेमीफाइनल में पहुंचे

निंगबो (चीन)।भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शुक्रवार को बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। आज यहां टॉप-4 में जगह बनाने के साथ ही आयुष शेट्टी 2018 में एच.एस.प्रणय के बाद इस कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं। यह 2023 में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पुरुष डबल्स गोल्ड मेडल के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पहला मेडल भी होगा। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद आयुष शेट्टी ने क्वार्टर-फ़ाइनल में इंडोनेशिया के ओलंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया।पहला गेम बेहद कड़ा रहा, जिसमें कोई भी खिलाड़ी निर्णायक बढ़त नहीं बना पाया।पूर्व एशियाई चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी 11-10 की मामूली बढ़त के साथ मिड-गेम ब्रेक में गए। जोनाथन क्रिस्टी 18-15 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण बनाते दिख रहे थे और उन्हें गेम पॉइंट भी मिल गया था, लेकिन आयुष शेट्टी ने जोरदार वापसी की और मैच को टाई-ब्रेक में ले जाकर पहला गेम जीत लिया।दूसरा गेम भी उतना ही कड़ा रहा। आयुष शेट्टी 11-9 की मामूली बढ़त के साथ ब्रेक में गए, जिसके बाद उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की और जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।दोनों खिलाड़ियों के बीच यह पहली भिड़ंत थी, जिसमें आयुष शेट्टी ने जोनाथन क्रिस्टी के ख़िलाफ़ अपनी पहली जीत दर्ज की।इससे पहले टूर्नामेंट में, आयुष शेट्टी ने पहले राउंड में दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन ली शी फ़ेंग को चौंका दिया था।इसके बाद उन्होंने चीनी ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर-फ़ाइनल में जगह बनाई थी।सेमीफाइनल में, आयुष शेट्टी का मुक़ाबला थाईलैंड के पेरिस 2024 रजत पदक विजेता कुनलावुत विटिडसर्न और चीन की एशियाई खेलों की गोल्ड मेडल विजेता पुरुष टीम के सदस्य वेंग होंगयांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

हॉकी इंडिया का बड़ा निर्णय, टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई हाई-परफॉर्मेंस कोच व्हाइट ने हाल ही में जनवरी में हॉकी इंडिया लीग में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के हेड कोच के तौर पर काम किया था। वह भारत महिला हॉकी की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, 'हम टिम व्हाइट को टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर कार्यक्रम के साथ उनका पुराना रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है, खासकर जूनियर विश्व कप में टीमों को पोडियम फिनिश तक ले जाने में उनकी सफलता। हमारा मानना है कि हाई-परफॉर्मेंस कोचिंग और एथलीट विकास में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारी जूनियर महिलाओं को सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में बहुत जरूरी होगा।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'टिम की नियुक्ति हमारी जूनियर टीमों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने के हमारे लक्ष्य से मेल खाती है। जूनियर से सीनियर हॉकी में बदलाव एक अहम दौर है, और हमें विश्वास है कि टिम के निर्देशन में हमारे युवा एथलीट सबसे ऊंचे लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी तकनीकी परिपक्वता हासिल करेंगे।

व्हाइट ने अपनी नियुक्ति पर कहा, 'हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर इंडिया में समय बिताने के बाद, मैं देश के जबरदस्त पैशन और समृद्ध हॉकी संस्कृति से वापस आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में इंडिया के खिलाफ कोचिंग करते हुए यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं देखीं। ऐसे एथलीट्स के साथ फुल-टाइम काम करने का मौका मिलना एक विशेषाधिकार की तरह है। मेरा लक्ष्य तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ियों को तैयार करना है जो गैप को भरने और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार हों।'

टीम के प्रति अपने विजन के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं गेम को सिंपल रखना चाहता हूं और सामूहिक साथ ही व्यक्तिगत मजबूती पर फोकस करना चाहता हूं। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनना होगा जो आक्रामक हॉकी को अहमियत दे लेकिन अपने रक्षात्मक खेल में भी अनुशासित रहे। यह जरूरी है कि हम पूरे 60 मिनट तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत करें। 'टीम-फर्स्ट' की अवधारणा को आगे रखते हुए हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए अच्छी तरह तैयार रहेंगे।'

व्हाइट की नियुक्ति को भारत में जूनियर हॉकी को आधुनिक तकनीक और अनुशासन को शामिल करने के लिए एक रणनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। उनके बैकग्राउंड में हॉकी ऑस्ट्रेलिया के लिए नेशनल जूनियर कोच के तौर पर काम करना और यूरोप में हाई-परफॉर्मेंस पाथवे की देखरेख करना शामिल है।

व्हाइट के कोचिंग करियर में बेल्जियम में हाल की सफलता और ऑस्ट्रेलिया के साथ पिछला अनुभव शामिल है। भारत आने से पहले, उन्होंने बेल्जियम अंडर-21 महिला टीम के कोच के तौर पर काम किया, और दिसंबर में 2025 जूनियर वर्ल्ड कप में उन्हें कांस्य पदक दिलाया था।

2021 और 2024 के बीच, वह बेल्जियम की महिला राष्ट्रीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी एक अहम हिस्सा थे। इस दौरान टीम ने विश्व रैंकिंग में काफी सुधार किया और 12 वें से 3 पर आ गई। 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही।

अपने करियर की शुरुआत में, वह ऑस्ट्रेलिया के लिए राष्ट्रीय जूनियर कोच के पद पर थे, जहां टीम ने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था।

बिली जीन किंग कप : इंडोनेशिया से हारा भारत, कोरिया की जीत का सिलसिला जारी

नई दिल्ली। बिली जीन किंग कप ग्रुप-ढ्ढ एशिया/ओशिआना मुकाबलों में भारत को गुरुवार को इंडोनेशिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में इंडोनेशिया ने दोनों सिंगल्स मैच जीतकर अजेय बढ़त हासिल कर ली।पहले सिंगल्स मुकाबले में वैष्णवी अडकर को प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो के खिलाफ कड़े मुकाबले में 7-6(3), 6-7(3), 6-3 से हार झेलनी पड़ी। मैच काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां अडकर ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबला निर्णायक सेट तक पहुंचाया, लेकिन तीसरे सेट में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने बाजी मार ली। दूसरे सिंगल्स में सहजा यमलापल्ली को जेनिस त्जेन के खिलाफ 6-2, 6-1 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा, जिससे इंडोनेशिया ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। खबर लिखे जाने तक रुतुजा भोसले और अंकिता रैना इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ डबल्स मुकाबला खेल रही थीं। अन्य मुकाबलों में कोरिया गणराज्य ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। दायोन बैक ने वैलेंटिना इवानोव को 7-5, 6-3 से हराया, जबकि सोह्युन पार्क ने मोनिक बैरी को 6-0, 6-1 से हराकर टीम की जीत पक्की कर दी। कोरिया और इंडोनेशिया दोनों ही टीमें अब तक अपने सभी मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष पर बनी हुई हैं। वहीं थाईलैंड ने भी शानदार वापसी करते हुए मंगोलिया को 3-0 से क्लीन स्वीप किया। थासापोर्न नाकलो ने अनु-वजिन गैंटोर को 6-1, 6-0 से हराया, जबकि पाचारिन चीपचांदेज ने खोंगोरजुल अलदारखिशिग को समान स्कोर से मात दी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 918, निफ्टी 275 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से बाजार में ये तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 918.60 अंक बढ़कर 77,550.25 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 275.50 अंक उछलकर 1.10 24,050.60 पर बंद हुआ। बाजार में बढ़त ऑटो स्टॉक्स में तेजी से आई है। इस कारण निफ्टी ऑटो में सबसे अधिक 2.85 फीसदी की तेजी रही जबकि निफ्टी रियल्टी में 2.08 फीसदी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 2.06 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.01 फीसदी, निफ्टी की तेजी के साथ बंद हुआ। सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 1.91 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 865.20 अंक बढ़कर 57,843.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 274.10 अंक ऊपर आकर 16,840.10 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, इंडिगो, एसबीआई, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एचयूएल, पावर ग्रिड, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, बीईएल और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे थे जबकि सन फार्मा, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 77,198 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 577.35 अंक की बढ़त के साथ 77,209 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी 50 भी मजबूती के साथ 23,880 पर खुला। एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों ने भी बाजार को सपोर्ट दिया। हालांकि, वैश्विक स्तर पर यूएस-ईरान तनाव अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। इस कारण निवेशक पूरी तरह

बेफिक्र नहीं हैं और सतर्कता के साथ निवेश कर रहे हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च में निवेश 56 फीसदी बढ़कर 40,450 करोड़

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया

नई दिल्ली ।

मार्च महीने में बाजार में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा शेयर आधारित म्यूचुअल फंडों में बना रहा। इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश में तेज वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि डेट फंडों से भारी निकासी ने कुल उद्योग आंकड़ों को प्रभावित किया। मार्च महीने में भारतीय शेयर आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेशकों का भरोसा मजबूत बना रहा, जिससे शुद्ध निवेश 56 प्रतिशत बढ़कर 40,450 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। फरवरी में यह आंकड़ा 25,978 करोड़ रुपये था। बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद इक्विटी योजनाओं में लगातार निवेश बढ़ा, जिसका मुख्य कारण फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में भारी प्रवाह रहा। फ्लेक्सी कैप फंड में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश दर्ज किया गया, जबकि स्मॉल कैप में 6,263 करोड़ रुपये और मिड कैप में 6,063 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी के माध्यम से भी निवेश बढ़कर 32,087 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले महीने से अधिक है। हालांकि ईएलएसएस श्रेणी में मामूली निकासी देखी गई। वहीं गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर डेट फंडों से भारी निकासी के कारण पूरे उद्योग में कुल 2.4 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी दर्ज हुई, जिससे एयूएम घटकर 73.73 लाख करोड़ रुपये रह गया। यह प्रवृत्ति निवेश धारणा में बदलाव को दर्शाती है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.85 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 10 पैसे की तेज होकर 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.58 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को तीन पैसे की मामूली बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 98.69 पर रहा।

इंदौर व्यापार महोत्सव में साबु ट्रेड करेगा न्यूट्रीदाना का प्री-लॉन्च

स्टाल नंबर 7 पर मिलेगा शुद्धता और स्वाद का संगम

इंदौर ।

इंदौर में माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित दो दिवसीय व्यापार महोत्सव में देश की प्रतिष्ठित खाद्य उत्पाद कंपनी साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, सेलम अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराने जा रही है। 11 और 12 अप्रैल को आयोजित होने वाले इस महोत्सव में कंपनी न केवल अपने लोकप्रिय उत्पादों का प्रदर्शन करेगी, बल्कि अपने आगामी इनोवेटिव उत्पाद सच्चासाबु न्यूट्रीदाना की पहली झलक भी पेश करेगी।

रियल एस्टेट दिवाला मामलों में परियोजना पूर्णता को प्राथमिकता देने की सिफारिश

- आईबीबीआई की विशेष समिति ने 155 सुझाव दिए, घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र के दिवाला मामलों के समाधान में अब वित्तीय वसूली की बजाय अटकी परियोजनाओं को पूरा करने पर अधिक ध्यान देने का सुझाव दिया गया है। रियल एस्टेट से जुड़े दिवाला मामलों में घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा के लिए परियोजना-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की सिफारिश की गई है। भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) द्वारा गठित एक विशेष समिति ने सुझाव दिया है कि ऐसे मामलों में पूरी कंपनी को दिवालिया घोषित करने के बजाय केवल अटकी हुई परियोजनाओं के समाधान पर ध्यान दिया जाए। समिति का मानना है कि इस क्षेत्र में खरीदारों की प्राथमिकता पैसा वापस पाने के बजाय अपने घर का निर्माण पूरा होना और कब्जा प्राप्त करना होती है। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित इस समिति में कॉरपोरेट मामलों और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालयों के प्रतिनिधि शामिल थे। समिति ने 55 प्रमुख मुद्दों की समीक्षा कर 155 सिफारिशें की हैं। इसमें आईबीसी और रेरा के बीच बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया गया है ताकि परियोजनाएं समय पर पूरी हों और खरीदारों का भरोसा मजबूत हो सके।

एडीबी ने भारत की विकास दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया

- घरेलू मांग और आसान वित्तीय परिस्थितियों से वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। बैंक के अनुसार मजबूत घरेलू मांग और आसान वित्तपोषण परिस्थितियां अर्थव्यवस्था को सहारा देंगी। एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है

कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के कम शुल्क और निवेश माहौल में सुधार से भी वृद्धि को समर्थन मिलेगा। वहीं 2027 -28 में जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 7.3 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पश्चिम एशिया में लंबे समय तक संघर्ष जारी रहने से ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, व्यापार बाधाएं और रेमिटेंस में कमी के जरिए भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। एडीबी ने अनुमान लगाया है कि मुद्रास्फीति 2025-26 के 2.1 प्रतिशत से बढ़कर 2026-27 में 4.5 प्रतिशत हो सकती है, जिसका कारण तेल कीमतों में वृद्धि, मुद्रा में कमजोरी और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव है।

हालांकि 2027-28 में तेल कीमतों में नरमी से मुद्रास्फीति घटकर लगभग 4 प्रतिशत रहने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू सुधार, यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते और सरकारी वेतन वृद्धि भविष्य में आर्थिक विकास को और गति दे सकते हैं।

भारत एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए, बढ़ेगी दक्षता और घटेगा लाभों का दोहराव एडीबी

- पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता लाभों को जोड़ने से बेहतर लक्ष्यीकरण और कम होगा राजकोषीय बोझ

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भारत को सलाह दी है कि वह अपनी सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए। इससे न केवल योजनाओं में दोहराव कम होगा, बल्कि लाभार्थियों तक सहायता बेहतर तरीके से पहुंच सकेगी और सरकारी खर्च अधिक संतुलित होगा। एडीबी ने अपनी एशिया डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। बैंक ने कहा है कि भारत को एक एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाना चाहिए, जिससे विभिन्न योजनाओं के बीच समन्वय बढ़े और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों की कई योजनाएं समान लाभार्थी समूहों को कवर करती हैं, लेकिन इनके बीच समन्वय सीमित है। इसके कारण कई बार एक ही व्यक्ति या परिवार को अलग-अलग योजनाओं से समान प्रकार के लाभ मिल जाते हैं, जिसे ÷लाभों का दोहराव÷ कहा जाता है। एडीबी ने सुझाव दिया कि पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता कवरेज जैसी प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक साझा ढांचे में जोड़ा जाए। इसमें अंशदायी योजनाओं को भी शामिल किया जा सकता है, जिससे लाभ वितरण अधिक व्यवस्थित और लक्षित हो सके। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सामाजिक सुरक्षा की जरूरतें राज्यों की जनसंख्या संरचना, रोजगार पैटर्न और वित्तीय क्षमता के अनुसार अलग-अलग होती हैं।

इसलिए एकीकृत ढांचा राज्यों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार लचीलापन देगा। मनीला स्थित इस बहुपक्षीय संस्था ने यह भी बताया कि इस सुधार से सरकारें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की सुरक्षा भूमिका को बनाए रखते हुए राजकोषीय लागत को नियंत्रित कर सकेंगी। इससे बचने वाले संसाधनों को बुनियादी ढांचे और मानव पूंजी जैसे क्षेत्रों में लगाया जा सकता है, जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए जरूरी हैं। एडीबी ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली को और मजबूत करने की भी सिफारिश की है, ताकि सत्यापित लाभार्थियों तक ही सहायता पहुंचे और अनावश्यक दोहराव कम हो। इसके अलावा रिपोर्ट में उपभोग आधारित सब्सिडी से हटकर निवेश आधारित सहायता पर जोर दिया गया है। उदाहरण के लिए, मुफ्त बिजली की जगह घरों में सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देना, जिससे सरकारी खर्च कम होगा और परिवारों की आर्थिक स्थिरता बढ़ेगी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग रिकॉर्ड स्तर पर

- कंपनी की बिक्री 16 प्रतिशत बढी, 34,171 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रापर्टीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत आवासीय मांग के दम पर अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 34,171 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इस दौरान उसने 32,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था, जिसे उसने आसानी से पार कर लिया। इस अवधि में कुल 17,515 आवासीय इकाइयों की बिक्री हुई, जिनका संयुक्त क्षेत्रफल लगभग 2.7 करोड़ वर्ग फुट रहा। मात्रा के आधार पर बिक्री में भी सालाना 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी का यह अब तक का सबसे बड़ा वार्षिक बुकिंग मूल्य और वॉल्यूम बताया जा रहा है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार यह प्रदर्शन भारत के प्रमुख महानगरों में मजबूत आवासीय मांग को दर्शाता है। कंपनी का फोकस भविष्य में भी परियोजनाओं के विस्तार और निवेश पर रहेगा।

अमेरिका जाएगा भारतीय प्रतिनिधिमंडल, व्यापार समझौते की संभावना

अंतरिम ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की तैयारी, 500 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर फोकस

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए इस महीने के अंत में भारतीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन का दौरा करेगा। दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में यह अहम कदम माना जा रहा है। भारत और अमेरिका ने फरवरी में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य आपसी व्यापार बढ़ाना, बाजार पहुंच को आसान बनाना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। अब इस समझौते को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता की तैयारी है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। उन्होंने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह इस महीने के अंत में वाशिंगटन पहुंचने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने और प्रस्तावित व्यापार समझौते पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने वाशिंगटन में 'भारत-अमेरिका व्यापार सुविधा पोर्टल' की शुरुआत की। दोनों देश आपसी व्यापार को 500 अरब डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इससे पहले गोर ने अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से भी मुलाकात की थी। क्वात्रा ने कहा था कि दोनों पक्ष अपने नेताओं द्वारा तय किए गए रणनीतिक संबंधों के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से चर्चा के लिए दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच आमने-सामने की यह पहली बैठक होगी। यह बैठक पहले ही होनी थी, लेकिन दो महीने पहले अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टैरिफ पर अनिश्चितता की स्थिति बन गई, जिस कारण भारतीय प्रतिनिधिमंडल की वाशिंगटन यात्रा टल गई थी।

आरबी आई डिजिटल भुगतान में सुरक्षा बढ़ाने नए नियम लागू करेगी

- बड़े लेनदेन में देरी से क्रेडिट, डिजिटल भुगतान को बंद करने का विकल्प

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान प्रणाली में बढ़ती धोखाधड़ी को रोकने के लिए कई नए और सख्त सुरक्षा उपायों का प्रस्ताव रखा है। इनमें बड़े लेनदेन में देरी से क्रेडिट, डिजिटल भुगतान को बंद करने का विकल्प और कमजोर वर्गों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा शामिल है। केंद्रीय बैंक ने इस पर सुझाव और प्रतिक्रिया 8 मई तक मांगी है।` रिजर्व बैंक आफ इं डिया ने डिजिटल भुगतान प्रणाली में तेजी से बढ़ रही धोखाधड़ी पर चिंता जताते हुए एक चर्चा पत्र जारी किया है। इसमें ग्राहकों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। सबसे प्रमुख प्रस्ताव के अनुसार, 10,000 रुपये से अधिक के पुश पेमेंट लेनदेन पर राशि को तुरंत खाते में जमा करने के बजाय लगभग एक घंटे की देरी से क्रेडिट किया जाएगा। इस दौरान ग्राहक के पास ट्रांजैक्शन रद्द करने का विकल्प रहेगा। इससे फर्जी लेनदेन पर रोक लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा आरबीआई ने ÷किल स्विच÷ प्रणाली का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत ग्राहक अपने सभी डिजिटल भुगतान विकल्पों को एक क्लिक में बंद कर सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर उचित प्रमाणीकरण के बाद ही इन्हें दोबारा चालू किया जा सकेगा। बैंक ने खाताधारकों को यह सुविधा देने का भी सुझाव दिया है कि वे अपने खाते में विभिन्न प्रकार के डिजिटल लेनदेन की सीमाएं तय कर सकें। साथ ही, संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए कुछ खातों में क्रेडिट सीमा लगाने का भी प्रस्ताव है, ताकि म्यूल अकाउंट जैसी धोखाधड़ी पर रोक लग सके। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों तथा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा का भी प्रावधान सुझाया गया है। इनके बड़े डिजिटल लेनदेन के लिए किसी भरोसेमंद व्यक्ति द्वारा अतिरिक्त अनुमति की आवश्यकता हो सकती है। आरबीआई ने यह भी बताया कि डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, 2025 में लगभग 28 लाख मामले दर्ज हुए, जिनमें हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी शामिल है।

आपूर्ति संकट और मध्य पूर्व तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी

- होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा और अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में बढ़त

मुंबई ।

वैश्विक कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को फिर तेजी देखने को मिली, जब भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति बाधाओं की आशंकाओं ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। अमेरिका-ईरान सीजफायर को लेकर अनिश्चितता, मध्य पूर्व में सैन्य तनाव और प्रमुख समुद्री मार्गों पर जोखिम के कारण तेल की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड 1.13 प्रतिशत बढ़कर 97.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.39 प्रतिशत चढ़कर 99.24 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता नजर आया। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी असर दिखा, जहां 20 अप्रैल डिलीवरी वाला क्रूड ऑयल फ्यूचर्स करीब 2.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 9,150 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार में यह तेजी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर को लेकर स्पष्टता नहीं है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के साथ-साथ सऊदी अरब के ऊर्जा ढांचे पर हमलों की आशंका और सप्लाई चेन बाधित होने के डर ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ होर्मुज में देखा जा रहा है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। रिपोर्टों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से शिपिंग गतिविधियां सामान्य स्तर से काफी कम हो गई हैं, जिससे वैश्विक सप्लाई पर दबाव बना है। मध्य पूर्व में इज़रायल और लेबनान के बीच जारी तनाव ने भी स्थिति को और जटिल बना दिया है। वहीं, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि यदि सीजफायर की शर्तों का पालन नहीं हुआ तो सैन्य कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, हालांकि उन्होंने इसे कम संभावना वाला बताया है। विश्लेषकों के अनुसार कुछ दिन पहले तेल कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई थी, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों ने बाजार को फिर अस्थिर कर दिया है। ऐ शियन डेवलपमेंट बैंक ने भी कहा है कि जब तक तनाव कम नहीं होता, तब तक तेल की कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं, हालांकि दीर्घकाल में स्थिरता की उम्मीद की जा सकती है।

रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ 92.41 प्रति डॉलर पर

- रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था

मुंबई।

रुपया शुक्रवार को 10 पैसे मजबूत होकर 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में कारोबार के दौरान भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है क्योंकि बैंकों को अपने ओवरनाइट पोजीशन को 10 करोड़ डॉलर तक सीमित करने के लिए केंद्रीय बैंक के निर्देशों की समय सीमा आज समाप्त हो रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.58 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को तीन पैसे की मामूली बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.69 पर रहा।

CMYK

शाहजहांपुर में मकान तोड़ने की कार्रवाई के दौरान बाप-बेटे समेत तीन ने लगा ली फांसी

शाहजहांपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान आत्मघाती कदम उठाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जलालाबाद थाना क्षेत्र के मगटोरा गांव के मजरेता में मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रशासन की टीम एक मकान को चकरोड में बताते हुए उसे ध्वस्त करने के लिए जेसीबी लेकर पहुंची। टीम को देखते ही मकान स्वामी और उसके परिजनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बाप-बेटे समेत परिवार के तीन सदस्यों ने घर के समीप एक पेड़ पर फंदा डालकर फांसी लगा ली। मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए फौरन दो लोगों को नीचे उतारकर बचा लिया, लेकिन तीसरे व्यक्ति की हालत बिगड़ गई। उसे आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए देर शाम सिटी मजिस्ट्रेट ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित का हाल जाना और मामले की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि करीब एक साल पहले भी प्रशासन इस मकान को तोड़ने की कोशिश कर चुका था।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

इसी बीच, प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले से भी एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। कटरी क्षेत्र के कुआं खेड़ा वजीर आलम गांव में 35 वर्षीय महिला चांदनी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला। ससुराल पक्ष का दावा है कि वह लंबे समय से बीमारी से परेशान थी और इसी तनाव में उसने जान दे दी। घटना के समय मौजूद मृतका की छोटी बहन नीलम ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया। इस घटना से गांव में कोहराम मच गया और मायके पक्ष ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रदेश के इन दो अलग-अलग जिलों में हुई घटनाओं ने प्रशासनिक संवेदनशीलता और पारिवारिक तनाव के मुद्दों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस दोनों ही मामलों की गहनता से जांच कर रही है।

अजित पवार के विमान हादसे को लेकर भ्रामक वीडियो बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जालना जिले के युवक उद्धव भगवान काप्से को सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक वीडियो बनाने और वायरल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की छवि धूमिल करने और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे को लेकर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। पश्चिमी क्षेत्रीय पुलिस विभाग की साइबर सेल ने आरोपी की पहचान कर कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया। बांद्रा की अदालत ने काप्से को 10 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई साइबर पुलिस के अनुसार, काप्से द्वारा अपलोड किए गए वीडियो को हटाने से पहले करीब 1.5 लाख बार देखा जा चुका था। जांच में सामने आया कि वीडियो में मुख्यमंत्री फडणवीस को निशाना बनाकर भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री थी और विमान हादसे से संबंधित तथ्य भी गलत तरीके से प्रस्तुत किए गए थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने वायरल वीडियो का गंभीर संज्ञान लेकर साइबर सेल को केस दर्ज करने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया से वीडियो हटवाकर एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ फर्जी वीडियो वायरल करने और सार्वजनिक हस्तियों को बदनाम करने की एफआईआर दर्ज की गई थी। तकनीकी विश्लेषण से वीडियो का स्रोत जालना जिले के बुट्टेगांव गांव से पाया गया। पुलिस की टीम ने काप्से को हिरासत में लिया। पूछताछ में काप्से ने स्वीकार किया कि उसने उपलब्ध फुटेज को संकलित कर एआई टूल्स की मदद से वीडियो बनाकर साझा किया। काप्से बुट्टेगांव का निवासी है, कक्षा 10 तक पढ़ा है और अपने माता-पिता के साथ रहता है।

पंचकूला में हेरोइन तस्कर गिरफ्तार, 3.4 किलो हेरोइन और 15 लाख बरामद

पंचकूला (एजेंसी)। पंचकूला पुलिस क्राइम ब्रांच-26 ने एक बड़े हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और जल्द ही पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना जताई है। डीसीपी क्राइम अमरिंदर सिंह ने बताया कि आरोपी लवजोत को सेक्टर-20 के कुंडी गांव से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पंजाब के जलालाबाद का रहने वाला है और वर्तमान में चंडीगढ़ में किराए के मकान में रहकर ट्राईसिटी क्षेत्र में नशे का जाल फैला रहा था। पुलिस ने बताया कि लवजोत के पास से 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। हेरोइन की अनुमानित कीमत लगभग 6 करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 4 दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। जांच के दौरान सामने आया कि लवजोत का नेटवर्क पहले से पकड़े गए दो अन्य आरोपियों से जुड़ा था। 3 अप्रैल को रायपुररानी के टाबर गांव से साहिल को 310 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़ा गया था। इसके बाद साहिल के बयान पर 5 अप्रैल को सतनाम सिंह को गिरफ्तार किया गया। सतनाम ने लवजोत को अपना मुख्य सप्लायर बताया। डीसीपी ने बताया कि हेरोइन का स्रोत पाकिस्तान है और सप्लाई चैन की पहचान कर ली गई है। आरोपी नेटवर्क के अन्य हैंडलर्स की भी जल्द गिरफ्तारी की संभावना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सिरसा के बाद यह पंचकूला में पकड़ी गई सबसे बड़ी हेरोइन खेप है। पुलिस लगातार इस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य जुड़े लोगों के नामों का खुलासा होने की संभावना है। रिमांड के दौरान लवजोत से और पूछताछ की जाएगी ताकि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जा सके।

रामपुर में बूंदाबांदी और ठंड से किसान चिंतित, बिजली आपूर्ति प्रभावित

रामपुर(एजेंसी)। शहर में मंगलवार शाम से मौसम ने रुख बदला और तेज आंधी के बाद बुधवार सुबह बूंदाबांदी शुरू हो गई। किसानों में कटाई के दौरान गेहूं की फसल को नुकसान होने की चिंता बढ़ गई है। तेज हवा और बारिश के कारण शहर की बिजली आपूर्ति मंगलवार से बाधित रही। सिविल लाइंस, पहाड़ी गेट, नवाब गेट सहित कई क्षेत्रों में आधा घंटा तक आपूर्ति प्रभावित रही। अधिशासी अभियंता अनुराग सिंह ने बताया कि आपूर्ति अब सभी क्षेत्रों में सुचारू रूप से चल रही है। किसानों के लिए मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि कटे हुए गेहूं को खुले में न छोड़ें और खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें ताकि फसल को बारिश से नुकसान न पहुंचे। बूंदाबांदी के चलते न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और ठंड का अहसास हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने बदला नियम, अब बड़े मामलों की सुनवाई केवल सीजेआई ही करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने तत्काल सुनवाई की प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। नए नियम के तहत अब अत्यंत आवश्यक मामले, जिनमें नियमित सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया का इंतजार नहीं किया जा सकता, उनका उल्लेख केवल मुख्य न्यायाधीश के समक्ष ही किया जा सकेगा। यह नियम तब भी प्रभावी रहेगा जब मुख्य न्यायाधीश किसी संविधान पीठ की अध्यक्षता करने में व्यस्त हों। न्यायालय के इस कदम का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में स्पष्टता लाना और तत्काल सुनवाई के मामलों के लिए एक केंद्रीय व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

छह अप्रैल को जारी आधिकारिक परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि अत्यंत आवश्यक मामलों का उल्लेख अब केवल अदालत संख्या-1 (मुख्य न्यायाधीश की अदालत) के समक्ष ही करने की अनुमति है। परिपत्र में जोर देकर कहा गया है कि भले ही प्रधान न्यायाधीश किसी भी विशेष पीठ या संविधान पीठ का हिस्सा हों, वकीलों को ऐसे मामलों के लिए किसी अन्य पीठ के सामने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह निर्देश 29 नवंबर, 2025 के पिछले परिपत्र के संदर्भ में जारी किया गया है, ताकि सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में होने वाले किसी भी भ्रम को दूर किया जा सके। बता दें कि इस प्रशासनिक बदलाव के बीच, मुख्य न्यायाधीश ने हाल ही में न्यायिक बुनियादी ढांचे की मजबूती पर भी अपने विचार साझा किए थे। तेलंगाना उच्च न्यायालय के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि देश भर में न्यायिक परिसरों का विस्तार हो रहा है और सभी राज्य सरकारें अब यह स्वीकार कर रही हैं कि न्यायिक ढांचे को मजबूत करना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अत्यंत आवश्यक कार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान निर्माताओं का न्याय तक पहुंच के सिद्धांत में अटूट विश्वास था, और प्रत्येक राज्य के लिए उच्च न्यायालय की स्थापना इसी संवैधानिक दायित्व का हिस्सा है। मुख्य न्यायाधीश के अनुसार, यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि भारतीय गणतंत्र की एक गंभीर प्रतिबद्धता है।

पुरानी व्यवस्था में बदलाव

इससे पहले की व्यवस्था के अनुसार, यदि मुख्य न्यायाधीश उपलब्ध नहीं होते थे या किसी संविधान पीठ की सुनवाई में व्यस्त रहते थे, तो अत्यावश्यक मामलों के उल्लेख के लिए उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज (सीनियर मोस्ट जज) के पास जाने का प्रावधान था। वकीलों को तत्काल राहत पाने के लिए वरिष्ठ जजों की पीठ के सामने अपनी अर्जी रखने की अनुमति थी। हालांकि, नए सर्कुलर ने अब इस प्रक्रिया को पूरी तरह मुख्य न्यायाधीश की पीठ तक ही सीमित कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में फिर बनेगी ममता सरकार, अखिलेश यादव का दावा

भाजपा पर साधा निशाना, निर्वाचन आयोग और महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी उठाए सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में एक बार फिर ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और भाजपा को जनता करारा जवाब देगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चाहे कितनी भी कोशिश, बेईमानी या साजिश कर ले, पश्चिम बंगाल की जनता उसे सत्ता में नहीं आने देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में जनता का समर्थन बना हुआ है और यही चुनाव परिणामों में भी दिखाई देगा। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग का ध्यान मतदाताओं को जोड़ने के बजाय उन्हें हटाने पर केंद्रित दिखाई देता है, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। सांसद अखिलेश यादव ने संसद में प्रस्तावित महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश की आबादी में लगातार वृद्धि हो रही है, ऐसे में वर्तमान जनसंख्या के आधार पर आरक्षण तय किया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उनका कहना था कि चुनाव के बाद इन समस्याओं में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

आप का बड़ा फैसला: उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ेगी पार्टी

-इसुदान गढ़वी बोले— कांग्रेस और बीजेपी में हो सीधा मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की राजनीति में एक अहम मोड़ लेते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा, पार्टी अब पूरी तरह से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

गढ़वी ने मंगलवार को अपने एक बयान में स्पष्ट किया कि आप इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और चाहती है कि मुकाबला सीधे कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच हो। उन्होंने कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि वह खुद को मजबूत विपक्ष मानती है, तो उसे भाजपा को हराकर दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम उमरेठ उपचुनाव नहीं लड़ेंगे। हमारा फोकस केवल स्थानीय निकाय चुनावों पर है। हम चाहते हैं कि भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला हो, क्योंकि कांग्रेस अक्सर हमें भाजपा की 'बी-टीम' कहती है। अब उनके पास मौका है कि वे सीधे भाजपा का सामना करें।'

आप के इस फैसले को राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पार्टी फिलहाल जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने और स्थानीय निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। गुजरात में पिछले कुछ वर्षों में आप ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, लेकिन विधानसभा और उपचुनावों में उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। ऐसे में पार्टी का यह कदम संकेत देता है कि वह अपनी ऊर्जा और संसाधनों को अधिक प्रभावी चुनावी क्षेत्रों में लगाना चाहती है।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- हम अभी नहीं देखेंगे...

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने फिलहाल इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से पेश किए गए गोपनीय रिकॉर्ड की जांच करने से इनकार कर दिया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए यह सुनवाई खुली अदालत के बजाय जज के चेंबर में आयोजित की गई, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसे एक बेहद संवेदनशील मुद्दा बताया था।

इससे पहले की सुनवाइयों में हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा था कि राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता से संबंधित शिकायतों पर अब तक क्या प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। इसके बाद अदालत ने स्वयं गृह मंत्रालय से संबंधित सभी मूल रिकॉर्ड तलब किए थे। हालांकि, मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, बेंच ने इन दस्तावेजों का परीक्षण करने से फिलहाल परहेज किया। हाईकोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार के अधिकारी रिकॉर्ड के साथ अदालत में उपस्थित थे, लेकिन बेंच ने स्पष्ट किया कि वह इस स्तर पर राहुल गांधी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच करने का प्रस्ताव नहीं करती है, इसलिए रिकॉर्ड को नहीं देखा गया।

यह पूरी कानूनी प्रक्रिया भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक याचिका पर आधारित है। याचिकाकर्ता ने लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। निचली अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि किसी नागरिक की नागरिकता तय करने का वैधानिक अधिकार उसके कार्यक्षेत्र में नहीं आता है। याचिकाकर्ता ने अपनी अर्जी में राहुल गांधी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विस्तृत जांच की मांग की है। हाईकोर्ट में हुई इस सुनवाई के बाद अब मामले की अगली तारीख 15 अप्रैल तय की गई है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इस मामले में गहन जांच की आवश्यकता है, जबकि निचली अदालत ने तकनीकी आधार पर इसे खारिज कर दिया था। अब 15 अप्रैल को होने वाली सुनवाई पर सबकी निगाहें टिकी हैं, क्योंकि कोर्ट इस बात पर विचार करेगा कि क्या इस मामले में हस्तक्षेप की कोई कानूनी गुंजाइश है या नहीं। फिलहाल, राहुल गांधी के लिए राहत की बात यह है कि उच्च न्यायालय ने केंद्र के रिकॉर्ड पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी या तत्काल जांच शुरू नहीं की है।

सीएम नीतिश ने 4954 एएनएम को नियुक्ति पत्र बांटा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को 4954 एएनएम (ऑक्सिलरी नर्स मिडवाइफ) को नियुक्ति पत्र बांटा है। इस दौरान दोनों उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे भी मौजूद रहे। यह कदम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों पर नर्सिंग स्टाफ की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण बताया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, ये नियुक्तियां लंबे समय से लंबित प्रक्रिया का हिस्सा थीं, जिन्हें अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। बिहार सरकार का उद्देश्य राज्य के हर क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है। एएनएम स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं, जो टीकाकरण, प्रसव सेवाओं और प्राथमिक चिकित्सा में अहम रोल निभाती हैं। इतनी बड़ी संख्या में एएनएम की नियुक्ति को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार के तौर पर देखा जा रहा है। इस पहल से बिहार सरकार न केवल रोजगार सृजित कर रही है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाने की दिशा में भी मजबूत कदम उठा रही है।

ईरान-अमेरिका-इजरायल सीजफायर पर प्रियंका चतुर्वेदी का तंज... पाकिस्तान को थैंक्यू नोट, भारत को मिला तेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच करीब 40 दिनों से जारी तनाव के बाद युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा कर दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो हफ्ते के अस्थायी सीजफायर का ऐलान किया है। इस बीच भारत में इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं।

शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी टिप्पणी करते हुए विभिन्न देशों की भूमिका पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि ÷ईरान को अपना पक्ष रखने का मौका मिला, अमेरिका ने अपनी इज्जत बचा ली, इजरायल को हकीकत का सामना करना पड़ा, पाकिस्तान को थैंक्यू नोट मिला और भारत को उसका तेल मिल गया। दुनिया को अस्थायी रूप से ही सही, शांति मिल गई।÷ प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया के जरिए यह भी सवाल उठाया कि अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता में भारत की भूमिका को लेकर हो रही आलोचना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह युद्ध भारत का नहीं था, इसलिए भारत की सीधी भागीदारी की अपेक्षा करना तर्कसंगत नहीं है। शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता प्रियंका ने पाकिस्तान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यह सीजफायर उसके लिए ÷एक ऐसे दलाल÷ की तरह है, जो पैसे लेकर संकट का समाधान करने का दावा करता है। यह टिप्पणी उन्होंने भारत के विदेश मंत्री के उस बयान के संदर्भ में की, जो सर्वदलीय बैठक में दिया गया था। वहीं, युद्धविराम को लेकर ईरान ने अमेरिका के सामने 10 सूत्रीय प्रस्ताव रखा है। इसमें भविष्य में हमले न करने, लेबनान पर कार्रवाई रोकने और युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई जैसी शर्तें शामिल हैं। अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह ईरान के पावर प्लांट, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को निशाना नहीं बनाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, मध्य पूर्व में स्थिरता कायम करने के लिए 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच अहम बैठक भी प्रस्तावित है। अब वैश्विक समुदाय की नजर इस वार्ता और सीजफायर की स्थिरता पर टिकी हुई है।

सौराष्ट्र के अमरेली में लगातार भूकंपीय झटकों से दहशत, 5 घंटे में 8 बार हिली धरती

सावरकुंडला-खांभा क्षेत्र में लगातार हल्के भूकंप के झटके ; 3.58 तीव्रता का सबसे बड़ा झटका दर्ज

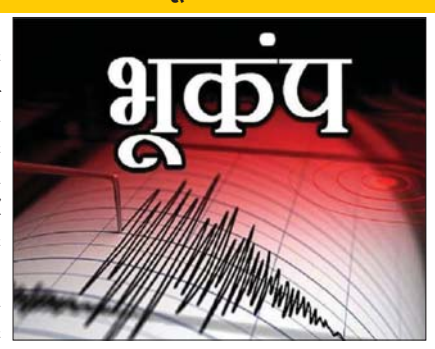

अमरेली (एजेंसी)। सौराष्ट्र के अमरेली जिले में मंगलवार देर रात से बुधवार सुबह तक धरती के अंदर हो रही असामान्य हलचलों ने लोगों में चिंता और कौतूहल दोनों बढ़ा दिए हैं। जिले के सावरकुंडला और खांभा पंथक में भूकंप के झटकों का सिलसिला लगातार जारी है। सबसे अधिक असर मीतियाला और उसके आसपास के गांवों में देखा गया, जहां रात से सुबह 9 बजे तक महज 5 घंटे के भीतर 8 बार हल्के झटके महसूस किए गए। भाड, नानूड़ी, धजड़ी, साकरपारा, वांकिया, खांभा और इंगोराला जैसे कई गांवों में धरती हिलने से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

गांधीनगर स्थित सिस्मोलॉजी विभाग ने इन सभी झटकों की पुष्टि की है, जिसके बाद प्रशासन भी अलर्ट मोड में आ गया है। झटकों की शुरुआत सुबह 4:15 बजे 1.8 तीव्रता के साथ हुई, जिसके ठीक एक मिनट बाद 4:16 बजे 2.3 तीव्रता का झटका महसूस हुआ। इसके बाद 4:24 बजे 1.0 और 4:57 बजे 1.4 तीव्रता के झटके दर्ज किए गए। सुबह 7:00 बजे फिर 2.2 तीव्रता का झटका आया, जबकि 7:15 बजे दिन का सबसे तेज झटका 3.58 तीव्रता का दर्ज किया गया। इस दौरान घरों की वस्तुएं तक हिलने लगीं, जिससे लोगों में डर का माहौल और गहरा गया। इसके बाद भी 7:51 और 8:57 बजे 1.5-1.5 तीव्रता के झटके महसूस होते रहे।

सिस्मोलॉजी विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र अमरेली से करीब 43 किलोमीटर दूर स्थित था। लगातार आ रहे झटकों के कारण क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि कहीं यह किसी बड़े भूकंप का संकेत तो नहीं। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों से दूर रहने तथा सतर्क रहने की अपील की गई है।

गुजरातियों पर टिप्पणी को लेकर घिरे मल्लिकार्जुन खड़गे ने मांगी माफी, सियासत में फिर उबाल

भाजपा ने उठाए देरी पर सवाल, राहुल गांधी के इशारे पर बयान देने का लगाया आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरातियों को लेकर की गई टिप्पणी पर मचे विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आखिरकार माफी मांग ली है। उनके इस बयान के बाद गुजरात की राजनीति में काफी गर्माहट देखने को मिली थी। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सफाई देते हुए कहा कि केरल में दिए गए उनके चुनावी भाषण की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। इसके बावजूद उन्होंने जिम्मेदारी लेते हुए खेद जताया। उन्होंने लिखा कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा। उनका कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।

हालांकि, भाजपा ने इस माफी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। पार्टी के प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा कि माफी का स्वागत है, लेकिन यह सवाल बना हुआ है कि इसे देने में इतनी देर क्यों हुई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ÷देर आए दुरुस्त आए।÷ अनिल पटेल ने आरोप लगाया कि खड़गे कांग्रेस के 'युवराज' यानी राहुल गांधी के इशारे पर बयान देते हैं। हालांकि, उन्होंने खड़गे को एक सम्मानित व्यक्ति भी बताया। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस बार-बार गुजरातियों का अपमान करती है और जब विरोध बढ़ता है, तब माफी मांगती है। प्रवक्ता ने खड़गे के पुराने 'सांप' वाले विवादित बयान का जिक्र करते हुए उस पर भी माफी मांगने की मांग की। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि खड़गे का इरादा अपमान करने का नहीं था, तो उन्होंने तुरंत माफी क्यों नहीं मांगी? क्या विवाद बढ़ने का इंतजार किया गया?

गुजरात के लोग अपनी अस्मिता और सम्मान के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में जब किसी पूरे समुदाय को लेकर बयान दिए जाते हैं, तो उसका असर राष्ट्रीय राजनीति तक देखने को मिलता है। खड़गे की यह माफी भले देर से आई हो, लेकिन फिलहाल इसने राजनीतिक विवाद को शांत करने की कोशिश जरूर की है। अब देखना होगा कि आने वाले चुनावों में यह मुद्दा किस तरह से उभरता है।

सभी शिशु रोते है, यह बिलकुल सामान्य बात है। अधिकांश शिशु प्रत्येक दिन कुल एक घंटे से लेकर तीन घंटे तक के समय के लिए रोते हैं। आपका नन्हा सा शिशु अपने आप खुद कुछ नहीं कर सकता है और वह आप पर अपनी हर जरुरत के लिए निर्भर करता है-चाहे वह भूखा है, आराम चाहता है या फिर प्यार और दुलार। आपका शिशु रो कर ही आपको यह बता सकता है की उसे किसी चीज की जरुरत है।

जानें आखिर क्यों इतना रोता है आपका बच्चा और उसे संभालने के उपाय

आपके लिए कई बार यह पता चलाना मुश्किल हो जाता है की आखिर शिशु रो क्यों रहा है। लेकिन समय के साथ आप पहचानने लगेंगी और समझने लगेंगी की आपके शिशु के रोने का कारण क्या है। और जैसे जैसे आपका शिशु बढ़ता है वह आप के साथ बात चीत करने के अन्य तरीके सीख लेता है जैसे की आंखों का समपर्क, शोर मचाना या फिर मुस्कुराते हुए आपका ध्यान अपनी तरफ खींचना। अगर आपका शिशु रो रहा है और चुप नहीं हो रहा है तो हो सकता है वह आपसे से यह कहने की कोशिश कर रहा है..."

मुझे भूख लग रही है

भूख किसी नवजात शिशु के रोने का सबसे बड़ा कारण है। किसी बच्चे का छोटा सा पेट बहुत कुछ भंडार में नहीं रख सकता। इसीलिए अगर आपकी संतान रोती है, तो उसे दूध पिलाने की कोशिश करें, क्योंकि वह भूखी हो सकती है।

मेरी नैपी (कलोट) बदलो

कुछ शिशु अपनी नैपी बदलने की जरूरत पर बहुत ध्यान नहीं देते लेकिन कई दूसरे तुरंत ही चीख कर आपका ध्यान अपनी ओर खींचेंगे। खासकर तब, अगर उनकी कोमल त्वचा में खुजली या खुश्की हो। यह भी देखें कि कहीं नैपी बहुत कस कर तो नहीं बंधी है, या उसके कपड़े तो उसको परेशान नहीं कर रहे हैं।

मुझे अधिक गर्म या अधिक ठंड लग रही है

जांच करें कि आपका शिशु अपने बिस्तर में कहीं बहुत अधिक गर्म या ठंडा तो नहीं महसूस कर रहा। इसे आप उसके पेट को छूकर पता कर सकते हैं (उसके हाथ या पैर से पता नहीं लगेगा, वे सामान्य तौर पर ठंडे होते हैं)। अगर उसका शरीर अधिक गरम है, तो एक कंबल हटा दें। अगर वह ठंडा है तो एक और उढ़ा दें। मौसम के अनुसार कमरे का तापमान 22 और 25 डिग्री सेल्सियस के बीच में रखें।

मुझे गोद में ले लो

कई बार आपका शिशु केवल दुलार चाहता है। चिंता न करें, अगर आप अपने शिशु को शुरुआती कुछ महीनों में अधिक समय तक उठा भी लेंगे, तो वह बिगड़ नहीं जायेगा। छोटे बच्चों को शारीरिक आराम और आश्वासन की बहुत जरूरत है। यदि आप अपने बच्चे को सीने से लगा के रखेंगे तो उसे आपकी दिल की धड़कन सुनकर दिलासा मिलेगा आप शिशु को एक बेबी स्लिंग या केरीयर में भी रख सकती है जो आपके सीने या पीठ पर बंधता हो ऐसा करने से शिशु आपकी गोद में रह सकेगा और बाकी कामों के लिए आपके हांथ भी मुक्त रहेंगे।

मुझे आराम की जरूरत है

नवजातों के लिए काफी सक्रिय रहना कठिन होता है। उसके रोने का एक मतलब होता है- बस, मेरे लिए काफी है. रोना, चिडचिडाना, उदास हो कर छत के ओर घूरना नींद आने के कुछ उदाहरण हैं। उसे किसी शांत और खामोश जगह ले जाएं। कुछ देर बाद आप पाएंगे कि वह सोने के लिए तैयार है।

मेरी तबियत ठीक नहीं है

अपने बच्चे में किसी भी परिवर्तन के बारे में सतर्क रहे। अगर वह अस्वस्थ है, वह शायद वह हमेशा की तरह न रोये। रोने का अलग ही स्वर हो सकता है, थोडा कम या अधिक या फिर चीख कर लगातार रोना। और अगर आपका शिशु आम तौर पर बहुत रोता है, लेकिन असामान्य रूप से शांत हो गया है, तो यह भी एक संकेत है कि उसकी तबियत ठीक नहीं है। कोई भी आपके शिशु को इतनी अच्छी तरह से नहीं जान सकता जैसे की आप। यदि आपको लगता है कि आपके शिशु की तबियत ठीक नहीं लग रही है तो डॉक्टर से बात करें और अपनी चिंताओं पर चर्चा करें। डॉक्टर को तुरंत बुलाएं अगर आपका शिशु को रोते समय सांस लेने में कठिनाई हो रही है, या अगर रोने के साथ उसे बुखार, उल्टी, दस्त या कब्ज भी हो रहा हो।

मुझे कुछ चाहिए...पर पता नहीं क्या

कभी कभी आपको समझने में कठिनाई होगी की आखिर शिशु रो क्यूं रहा है। देखा गया है की अक्सर नवजात शिशु बीच में कुछ दिनों के लिए चिडचिडे हो जाते हैं या फिर रोते ही रहते हैं। कभी कभी यह एकदम ही चुप हो जाते हैं या फिर कभी कभी घन्टों तक रोते हैं। अक्सर यह पेट के दर्द याने कोलिक की वजह से होता है। कालिक कम से कम तीन दिनों के लिए, एक दिन में कम से कम तीन घंटे के लिए गमगीन रोने के रूप में प्रकट होता है। इससे निबटना कठिन होता है, वहीं इसकी कोई जादुई दवा भी नहीं है। हालांकि आपके लिए यह जानना फायदेमंद होगा कि दर्द कभी भी काफी दिनों तक नहीं रहता।

मेरा शिशु लगातार रो रहा है मैं क्या करूं? यहां कुछ नुस्खे हैं जिससे आप अपने शिशु को आराम पहुंचा सकते हैं"

उसे लपेटें और कस कर पकड़ें

कई माता पिता यह देखते हैं की उनके शिशु गोद में आते ही चुप हो जाते हैं खासकर जब वह आपके दिल की धड़कन को सुन के सुखदायक मेहसूस करते हैं। कई नवजात लिपटना और सुरक्षित महसूस करना पसंद करते हैं। जैसा कि वह गर्भ में रहते हैं, तो आप अपने शिशु को कंबल में लपेटें (यह स्वैडलिंग के नाम से जाना जाता है) या बेबी स्लिंग में भी उसे रख सकते हैं ताकि जान सकें कि क्या वह उसे पसंद करता है। हलाकि कुछ शिशु ऐसे भी होते हैं जिन्हें लिपटे हुए रहना बिलकुल पसंद नहीं होता।

एक लगातार ध्वनि खोजें

गर्भ में आपका शिशु आपके दिल की धड़कन लगातार सुनता रहता है। इसलिए मधुर संगीत की आवाज या लोरी से आपके शिशु को आश्वासन मिलेगा। कई माता पिता को लगता है कि घड़ी की टिक टिक के स्थिर लय अक्सर शिशु को खामोश करते हैं और सोने में भी मदद करते हैं। अब बाजार से संगीत के सीडी या फिर टेप खरीद सकती है जो नन्हे शिशुओं को सुलाने में मदद केंगे।

अपनी बाहों में शिशु को घुमाएं

अधिकतर बच्चे धीरे-धीरे हिलना पसंद करते हैं, या तो आप उसे टहलाएं या गोद में लेकर एक हिलनेवाली कुर्सी मे बैठें। खास तौर पर बच्चों के लिए बनाए झूले भी कुछ बच्चों को शांत कर देते हैं, पर कई सो भी जाते हैं, जैसे ही उनको किसी कार में कहीं ले जाया जा रहा हो।

दूध पिलाने के लिए अलग स्थिति खोजें

कुछ बच्चे दूध पीते समय रोते हैं यदि आप स्तनपान करा रहीं है तो आपने देखा होगा की शिशु आराम से स्तन मुह में लेता है जब वह शांत होता है। अगर फीड के दौरान शिशु को गैस हो रहा है, तो आप ऐसी स्तिति ढूंढे जिसमे वह थोडा और सीधा होकर दूध पी सके। दूध पिलाने के बाद शिशु को डकार अवश्य दिलाएं। अगर आपका शिशु दूध पीने के बाद भी रोता है तो हो सकता है वह अब भी भूखा है। दोबारा से उसे दूध पिलाने की कोशिश करें।

उसे कुछ चूसने को दें

कुछ नवजातों में चूसने की इच्छा काफी तीव्र होती है और एक चुसनी या (साफ) उंगली या अंगूठा उसे काफी आरामदेह लगता है। कम्फर्ट सकिंग किसी बच्चे के दिल की धड़कन को नियमित कर सकता है, उसके पेट को आराम पहुंचाता है, और उसे शांत कर देता है।

उसे एक गुनगुना स्नान दें

गुनगुने पानी से स्नान आपके बच्चे को शांत करने में मदद करेगा पहले पानी का तापमान की जांच करें फिर शिशु को टब में डालें. यह बात ध्यान में रखें की अगर आप्कपके शिशु को स्नान पसंद नहीं है तो यह तरकीब काम नहीं करेगी-उल्टा शिशु और जोर से रोने लग सकता है।

कभी खुद से बहुत अधिक न मांगें

एक नवजात जो लगभग लगातार रोता है वह खुद को तो नुकसान नहीं पहुंचाता, लेकिन अपने अभिभावकों को जरूर तनावग्रस्त कर सकता है। खैर, अगर आपने अपनी सोच के मुताबिक सब कुछ आजमा लिया है, तो समय आ गया है कि आप खुद की चिंता करें।

-यदि आप बाद प्रसव पूर्ण एकांतवास में हैं तो बाकि घर वालों की मदद लें।

-कुछ शांत संगीत सुनकर आराम करें।

-अपने शिशु को किसी सुरक्षित जगह लिटा दें और कुछ देर तक रोने दें-अपनी सुनने की सीमा के भीतर कुछ गहरी सांसें लें।

-यदि आप और आपका शिशु दोनों ही परेशान हैं और आपकी सारी कोशिशे नकाम सी लग रहीं है तो अपने पति या घर के किसी और रिश्तेदार की मदद लें।

-अपने डॉक्टर से स्थानीय समर्थन समूहों (लोकल सपोर्ट ग्रुप) का पता लगाएं, जहां आप दूसरे नए अभिभावक बने लोगों से अपने अनुभव साझा कर सकें।

-मित्रों या फिर माता पिता से बात चीत करें और कुछ रणनीतियां बनायें अपनी भावनाओं को साझा करने के लिए और अन्य नए माता पिता के साथ बात करें।

इन गेम्स में रखें बच्चे को बिजी शैतान नहीं बनेंगे समझदार

कोरोना महामारी के कारण हर जगह लॉकडाउन किया गया। वैसे तो अब लोगों ने काम पर जाना शुरू कर दिया है। मगर बात बच्चों की करें अभी भी बहुत से बच्चे ऑनलाइन क्लासिस लगा रहे हैं। ऐसे में घर पर रहने से बच्चे भी परेशान हो गए है। साथ ही उनकी शरारतें भी तेजी से बढ़ रही है। कुछ बच्चों की शरारतों के चलते मां-बाप बेहद परेशान हो गए है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी गेम्स बताते हैं, जिसकी मदद से आप बच्चों को बिजी कर सकते हैं। साथ ही इससे वे नई चीजों को सीख सकते हैं। तो चलिए जानते हैं उन एक्टिविटी के बारे में...

गार्डनिंग सिखाएं

अगर आपको व बच्चों को पौधे पसंद है तो उनकी गार्डनिंग में मदद लें। उन्हें पौधों का महत्व बताते हुए रोजाना पानी देने की सीख दें। इससे उनके अंदर एक अच्छी आदत भी विकसित होगी।

कुकिंग सिखाना भी अच्छा आइडिया

आजकल के बच्चों को हर काम आना चाहिए। ऐसे में आपका बेटी हो या बेटी आप उन्हें कुकिंग सिखा सकती है। अगर आपके बच्चा ज्यादा छोटा है तो आप उनसे सैंडविच, बेल पुरी, चाट आदि बनवा सकती है। इसके अलावा केक, कुकिज बेक करवाना भी सही रहेगा। ऐसे में उसके अंदर एक और हुनर आएगा। साथ ही जरूरत पड़ने पर वे खुद के लिए खाना बना कर खा सकते हैं।

ड्राइंग सिखाना भी सही

बच्चों को कलर की दुनिया में खोने का अलग ही मजा आता है। ऐसे में आप उनसे पेंटिंग करवा सकते हैं। इसके लिए उन्हें एक ड्राइंग बुक व कलर खरीद कर उन्हें दें। अगर आपके बच्चे 5 से बड़े हैं तो आप उन्हें बबल पेंटिंग, पैबल पेंटिंग और स्प्रे पेंटिंग सिखा सकते हैं। इससे वे बिजी भी रहेंगे साथ ही उनकी क्रिएटिविटी निखर कर सामने आएगी।

पजल गेम से होगा दिमाग तेज

शरारती बच्चों को हमेशा से दिमाग वाला काम करने का शौक होता है। ऐसे में आप उन्हें पजल गेम लाकर दे सकते हैं। आपको बाजार में बहुत सी पजल गेम्स आसानी

से मिल जाएगी। इस तरह तरह वे उसे सुलझाने की कोशिश करेंगे। इससे उनका टाइम पास होने के साथ दिमाग का विकास होगा। साथ ही आपको भी उनकी शरारतों से आराम मिलेगा।

अलग-अलग क्लासिस करवाएं ज्वाइन

ज्यादा शोर मचाने वाले बच्चों को अक्सर इंस्ट्रूमेंट पसंद होते हैं। ऐसे में आप उन्हें गिटार, पियानो, तबला, सिंगिंग या डांस की क्लासिस ज्वाइन करवा सकते हो। इसके लिए आपको ऑनलाइन क्लासिस आसानी से मिल जाएगी। इसके अलावा यूट्यूब की भी मदद ले सकते हैं। इस तरह बच्चे मजे-मजे में एक नई चीज आसानी से सीख लेंगे। साथ ही उन्हें आगे अपना लक्ष्य चुनने की भी प्रेरणा मिलेगी।

आप थोड़ी सी सूझबूझ से निपटा सकते हैं भाई-बहनों के आपसी मसले, ये टिप्स आजमाएं

घर में अगर दो बच्चे हैं तो उनकी परवरिश के लिए समझ-बूझ की ज़रूरत होती है। सब बच्चों पर एक ही नियम लागू नहीं हो सकता, क्योंकि भाई-बहन में जहां प्यार होता है तो वहीं छोटे-मोटे झगड़े भी होते हैं। हर छोटी-बड़ी बात पर मम्मी-पापा को इनके झगड़े का हिस्सा बनना पड़ता है। अगर पैरेंट्स एक बच्चे के व्यवहार को सही कह दें और दूसरे के व्यवहार को गलत तो उसमें भी मुश्किल है, क्योंकि इससे एक बच्चे को बुरा लग सकता है। हम आपको कुछ ऐसी ही छोटी-छोटी बातें बता रहे हैं, जिससे आप अपने बच्चों की आपसी नोक-झोंक को समझदारी से सुलझा सकते हैं।

झगड़े की वजह जानें

अक्सर बच्चों के बीच झगड़ा होने पर पैरेंट्स उनके साथ समान व्यवहार पर ध्यान नहीं दे पाते। कई बार किसी बच्चे को गलती के लिए ज्यादा डांट पड़ जाती है, तो कई बार दूसरे बच्चे की शैतानी इग्नोर हो जाती है। किसी बच्चे को डांटने या उसकी गलती निकालने से पहले दोनों से पूरी बात जानें।

रिस्पेक्ट का नियम बनाएं

बच्चों के लिए व्यवहार के नियम बनाएं कि उन्हें कैसे एक-दूसरे के साथ पेश आना चाहिए। चाहे कितना भी गुस्सा क्यों न आए, बच्चों को एक-दूसरे को कैसे रिस्पेक्ट देनी है, अगर पहले से ही इस बारे में नियम बनाकर रखेंगे तो बच्चे अपनी लिमिट में रहेंगे और सभी संभव उपायों पर काम करेंगे।

झगड़े का निपटारा करना सिखाएं

बच्चों को सिखाएं कि किसी प्रॉब्लम से उन्हें कैसे डील करना है। आप बच्चों को एक ही सिचुएशन को अलग-अलग तरह से देखने के लिए प्रेरित करें। इससे उनका नजरिया बदलने में मदद मिलेगी और बच्चों की आपसी नाराजगी भी कम होती जाएगी।

हर बच्चे की रुचि को सराहें

कई बार बच्चों की अलग रुचि ही उनके आपसी झगडे की वजह बनती है। एक बच्चे को नृत्य और बाहरी गतिविधियों, खेलकूद में आनंद आता है, तो दूसरे को इंडोर गेम्स और क्रिएटिव चीजों में। अगर पैरेंट्स के इंटरेस्ट किसी बच्चे से मेल खाते हैं तो वे उसकी तारीफ करने लगते हैं, वहीं दूसरे बच्चे की पसंद उनसे मेल नहीं खाती तो वे उसकी हॉबी को लेकर ज्यादा चर्चा नहीं करते। ऐसा करने से बच्चों में कॉम्प्लेक्स आ सकता है। ध्यान रखें कि बच्चे के इंटरेस्ट चाहे आपसे मेल खाएं या नहीं, आपको दोनों पर ध्यान देने और सराहना करने की जरूरत है।

रीडिंग हैबिट : अभिभावक रूम में बुक कॉर्नर बनाएं और उनको किताबें करें गिफ्ट

...बच्चे भी कर लेंगे किताबों से दोस्ती

प्रतीक्षा का 12 साल का बेटा है जो खेल-कूद में तो आगे है, लेकिन किताबों के नाम से दूर भागता है। जिसे लेकर वो काफी परेशान रहती हैं। ये समस्या हर उस घर की है जहां बढ़ती उम्र के बच्चे हैं। पैरेंट्स किताबें पढ़ने के लिए बच्चों पर तरह-तरह का दबाव तो डालते हैं, लेकिन सही तरीके नहीं अपनाते। चलिए हम बताते हैं कुछ ट्रिक्स, जिन्हें अपनाकर आप अपने बच्चों में डेवलप कर सकते हैं रीडिंग हैबिट।

पहले पढ़कर सुनाएं : इंट्रेस्टिंग किताबें लाएं। पहले खेल-खेल में किताब पढ़कर सुनाएं। इससे बच्चे में धीरे-धीरे पढ़ने की रुचि बढ़ेगी।

इंट्रेस्ट की बुक लाएं : बच्चों की उम्र के अनुसार उनके इंट्रेस्ट की किताबें लाएं। अपनी पसंद की किताबें पढ़ने का प्रेशर न डालें। इससे उनकी अरुचि और बढ़ेगी।

हेल्पफुल हो सकते हैं न्यूज पेपर : पढ़ने की आदत डालने में न्यूज पेपर हेल्पफुल बन सकते हैं। जब आप अखबार पढ़ें तो बच्चे को भी पास बैठा कर पेपर पढ़ने के लिए प्रेरित करें। नई-नई खबरों के बारे में उससे बात करें। इससे बच्चे की जानकारी भी बढ़ेगी और पढ़ने की आदत भी बनेगी।

गिफ्ट करें किताबें : बच्चे के बर्थ डे पर या किसी खास मौके पर उसे उपहार के तौर पर किताबें गिफ्ट करें।

लाइब्रेरी फ्रैंडली बनाएं : बच्चे को लाइब्रेरी ले जाएं। बहुत सारी किताबें देखकर उसकी रुचि जागेगी। बच्चे को अलग-अलग विषयों की किताबों के बारे में बताएं। वहां बैठे बहुत से लोगों को पढ़ते देख बच्चे को भी पढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

रूम में बनाएं बुक कॉर्नर : बच्चे के रूम में एक बुक कॉर्नर बनाएं। जिसमें अलग-अलग विषयों की किताबें रखें। बुक शेल्फ को रोचक तरीके से सजाएं। ये ट्रिक मददगार साबित होगी।

ई-बुक यूज न करें : बच्चे को ई-बुक यानी मोबाइल, लैपटॉप या टैब से किताबें पढ़ने की आदत बिल्कुल न डलवाएं। कई बार बच्चा पढ़ने का बहाना बनाकर गैजेट्स का मिस यूज भी कर सकता है।

टाइम-टेबल बनाएं

बच्चों की पढ़ाई के लिए टाइम-टेबल बनाना बहुत जरूरी है। जब भी टाइम-टेबल बनाएं, बच्चों के साथ अपना भी टाइम-टेबल साझा रखें। सुबह बच्चों को जल्दी स्कूल पहुंचना होता है, आपको भी दफ्तर पहुंचने की जल्दी होती है। इसलिए सुबह का समय टाइम-टेबल में शामिल नहीं हो सकता। पर जब आप दफ्तर से लौटते हैं, टीवी देखने या दफ्तर का काम निपटाने के बजाय रात को कम से कम दो घंटे का समय बच्चों के लिए रखें। चूंकि माताएं रात के भोजन की तैयारी और दूसरे घरेलू कामों में लग जाती हैं, इसलिए पिता को ही अपना समय बच्चों को देना होगा। रात को ग्यारह बजे तक जगा जा सकता है।

बच्चों को पढ़ाते समय या उनके पढ़ते समय साथ बैठते समय, चाहें तो आप भी कुछ पढ़-लिख या दफ्तर का काम कर सकते हैं। पर ध्यान रखें कि आपकी नजर उनकी पढ़ाई पर हो। जैसे ही बच्चों को खुद पढ़ने के लिए छोड़ेंगे, वे दूसरी तरफ ध्यान लगाएंगे। बीच-बीच में बच्चों से उनकी पढ़ी हुई बातों के बारे में पूछते रहें।

'हेरा फेरी 3' में देरी की अफवाहों को परेश रावल ने किया खारिज

फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। फैंस इस फिल्म को लेकर जिस बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं, इसे लेकर उतनी ही तरह-तरह की अफवाहें आती रहती हैं। फिल्म को लेकर बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि इसमें देरी होगी। मगर, अब परेश रावल ने इस पर बात की और ऐसी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग पर भी अपडेट दिया।

जल्द शुरू करेंगे शूटिंग

परेश रावल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान फिल्म 'हेरा फेरी 3' में देरी होने की अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि जिस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार हो रहा था, वह जरूर बनेगा। अभिनेता ने मनी कंट्रोल से बात करते हुए कहा, 'किसी भी बात पर ध्यान न दें। 'हेरा फेरी 3' आ रही है। मैं जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करूंगा'।

कब रिलीज होगी 'भूत बंगला'

बता दें कि इस फिल्म का एलान बीते वर्ष हुआ था। तब से ही 'हेरा फेरी 3' सुर्खियों में छाई हुई है। पहले ऐसी चर्चा थी कि परेश रावल ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया है, लेकिन अब वे इस फ्रैंचाइजी के साथ फिर से जुड़ गए हैं। परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' छोड़ने के बाद यह खबर फैल गई कि अक्षय ने उन पर 25 करोड़ रुपये के हर्जाने का मुकदमा किया है। उन्होंने समय रहते चीजों को सुलझा लिया, जिसके चलते अक्षय को मामला वापस लेना पड़ा। बात करें 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसमें अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। 'भूत बंगला' हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। इस फिल्म में अक्षय और प्रियदर्शन ने 14 साल बाद काम किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी, मिथिला पालकर और वामिका गब्बी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

वो लड़की नहीं बनूंगी जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी के लिए बॉलिवुड का सफर आसान नहीं रहा। हिंदी फिल्मों में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज तो वे राजकुमार राव और अक्षय कुमार जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं प्रियदर्शन निर्देशित भूत बंगला से।

उस साल इंडस्ट्री से बोरिया -बिस्तर बांधकर जाने की सोच चुकी थी

राजकुमार राव के साथ भूलचूक माफ कर चुकी वामिका इन दिनों अक्षय कुमार जैसे बड़े हीरो की हीरोइन बन चुकी हैं, मगर एक समय ऐसा भी था, जब स्ट्रगल डेज में वे इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना चुकी थीं। वे बताती हैं, 'साल 2019 मेरे लिए बहुत ज्यादा मुश्किल था। तब मैंने सोच लिया था, मुझे नहीं बनना एक्टर। यहां कुछ नहीं हो रहा, तो मैं एक्टिंग ही छोड़ देती हूं। उस साल मैंने अपना बोरिया -बिस्तर बांधने का फैसला कर लिया था। ये उस वक्त की बात है, जब मैंने विशाल सर (फिल्मकार विशाल भारद्वाज) की फिल्म मिडनाइट चिल्ड्रन के लिए ऑडिशन दिया था और मैं शॉर्ट लिस्ट हो गई।

वो लड़की नहीं बनूंगी, जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जब वी मेट जैसी फिल्म में करीना कपूर की कजन की छोटी सी भूमिका भी की। फिर मुंबई में अपने 8 साल के करियर में फिल्मों और किरदारों के मामले में अच्छी-खासी मेहनत की है। अपने सफर को लेकर वे कहती हैं, 'मुझे तो हमेशा से अभिनय करना था, मगर आठ -नौ साल से मैं जब तक मुंबई में थी, तब जब करियर में कुछ हो नहीं रहा था। आज सोचती हूं कि तब मैंने हार क्यों नहीं मानी? मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी थीं कि लड़कियां 17-18 साल की उम्र में हीरोइन बनने जाती हैं और 40 साल की होकर जब वापिस आती हैं, तब उनका इंडस्ट्री में कुछ नहीं होता।

डैड के लिए असरानी जी फोटो छिपकर ली थी

उनका परिवार उनके स्टारडम को कैसे देखता है? इस पर वे कहती हैं, 'आपको एक दिलचस्प बात बताऊं? मेरे डैड से उनके दोस्त अक्सर कहा करते थे, गब्बी, तेरी बेटी ऐक्ट्रेस तो बन ही जाएगी। उसे फिल्में तो मिल ही जाएंगी, मगर क्या वो किसी बड़े स्टार के साथ काम कर पाएगी? अब जब मेरी फिल्म भूत बंगला आई, तो वे बोले, अब मैं अपने दोस्तों से कह सकता हूं कि मेरी बेटी अक्षय कुमार जैसे सुपर स्टार के साथ काम कर रही है, प्रियदर्शन उसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मेरा परिवार बहुत खुश है कि मुझे असरानी और परेश रावल सरीखे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर मिला। मैंने तो शूटिंग के दौरान चुपके से स्वर्गीय असरानी जी का फोटो खींचकर अपने डैड को भेजी थी। वे बहुत एक्साइटेड थे कि मैं प्रीमियर पर असरानी जी से मिलूंगा। मगर अफसोस आज वे हमारे बीच नहीं हैं।'

ऐक्ट्रेस न होती, तो जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती

वामिका के बारे में सभी जानते हैं कि वे एनिमल लवर भी हैं। असमय -साम्य पर वे जानवरों के हक़ में आवाज बुलंद करती रहती हैं। वे कहती हैं, 'अगर मैं अभिनय न कर रही होती, तो यकीनन जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती। मैं एक एनिमल लवर हूं और मुझे उनके बीच उन्हीं की तरह रहना पसंद है। मेरे पास 6 डॉग हैं मैंने इन्हें कोविड के दौरान रेस्क्यू किया था। मेरे कुत्तों का नाम है, फोबे, मिल्ली, जूली, फ्लुकी, गब्बर और मोमो।

'धुरंधरः द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है

अक्षय कुमार 14 वर्षों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म 'भूत बंगला' लेकर आ रहे हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, असरानी और तब्बू जैसे कलाकार भी हैं। 'भूत बंगला' पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने फिल्म को पोस्टपोन करने का फैसला किया। अब यह 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस बीच 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की असली वजह बताई है। 'भूत बंगला' की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने पर एकता कपूर ने मीडिया से कहा कि फिल्म इसलिए लेट नहीं हुई क्योंकि थिएटर में 'धुरंधर 2' चल रही थी। मैं 10 अप्रैल को भी 'भूत बंगला' के लिए अच्छी स्क्रीन और शो-टाइम हासिल कर सकती थी। वैसे भी आजकल फिल्में आम तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। अगर 'धुरंधर: द रिवेंज' अच्छा कर रही है, तो अच्छी बात है। हम उसके साथ किसी जंग में नहीं हैं! हमने सोचा कि हमें थिएटर में आने से पहले उसे अपना करीब 85 परसेंट रन पूरा करने देना चाहिए।' इससे पहले 'भूत बंगला' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज टलने को लेकर कहा था 'धुरंधर: द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। प्रदर्शकों को लगता है कि 'भूत बंगला' की रिलीज टालने से दोनों फिल्मों को वह जगह, फोकस और अटेंशन मिल पाएगी, जिसकी वे हकदार हैं।'

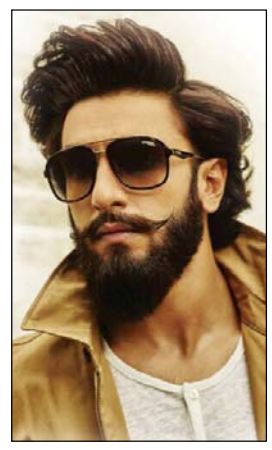

चंद्रगुप्त मौर्य पर फिल्म कर सकते हैं रणवीर सिंह

'धुरंधर' फ्रेंचाइज की सफलता के बाद अब सभी की नजर इस बात पर है कि डायरेक्टर आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट कौन सा होगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि आदित्य, रणवीर सिंह के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया...' आदित्य इस समय तीन स्क्रिप्ट पर विचार कर रहे हैं। इनमें 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा', एक ऐतिहासिक फिल्म और एक बड़े लेवल की स्पोर्ट्स फिल्म शामिल है। उनकी अगली फिल्म इनमें से कोई एक हो सकती है, जब तक कि कोई नया प्रोजेक्ट प्राथमिकता में न आ जाए। 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' आदित्य का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इस फिल्म पर उन्होंने पहले काफी काम किया था, लेकिन ज्यादा बजट के कारण इसे रोक दिया गया था।

सारा अर्जुन को कैसे मिला रणवीर के अपोजिट 'धुरंधर' का किरदार

फिल्म 'धुरंधर' में हर किरदार ने दर्शकों पर अपना असर छोड़ा है। इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आए हैं, वहीं उनके अपोजिट सारा अर्जुन दिखी हैं। सारा अर्जुन ने यलीना का रोल निभाया है। यलीना की भूमिका के लिए 1200 दावेदार थे। मगर, यह रोल सारा की झोली में आया। फिल्म 'धुरंधर' के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने हाल ही में इसका जिक्र किया।

फ्रेश चेहरे को तवज्जो देना चाहते थे छाबड़ा

मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रणवीर सिंह के किरदार हमजा के अपोजिट यलीना का रोल पाने के लिए कई एक्टर्स ने कोशिश की थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश छाबड़ा ने बताया कि उन्हें और आदित्य धर दोनों को ही उन एक्टर्स से ढेरों रिक्वेस्ट मिल रही थीं, जो इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेताब थे। हालांकि, टीम एक बात को लेकर बिल्कुल साफ थी। कलाकार ऐसा हो, जो वाकई 'धुरंधर' की दुनिया का हिस्सा लगे, जिसकी पहले से कोई बनी-बनाई इमेज न हो।

मुकेश छाबड़ा और आदित्य धर को आ रहे थे लगातार मैसेज

मुकेश छाबड़ा ने कहा, 'बहुत से लोग आदित्य को भी मैसेज कर रहे थे और कह रहे थे कि वे रणवीर के अपोजिट कास्ट होना चाहती हैं। मुझे भी मैसेज मिल रहे थे। लेकिन मैंने आदित्य से बहुत साफतौर पर कहा कि हमें एक ऐसे चेहरे की जरूरत है जो सचमुच उस जगह का लगे, जिसके साथ कोई पुराना बैगेज न जुड़ा हो। इसलिए एक नया चेहरा ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि अगर कोई ऐसा एक्टर हो जिसने रणवीर के साथ पहले दो फिल्में की हों, तो वह कनेक्शन नहीं बन पाएगा, क्योंकि फिल्म में रणवीर का किरदार पाकिस्तान जाकर उस लड़की से मिलता है'।

हजार से ज्यादा एक्ट्रेस ने दिए ऑडिशन

दिलचस्प बात यह है कि बचपन में एक्टिंग करने के बावजूद सारा अर्जुन ने अभी तक बॉलीवुड में कोई पूरी तरह से लीड रोल नहीं किया था। यह बात उनके पक्ष में रही। फिल्म बनाने वाले एक ऐसे चेहरे को पेश करने के इच्छुक थे, जो दर्शकों को बिल्कुल नया और अनजान लगे। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा यह साफ मानना था कि अगर हम उस दुनिया में कदम रख रहे हैं, तो यह एक पूरी तरह से चौंकाने वाला अनुभव होना चाहिए। लोग यह सोचने पर मजबूर हो जाएं कि यह लड़की कौन है? हमने बहुत सारे ऑडिशन लिए, कुल मिलाकर लगभग बारह सौ से तेरह सौ के करीब। फिर, आखिरकार हमने सारा का ऑडिशन लिया।

इंडस्ट्री में अपना काम खुद बताना पड़ता है

अभिलाष थपलियाल इन दिनों वेब सीरीज 'एस्पिरेंट्स' के सीजन 3 को लेकर चर्चा में हैं, जहां उनका 'एसके' का किरदार दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुका है। दैनिक भास्कर से बातचीत में अभिलाष ने बताया कि इस बार भी शो को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, खासकर दोस्ती से जुड़े इमोशनल सीन लोगों को गहराई से छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'एसके' का किरदार उन लोगों की कहानी है जो जिंदगी में फेल होते हैं, इसलिए दर्शक उससे खुद को जोड़ पाते हैं। अभिलाष ने अपने करियर की शुरुआत, रेडियो जॉकी से लेकर फिल्मों और वेब सीरीज तक के सफर को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक्टिंग उनका पहला सपना नहीं था, बल्कि वह आर्मी जॉइन करना चाहते थे। इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने के कारण आई चुनौतियों और लगातार खुद को साबित करने की जरूरत पर भी उन्होंने खुलकर बात की।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 3 को लेकर कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है?

बहुत शानदार। एस्पिरेंट्स से लोग पहले ही जुड़ चुके हैं, इसलिए इस बार भी प्यार मिल रहा है। खासकर दोस्ती वाले सीन काफी वायरल हुए हैं। लोग कहते हैं कि देखकर भावुक हो गए।

आपके किरदार 'एसके' से लोग इतना कनेक्ट क्यों करते हैं?

क्योंकि ये सिर्फ टॉपर की कहानी नहीं है, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो फेल हो जाते हैं। हम सब कहीं न कहीं वैसा ही महसूस करते हैं, इसलिए कनेक्शन बनता है।

क्या बचपन से ही एक्टर बनना चाहते थे?

बिल्कुल नहीं। मैं तो आर्मी जॉइन करना चाहता था। मैं फौजी परिवार से हूं, हृष्ठ क्लियर करना सपना था, लेकिन वो पूरा नहीं हुआ।

एक्टिंग में एंट्री कैसे हुई?

मैं दिल्ली में रेडियो जॉकी था। वहीं फिल्म 'तेवर' के डायरेक्टर अमित शर्मा से मुलाकात हुई। उन्होंने मुझे फिल्मों में ट्राई करने को कहा। फिर मुंबई आया और पहली फिल्म पहली फिल्म 'दिल जंगली' मिली।

'एस्पिरेंट्स' से पहले करियर कैसा था?

शुरुआत में फिल्में ज्यादा नहीं चलीं, फिर टीवी और कॉमेडी शोज किए। सोशल मीडिया पर पॉलिटिकल सटायर भी करता था। लेकिन असली पहचान 'एस्पिरेंट्स' से मिली।

'एसके' का रोल कैसे मिला?

मैंने ऑडिशन दिया था। पहले मुझे लगा मैं 'अभिलाष' का किरदार करूंगा, लेकिन बाद में पता चला कि मुझे 'एसके' का रोल मिल रहा है।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 1 के बाद क्या जिम्मेदारी बढ़ गई थी?

हां, लेकिन मैं स्क्रिप्ट में ज्यादा बदलाव नहीं करता। जो लिखा होता है, उसे ईमानदारी से निभाता हूं। मेरा मानना है 'कम में बम ', कम सीन हों, लेकिन असरदार हों।

क्या आपने एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है?

नहीं, मैंने कोई फॉर्मल ट्रेनिंग नहीं ली। जो सीखा, लाइफ से सीखा। अलग-अलग जगह रहने से अलग-अलग भाषा और एक्सेंट पकड़ना आसान हो गया।

'एस्पिरेंट्स' के बाद करियर में क्या बदलाव आया?

इसके बाद मुझे कॉन्फिडेंस आया कि मैं खुद को एक्टर कह सकता हूं। फिर मैंने अनुराग कश्यप जैसे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और अलग-अलग रोल मिले।

आपने किन-किन फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में काम किया है?

'एस्पिरेंट्स' के बाद मुझे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स मिले। मैंने फिल्म 'ब्लर' में काम किया, अनुराग कश्यप के साथ फिल्म 'केनेडी' में काम किया। और अश्विनी अय्यर तिवारी के साथ वेब सीरीज 'फाडू' में काम किया। इन प्रोजेक्ट्स ने मुझे एक एक्टर के तौर पर काफी कॉन्फिडेंस दिया।

इंडस्ट्री में सबसे बड़ा स्ट्रगल क्या रहा?

आउटसाइडर होने का। आपको खुद जाकर लोगों को बताना पड़ता है कि आप क्या कर सकते हैं। यहां कोई गॉडफादर नहीं होता। मैं आज भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से मिलता हूं, खुद को पिच करता हूं। यह प्रोसेस कभी खत्म नहीं होती।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया के दो गांवों पर बंदूकधारियों ने किया हमला, कम से कम 20 लोगों की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य क्षेत्र में बंदूकधारियों ने दो गांवों पर हमला कर कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी। स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी है। ये हमले मंगलवार तड़के नाइजर राज्य के शिरोरो क्षेत्र में स्थित बगना और एरेना गांवों में हुए। शिरोरो, राजधानी अबुजा से लगभग 250 किलोमीटर दूर है। एरेना के निवासी जिब्रिन इसाह ने बताया, 'हमलावर मोटरसाइकिलों पर आए और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। यह तड़के का समय था, इसलिए हमला पूरी तरह से अचानक हुआ।' स्थानीय लोगों के अनुसार, हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत हुई है और कई लोग अब भी लापता हैं। हालांकि, पुलिस ने केवल तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर कई घंटों तक गांवों में सक्रिय रहे, घरों में लूटपाट की और लोगों को जान बचाने के लिए पड़ोसी इलाकों में भागने पर मजबूर कर दिया।

शेख हसीना के 'सियासी अंत' पर मुहर?: आवामी लीग आतंकी संगठन घोषित, बांग्लादेश संसद ने लगाया स्थायी बैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की संसद ने बेहद सख्त कानून पारित किया है। इसके तहत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को आधिकारिक कानूनी मोहर लगा दी गई है। अब आवामी लीग बांग्लादेश में एक प्रतिबंधित संगठन है। संसद में गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने इस विधेयक को पेश किया। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर आवामी लीग का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने कहा कि यह कानून एक ऐसी संस्था को प्रतिबंधित करने के लिए है जो 'नरसंहार और आतंकी गतिविधियों' में शामिल रही है। यह नया कानून पिछले 'आतंकवाद विरोधी अधिनियम' में संशोधन है, जिसे पहले मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए लागू किया था। इस कानून के लागू होने के बाद अब आवामी लीग का चुनाव आयोग में पंजीकरण स्थायी रूप से रद्द रहेगा। पार्टी न तो चुनाव लड़ सकेगी और न ही किसी तरह की राजनीतिक गतिविधि कर पाएगी। कानून में यह भी प्रावधान है कि सोशल मीडिया या मुख्यधारा की मीडिया में पार्टी के समर्थन में कोई भी बयान प्रकाशित करना अपराध माना जाएगा। यहां तक कि पार्टी के समर्थन में जुलूस निकालना या भाषण देना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि इस विधेयक का विरोध केवल बाहर से नहीं, बल्कि संसद के भीतर से भी हुआ है। मुख्य विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने बिल की समीक्षा के लिए और समय मांगा। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के मानवाधिकार अधिकारियों ने इस कदम की आलोचना की है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी बड़ी राजनीतिक पार्टी पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना लोकतंत्र के स्वस्थ भविष्य के लिए ठीक नहीं है। संवैधानिक विशेषज्ञ स्वाधीन मलिक ने कहा कि दुनिया के इतिहास में बांग्लादेश दूसरा ऐसा देश बन गया है, जिसने अपनी आजादी की लड़ाई का नेतृत्व करने वाली पार्टी को ही बैन कर दिया है।

ट्रंप को पसंद नहीं आया 10 शर्तों वाला पीस प्लान, टूट जाएगा सीजफायर?

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हुआ दो हफ्तों का युद्धविराम अब अनिश्चितता के दौर में पहुंचता नजर आ रहा है। लेबनान पर लगातार हो रहे इजरायली हमलों के कारण तनाव बढ़ गया है। ईरान लगातार चेतावनी दे रहा है कि यदि ये हमले नहीं रुके तो वह सीजफायर से पीछे हट सकता है। इसी बीच, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने ईरान के कथित 10 सूत्रीय प्रस्ताव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया था और इसे 'कूड़ेदान में फेंक दिया गया।' ईरान ने पहले दावा किया था कि उसका 10-पॉइंट प्रस्ताव अमेरिका को स्वीकार्य था, लेकिन लेविट ने इसे गलत बताया। उनके अनुसार, यह प्रस्ताव 'गैर-गंभीर' था और अमेरिकी नेतृत्व ने इसे बातचीत के लायक नहीं माना। हालांकि, बाद में ईरान की ओर से एक संशोधित योजना पेश की गई, जिसे अमेरिका ने अपने 15 सूत्रीय प्रस्ताव के साथ जोड़कर बातचीत के आधार के रूप में देखने की बात कही है। लेविट ने यह भी दोहराया कि ट्रंप प्रशासन की 'रेड लाइन' साफ है ईरान के भीतर यूरेनियम संवर्धन (एनरिचमेंट) को पूरी तरह समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान की 'विश लिस्ट' को किसी समझौते के रूप में स्वीकार करना संभव नहीं है। ईरान के 10 सूत्रीय प्रस्ताव में कई बड़ी मांगें शामिल थीं, जैसे उस पर किसी भी तरह का हमला न होना, होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण बनाए रखना, यूरेनियम संवर्धन जारी रखने की अनुमति, सभी प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिबंधों को हटाना, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को समाप्त करना, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रस्तावों को खत्म करना, मुआवजा देना और क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी। इसके अलावा, लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने की भी मांग की गई थी।

पाकिस्तान की बड़ी फजीहत; ट्रंप की टीम ने देखा था शहबाज का ट्वीट, फिर दी पोस्ट करने की इजाजत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान संघर्ष में पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता की पूरी कहानी एक सोशल मीडिया गलती के कारण खुलकर सामने आ गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स पर युद्धविराम की अपील वाला पोस्ट डाला था, लेकिन उसमें ड्राफ्ट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स लिखा हुआ छूट गया। बाद में इसे एडिट कर हटा दिया गया, लेकिन स्क्रीनशॉट वायरल हो गए। कहा जा रहा है कि पाक पीएम ने ये पोस्ट अमेरिका के कहने पर पोस्ट की थी। अब खुद अमेरिकी मीडिया भी इस पर मुहर लगाती नजर आ रही है।

वाइट हाउस ने देखा था ट्वीट : न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वाइट हाउस ने इस पोस्ट को एक्स पर शेयर किए जाने से पहले ही देख लिया था और अपनी मंजूरी भी दे दी थी। यह खुलासा दर्शाता है कि पाकिस्तान की स्वतंत्र कूटनीतिक पहल असल में अमेरिका की तैयार की गई स्क्रिप्ट थी।

दरअसल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को अल्टीमेटम दिया था कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलो, वरना अमेरिका ईरान के बुनियादी ढांचे और सभ्यता को नष्ट कर देगा। ट्रंप ने 7 अप्रैल (मंगलवार) को शाम 8 बजे (वाशिंगटन समय) तक की डेडलाइन दी थी। इसी बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने पिछले कई हफ्तों से अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त संपर्क साधे हुए थे। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, वाइट हाउस ने पाकिस्तान को इस अस्थायी युद्धविराम को फाइनल कराने के लिए दबाव डाला था, ताकि ट्रंप सार्वजनिक रूप से धमकियां देते हुए भी पीछे हट सकें।

इसके बाद 8 अप्रैल को सुबह शहबाज शरीफ ने अपने आधिकारिक हैंडल से पोस्ट किया कि अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह का सीजफायर हो गया है। पोस्ट में ट्रंप, जेडी वेंस, ईरानी नेताओं और अन्य को टैग किया गया था। लेकिन असली पोस्ट के ऊपर 'ड्राफ्ट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स' लिखा हुआ था, जो एडिट हिस्ट्री में साफ दिखाई दिया। शरीफ के स्टाफ ने इसे कॉपी-पेस्ट कर दिया और हटाना भूल गए। पाकिस्तानी अधिकारियों को खुद प्रधानमंत्री को 'पाकिस्तान पीएम' कहकर संबोधित करने की जरूरत नहीं होती- यह शब्द अमेरिकी या इजरायली ड्राफ्ट का संकेत था।

पर्दे के पीछे की कहानी : न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि वाइट हाउस ने इस स्टेटमेंट को पहले ही देख लिया था और मंजूरी दे दी थी। यानी पाकिस्तान की अपील असल में पहले से कोऑर्डिनेटेड थी। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद ईरान पर बमबारी दो हफ्ते के लिए रोकने का फैसला किया है। कुछ घंटों बाद शहबाज शरीफ ने दूसरा पोस्ट डालकर युद्धविराम की घोषणा का स्वागत किया।

पोस्ट के ड्राफ्ट वाले स्क्रीनशॉट वायरल हो गए। कई यूजर्स ने मजाक उड़ाया। लोग इसे कॉपी-पेस्ट पीएम, व्हाइट हाउस ने स्क्रिप्ट लिखी आदि कह रहे हैं। अमेरिकी पत्रकार रयान ग्रिम ने लिखा- शरीफ ने जो भेजा गया था, उसे कॉपी-पेस्ट कर दिया, जिसमें 'ड्राफ्ट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स' भी शामिल था। उनके अपने स्टाफ तो उन्हें ऐसे नहीं बुलाते।

होर्मुज में बारूदी माइन्स का खौफ! ईरान ने बदले जहाजों के रास्ते, नया रूट भी बता दिया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने गुरुवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के समुद्री रास्ते से होकर गुजरने वाले जहाजों के लिए नए वैकल्पिक मार्गों की घोषणा की है। ईरान ने इस अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग के मुख्य क्षेत्र में समुद्री बारूदी माइन्स के खतरे का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। यह घोषणा अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक हालिया समझौते के बाद हुई है, जिसके तहत तेहरान ने दुनिया के सबसे व्यस्त तेल व्यापार मार्गों में से एक को अस्थायी रूप से खोलने पर सहमति जताई है।

अस्थायी युद्धविराम और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का खुलना : अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी है। इसके तहत ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अस्थायी रूप से फिर से खोलने के लिए राजी हो गया है। गौरतलब है कि दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाले कच्चे तेल का लगभग पांचवां हिस्सा (20%) इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है।

रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का बयान : ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने स्थानीय मीडिया के हवाले से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा- स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते से गुजरने वाले सभी जहाजों को सूचित किया जाता है कि समुद्री सुरक्षा के सिद्धांतों का पालन करने और समुद्री माइन्स से संभावित टकराव से बचने के लिए... उन्हें यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने चाहिए। बयान के साथ ही इस जलमार्ग में प्रवेश करने और बाहर निकलने के लिए नए मार्गों के स्पष्ट निर्देश भी शेयर किए गए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच यह दो सप्ताह का संघर्ष विराम मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात को हुआ। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई समय सीमा खत्म होने से एक घंटे से भी कम समय पहले हुआ था। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान जलमार्ग खोलने की उनकी मांगों के सामने नहीं झुकता है, तो वे इस्लामिक गणराज्य को पूरी तरह से 'तबाह' कर देंगे।

ईरान (तेहरान) ने मार्च की शुरुआत से ही इस प्रमुख शिपिंग मार्ग को प्रभावी रूप से ब्लॉक कर रखा था। इसके परिणामस्वरूप वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई थी और कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। इस दो सप्ताह के युद्धविराम और वैकल्पिक मार्गों की शुरुआत से अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और वैश्विक बाजारों को फौरी तौर पर कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, हालांकि बारूदी सुरंगों के खतरे के कारण स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। समुद्री बारूदी माइन्स को नेवल माइन्स, सी माइन्स या नौसैनिक सुरंगें भी कहा जाता है।

पूर्व पीएम केपी ओली के बाद देउबा पर भी बालेन सरकार ने कसा शिकंजा, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वारंट जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति में बड़ा उथल-पुथल देखने को मिल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी होने से सियासी माहौल गरमा गया है। इससे पहले केपी शर्मा ओली पर भी कार्रवाई की जा चुकी है, जिससे साफ है कि नई सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में सख्ती दिखा रही है।

इस पूरे मामले में काठमांडू जिला अदालत ने जांच एजेंसी की मांग पर यह वारंट जारी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला जज महेंद्र खड़का की पीठ की मंजूरी के बाद लिया गया। जांच एजेंसी लंबे समय से देउबा, उनकी पत्नी और अन्य नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही थी। बताया जा रहा है कि पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान कई नेताओं के घरों से जली हुई नकदी की तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। इनमें देउबा के घर से जुड़े दृश्य भी थे। फॉरेंसिक जांच में इन नोटों के असली होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद मामला गंभीर हो गया और व्यापक जांच शुरू की गई। जानकारी के अनुसार, देउबा और उनकी पत्नी इस समय नेपाल में नहीं हैं। दोनों 26 फरवरी को इलाज के लिए सिंगापुर गए थे और उसके बाद हांगकांग भी पहुंचे। अभी तक उनकी वापसी नहीं हुई है, जिससे जांच एजेंसियों की कार्रवाई और तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी वारंट जारी करने का मकसद इंटरपोल रेड नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। इससे विदेश में मौजूद आरोपियों को हिरासत में लेकर नेपाल लाया जा सकता है। पांच मार्च को हुए चुनाव के बाद नेपाल की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। नई सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचार के मामलों में तेजी से कार्रवाई शुरू हुई है। यही वजह है कि अब देउबा और अन्य नेताओं के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ाया गया है। देउबा पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं और 1991 से लगातार राजनीति में सक्रिय रहे हैं। हालांकि हालिया घटनाक्रम और जांच के चलते उनका राजनीतिक भविष्य संकट में नजर आ रहा है। नई सरकार के सख्त रुख के कारण उनके लिए स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

'पूर्ण समझौते तक अमेरिकी सेना ईरान में रहेगी', ट्रंप का अल्टीमेटम; लेबनान पर फिर बरसे बम

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप ने कहा इसमें अमेरिकी जहाज, विमान और सैनिक शामिल होंगे, साथ ही अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और वह सब कुछ जो दुश्मन के कमजोर किए गए ढांचे को पूरी तरह नष्ट करने के लिए जरूरी हो। राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि समझौते का पालन किसी भी कारण से नहीं हुआ, तो कार्रवाई बड़ी, मजबूत और ऐसी होगी जो किसी ने पहले कभी नहीं देखी। ट्रंप ने आगे कहा यह लंबे समय पहले तय हुआ था और सभी झूठी बातें और बयानबाजी के बावजूद कोई परमाणु हथियार नहीं होंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह सुरक्षित और खुला रहेगा।

लेबनान से दागे गए रॉकेट को इस्राइल ने किया निष्क्रिय : इस्राइली सेना ने जानकारी दी है कि लेबनान की ओर से उत्तरी इस्राइल की दिशा में दागे गए एक रॉकेट को सफलतापूर्वक हवा में ही रोक दिया गया। इस हमले के बाद गलील क्षेत्र में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बज उठे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इस्राइल ने हाल ही में लेबनान पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया है। इन हमलों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

इस्राइल ने फिर दक्षिण लेबनान पर बरसाए बम : इस्राइली सेना ने एक बार फिर बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला शहर के दक्षिणी उपनगरों में किया गया। इसके अलावा इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के कई कस्बों सफाद अल-बत्तिख, माजदल सेलेम, चाकरा और खेरबेत सेलेम पर भी बमबारी की है। हालांकि अभी हमलों में हुए नुकसान और हताहतों की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। स्थिति को लेकर लगातार अपडेट का इंतजार किया जा रहा है। होर्मुज पर ईरान का बड़ा फैसला, जहाजों के लिए नए रास्ते तय ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना ने होर्मुज में जहाजों की आवाजाही के लिए नए वैकल्पिक रास्तों का एलान किया है। यह कदम समुद्र में संभावित बारूदी सुरंगों (माइंस) से जहाजों को सुरक्षित रखने के लिए उठाया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी नौसेना ने सभी जहाजों को निर्देश दिया है कि वे इन तय मार्गों का पालन करें और उनकी निगरानी में ही गुजरें। नेतन्याहू बोले- ईरान कमजोर, इस्राइल मजबूत; जीत अब तक की शानदार इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्वीट कर कहा कि इस्राइल ने अब तक की लड़ाई में शानदार जीत हासिल की है, जो पहले असंभव लगती थी। उनका कहना है कि अब ईरान पहले से कमजोर और इस्राइल पहले से मजबूत है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच युद्धविराम वार्ता बेनतीजा, चीन की कोशिश हुई बेकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर जारी जंगी हालात पर चीन में हुई वार्ता के दौरान पाकिस्तानी हुक्मरान स्थायी युद्धविराम तक नहीं पहुंच पाए हैं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वार्ता बिना ठोस नतीजे के खत्म हो गई। डॉन ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस बैठक में अफगानिस्तान ने लगातार पाकिस्तान पर तालिबान के मुद्दे को लेकर आंखें दिखाई और तालिबान के कुछ सवालों ने पाकिस्तानी अफसरों की परेशानी बढ़ा दी। दोनों पक्षों में समझौता नहीं हो पाया।

बीबीसी पश्तो ने भी कहा है कि चीन में हुई बैठक में तालिबान ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए आतंकवाद की परिभाषा स्पष्ट करने के लिए कहा। इसके अलावा तालिबान ने डूरंड लाइन (सीमा रेखा) को मान्यता नहीं देने की बात भी कही। तालिबान ने यह भी कहा कि अस्थाई युद्धविराम के बावजूद पाकिस्तानी सेना उसके क्षेत्र में हमले कर रही है। यद्यपि अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने कहा कि वार्ता उपयोगी रही लेकिन इसमें कोई सफलता किसी के हाथ नहीं लगी है। एजेंसी

मुत्ताकी का सख्त रवैया : चीन के अफसरों के सामने ही अफगानिस्तान के प्रतिनिधि अमीर खान मुत्ताकी ने सख्त रवैया अपनाया और पाकिस्तान को इस छह दिनी बैठक में दोटूक कह दिया कि हमारी कोशिश जंग को खत्म करने की रहेगी, लेकिन यह सब पाकिस्तान पर निर्भर करेगा।

समझौते में छह देश शामिल : पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच समझौता कराने में पाकिस्तान समेत छह देश शामिल हैं। इनमें चीन, तुर्किये, पाकिस्तान, यूएई, सऊदी अरब और कतर शामिल हैं। चीन इस शांति वार्ता का नेतृत्वकर्ता है। पाकिस्तान का कहना है कि जब तक टीटीपी को अफगानिस्तान से खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक बात नहीं बन सकती है। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने टीटीपी को पाकिस्तान की समस्या बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में पाकिस्तान ने टीटीपी को लेकर अफगानिस्तान पर हमला किया। पाकिस्तान का कहना था कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) नामक आतंकी गुट को काबुल में पनाह दी जाती रही है। इसे तालिबान ने सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि आतंकवाद पाकिस्तान की घरेलू समस्या है। उसने पूछा, पहले यह बताए कि आतंक की परिभाषा क्या है? इसके बाद डूरंड लाइन पर पाकिस्तान को अफगानिस्तान ने खरी-खोटी सुनाई। छह दिन तक चली इस समझौता वार्ता में दोनो ही पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप किए।

फिर चलेंगी मिसाइलें, पाकिस्तान का कराया सीजफायर टूटने की कगार पर? ईरान ने दे दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में हुए सीजफायर पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। खबर है कि ईरान की तरफ से इजरायल को धमकी दी गई है। तेल अवीव को उड़ाने की धमकियां लेबनान में हुए हमले के जवाब में दी गई हैं। खास बात है कि मध्यस्थ पाकिस्तान ने कहा था कि सीजफायर में लेबनान में शांति भी शामिल है। जबकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सार्वजनिक रूप से इससे इनकार कर दिया है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की तरफ से इजरायल को चेतावनी जारी की गई है। इसमें कहा गया है, 'अगर कुछ घंटों में दक्षिण लेबनान में फायरिंग नहीं रुकी, तो एयर और मिसाइल यूनिट तेल अवीव में हमला करेंगी...।'

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि ईरान और अमेरिका, अपने सहयोगियों के साथ, लेबनान और अन्य सभी जगहों पर तुरंत युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं। यह फैसला अभी इसी वक्त से प्रभावी है।'

ट्रंप और जेडी वेंस दोनों ने मना कर दिया : अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि कोई गलतफहमी हुई है। मुझे लगता है कि ईरानी यह मान रहे थे कि सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। जबकि, ऐसा नहीं है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका का मत है कि सीजफायर ईरान और अमेरिका के सहयोगियों पर फोकस होगा। जिसमें इजरायल और अरब देश शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि लेबनान को युद्धविराम समझौते में 'हिज्बुल्लाह की वजह से' शामिल नहीं किया गया है। ट्रंप ने पीबीएस न्यूज आवर के साथ बातचीत में कहा, 'उन्हें समझौते में शामिल नहीं किया गया है। इसे भी ध्यान रखा जाएगा। सब ठीक है।' जब उनसे लेबनान में इजरायल की तरफ से लगातार हमले जारी रखने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'यह समझौते का हिस्सा है - यह तो सभी जानते हैं। यह एक अलग झड़प है।'

एक दिन में 182 की मौत : इजरायल ने बुधवार को मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले कई आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए जिसमें 182 लोगों की मौत हो गई। यह इजरायल-हिजबुल्ला युद्ध के दौरान एक दिन में हुई मौत की सर्वाधिक संख्या है।

अमेरिका में जाति विवाद गहराया: भारतीय और हिंदू समुदाय को निशाना बनाने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जाति आधारित भेदभाव को लेकर विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कैलिफोर्निया की नागरिक अधिकार नियामक एजेंसी के खिलाफ नौवीं सर्किट अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। संगठन का आरोप है कि एजेंसी ने गलत तरीके से जाति को हिंदू धर्म से जोड़ते हुए भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों को निशाना बनाया है।

6 अप्रैल को दाखिल जवाबी याचिका में एचएएफ ने अदालत से अनुरोध किया है कि निचली अदालत द्वारा उसके मुकदमे को खारिज करने में जिन प्रक्रियात्मक बाधाओं का हवाला दिया गया था, उन्हें हटाया जाए। संगठन का कहना है कि जिला अदालत ने उसके दावों के मूल मुद्दों पर विचार किए बिना ही मामला खारिज कर दिया।

क्यों हो रहा यह विवाद : यह पूरा विवाद कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग द्वारा सिस्को सिस्टम्स और उसके दो प्रबंधकों के खिलाफ दर्ज शिकायत से जुड़ा है। इस शिकायत में जाति के आधार पर भेदभाव के आरोप लगाए गए थे और यह कार्रवाई कैलिफोर्निया के फेयर एम्प्लॉयमेंट एंड हाउसिंग एक्ट के तहत की गई थी। सीआरडी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उसने सिस्को और उसके पूर्व प्रबंधकों के खिलाफ जाति-आधारित भेदभाव का मामला दर्ज किया है। एचएएफ का आरोप है कि सीआरडी ने अपनी कार्रवाई में जाति को हिंदू धर्म और भारतीय मूल के कर्मचारियों से जोड़ने की कोशिश की। संगठन के मुताबिक, एजेंसी की शिकायत में जाति शब्द का बार-बार इस्तेमाल किया गया और यह धारणा बनाई गई कि भारतीय कर्मचारियों के बीच जाति-आधारित भेदभाव होता है, जिसे कंपनी को रोकना चाहिए था। एजेंसी की कार्रवाई नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है

संगठन ने यह भी कहा कि एजेंसी की प्रस्तुति भारतीयों और हिंदुओं के बारे में नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है। एचएएफ ने सीआरडी के एक पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें भारत की जाति व्यवस्था को कठोर हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम बताया गया था। हालांकि, बाद में विभाग ने इस विवादित वाक्यांश को हटा दिया और मामले को अप्रासंगिक बताया, लेकिन संगठन का कहना है कि इससे मूल समस्या खत्म नहीं होती। फाउंडेशन का कहना है कि हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम जैसे शब्द हटाने के बावजूद सीआरडी अब भी कंपनी के भारतीय, दक्षिण एशियाई और हिंदू कर्मचारियों पर जाति से जुड़ी नीतियां लागू करने की कोशिश कर रहा है। इस मामले का असर केवल एक केस तक सीमित नहीं एचएएफ की सीनियर लीगल डायरेक्टर निधि शाह ने चेतावनी दी कि इस मामले का असर सिर्फ एक केस तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदू अमेरिकी, भारतीय अमेरिकी और दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय इस मुद्दे को लेकर चिंतित हैं। शाह ने आरोप लगाया कि नागरिक अधिकार विभाग अपनी प्रवर्तन शक्तियों का इस्तेमाल उन्हीं अल्पसंख्यक समूहों को अलग करने के लिए कर रहा है, जिनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर है। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया के लोग, नियोक्ता और कारोबारी इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसी जाति के आधार पर कार्रवाई करते हुए इसका दोष हिंदू धर्म पर डाल रही है और यह आशंका जताई कि भविष्य में और हिंदू संगठनों या व्यक्तियों को निशाना बनाया जा सकता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700,